मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

राज्य सरकार द्वारा सरकारी विज्ञापनों के लिए अधिकृत | एक सकारात्मक सोच | विश्वसनीय साप्ताहिक अखबार

जागरूक जनता

BUDGET 2021-22

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

माघ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - षष्ठी, संवत 2077 | पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-6, अंक-49, 3 फरवरी - 9 फरवरी, 2021 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

प्रजातंत्र बनाम भीड़तंत्र!

शिव दयाल मिश्रा

सटीक

प्रजातंत्र में हर आदमी को अपनी बात कहने का हक दिया गया है। मगर इसका यह अर्थ तो कतई नहीं हो सकता कि आप जिद पर ही अड़ जाओ। कुछ झुको और कुछ झुकाओ। इसके बाद अपनी बात बनाओ। यह तो हुआ एक साफ-सुथरा लोकतंत्र। मगर यह राजनीति है ना, इसमें कोई किसी का सगा नहीं है। हालांकि कहते हैं कि राज धर्म से ही चलता है। अगर धर्म नहीं होगा तो अधर्म का राज हो जाएगा। मगर आज धर्म का अर्थ भी सब अपने-अपने हिसाब से लगा रहे हैं। खैर, छोड़ो धर्म की बात। बात यह है कि जब-जब भी भीड़ इकट्ठा हुई है और उस पर से नियंत्रण हटा है वह बेकाबू हो गई है। इसके कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। सरकार अपने तरीके से निपटती है। मगर जो कुछ भी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के दिन हुआ। वह हमारे लोकतंत्र पर एक धब्बा ही कहा जाएगा। दुनिया में हमारे लोकतंत्र का उदाहरण दिया जाता है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र। मगर 26 जनवरी को लोकतंत्र पर भीड़तंत्र भारी पड़ गया है। जिसके घाव अभी होते ही जा रहे हैं। किसानों से कई दौर की बातचीत हुई वह भी कोई समाधान नहीं निकाल पाई। पिछले साल शाहीन बाग हुआ। इस वर्ष किसान आंदोलन हो गया। अभी पिछले दिनों अमेरिका में भीड़ व्हाइट हाउस में घुस गई। वही नजारा लाल किले में देखने को मिला। अनियंत्रित भीड़ को अयोध्या में भी देखा गया। कई वर्ष पहले मिस्र में भी भीड़ तंत्र को देखा गया। वहां जो हुआ वो पूरे विश्व ने देखा। भीड़ को काबू करने के लिए नहीं चाहते हुए भी सख्ती बरतनी पड़ती है और इसमें कईयों को अपनी जान से हाथ भी धोना पड़ जाता है। इसलिए किसान आंदोलन में जो अराजक तत्वों की घुसपैठ हो गई है उससे निपटने के लिए ऐसे तत्वों को अलग-थलग करना ही पड़ेगा। हालांकि स्थिति विचित्र सी बनी हुई है। मगर इस आंदोलन को समझ-बूझ के साथ सरकार को शांत करना चाहिए। 26 जनवरी के बाद यह आंदोलन अनियंत्रित सा हो गया है। ऐसा सदा जैसे कोई इनकी अगुवाई करने वाला कोई नेतृत्व ही नहीं है। हालांकि सरकार कहती है कि किसानों के हित में कानून बनाया गया है जबकि कुछ किसान इसे किसानों के खिलाफ बता रहे हैं। ऐसी विरोधाभासी और पीड़ादायक स्थिति से सरकार कैसे निपटेगी। यह तो आने वाले दिनों में सामने आएगा।

shivdayalmishra@gmail.com

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया आम बजट 2021-21

सरकार की निर्मला वाणी

सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले ऑटो मोबाइल, रियल एस्टेट व टेक्सटाइल सेक्टर को मिला बूस्टर

ईपीएफ में सालाना 2.5 लाख रु. से ज्यादा जमा पर मिलने वाला ब्याज अब टैक्स के दायरे में

मध्यम वर्ग को सीधी राहत नहीं, लेकिन कोरोना संकट के बावजूद किसी वर्ग पर अतिरिक्त टैक्स नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

नई दिल्ली। मोदी सरकार का कोरोनाकाल का पहला बजट केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया। हालांकि यह बजट बहुत ज्यादा लोकलुभावन भले न दिखे, मगर खर्च और बचत का संतुलन साधता जरूर दिख रहा है। सेहत की फिक्र के साथ ही इसमें रोजगार बढ़ाने के लिए करीब 17 करोड़ नौकरियां देने वाले सेक्टर्स ऑटो, टेक्सटाइल और रियल एस्टेट पर ज्यादा फोकस किया गया है। ऑटो सेक्टर में नई वाहन स्क्रैप पॉलिसी से जहां बाजार में नई डिमांड बढ़ने की उम्मीद है, वहीं स्टील पर कस्टम ड्यूटी घटने से निर्माण लागत भी कम होने के आसार हैं। टेक्सटाइल के लिए जहां 7 नए मेगापार्क की घोषणा हुई है, वहीं रॉ कॉटन और यार्न का आयात महंगा कर घरेलू बाजार को बूस्ट दिया गया है। रियल एस्टेट सेक्टर में भी स्टील आयात सस्ता होने से लागत घटेगी, वहीं अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के लिए टैक्स हॉलीडे की समयसीमा भी एक साल बढ़ा दी गई है। हालांकि, मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं मिली है। ईपीएफ में सालाना 2.5 लाख से ज्यादा जमा पर मिलने वाला ब्याज टैक्स के दायरे में लाकर वेतनभोगियों को झटका भी दिया है। हालांकि अर्थव्यवस्था के मुश्किल दौर में भी कोई नया टैक्स न लाना आम करदाता के लिए बड़ी राहत जैसा ही है। अर्थव्यवस्था को बूस्ट देने के लिए जहां बीमा कंपनियों में एफडीआई की सीमा 74त्न करने की घोषणा हुई है, वहीं दो और सरकारी बैंकों के विनिवेश का भी फैसला लिया गया है। ऊर्जा सेक्टर में गुणवत्ता सुधारने के लिए इस बजट में बिजली उपभोक्ताओं को सेवा प्रदाता और वितरण कंपनी चुनने की सुविधा दी गई है।

हैल्थ के साथ आत्म निर्भर भारत का सपना

- हैल्थ बजट में इस बार 9.6% की बढ़ोतरी की गई
- कोविड वैक्सीन के लिए 35 हजार करोड़ का फंड रखा गया
- 64 हजार करोड़ रु. की पीएम आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना

राजे की शाह से मुलाकात, राजनैतिक हलचल शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच सोमवार देर शाम हुई करीब एक घंटे की मुलाकात से कई लोग हैरान रह गए। इस मुलाकात के बाद तरह-तरह की राजनीतिक चर्चाएं भी शुरू हो गई। पिछले एक हफ्ते में राजे बीजेपी के कई बड़े नेताओं से मुलाकात कर चुकी हैं, जिसकी वजह से नेताओं में हलचल है। बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजे ने बीते एक हफ्ते में पार्टी चीफ जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान और राजस्थान इनचार्ज अरुण सिंह से मुलाकात की है। पूरे मामले से वाकिफ बीजेपी के एक सीनियर नेता ने बताया कि आम तौर पर शाह की किसी के साथ बैठक 10-15 मिनट तक चलती है, क्योंकि उनका शेड्यूल काफी बिजी रहता है, लेकिन राजे के साथ यह बैठक तकरीबन घंटेभर तक चली।

फिर बदलेगा मौसम, बारिश की संभावना

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से परिसंचरण तंत्र बनने की संभावना है। इसके असर से तीन फरवरी को आसमान में बादल छाए रहने तथा उत्तरी भागों में कहीं-कहीं में मेघगर्जन के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। गुरूवार को जयपुर, बीकानेर तथा भरतपुर संभाग के उत्तरी जिलों में मेघगर्जन/वज्रपात के साथ कहीं कहीं ओलावृष्टि होने की भी संभावना है।

CBSE की डेट शीट जारी

बोर्ड परीक्षाएं 4 मई से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने 10वीं और12वीं की परीक्षाओं के लिए मंगलवार को डेट शीट जारी कर दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। डेट शीट के मुताबिक, 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 4 मई से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षाएं 7 जून तक, जबकि 12वीं की परीक्षाएं 11 जून तक चलेंगी।

12वीं की परीक्षाएं दो शिफ्ट में

सीबीएसई की तरफ से कहा गया है कि कम दिनों में एग्जाम खत्म करने के लिए 12वीं की परीक्षाएं दो शिफ्ट में होंगी। दूसरी शिफ्ट में उन विषयों की परीक्षा ली जाएगी, जिन्हें विदेशों में स्थित सीबीएसई स्कूलों में नहीं पढ़ाया जाता है।

परीक्षा ढाई महीने देरी से

सीबीएसई परीक्षाएं इस बार करीब ढाई महीने की देरी से शुरू हो रही हैं। पिछले साल यह 15 फरवरी से शुरू हो गई थीं। परीक्षाओं में 30 लाख स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। दोनों ही क्लास के प्रैक्टिकल एग्जाम 1 मार्च से शुरू होंगे। वहीं, रिजल्ट 15 जुलाई तक जारी कर दिया जाएगा।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड: 10वीं-12वीं

परीक्षा मई में संभव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12 वीं की साल 2021 की मुख्य परीक्षाएं मई के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। बोर्ड इसी हिसाब से परीक्षा टाइम टेबल की तैयारी में जुटा है।

माना जा रहा है कि जल्द ही टाइम टेबल जारी किया जा सकेगा। कोविड-19 के चलते इस बार बोर्ड परीक्षाएं करीब 2 महीने बाद शुरू होंगी। आमतौर पर बोर्ड की परीक्षाएं मार्च के पहले सप्ताह में शुरू हो जाती हैं, लेकिन इस बार प्रदेश भर में स्कूलों के बंद रहने और पढ़ाई नहीं होने की वजह से परीक्षाएं मई में शुरू होगी। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि मई के पहले सप्ताह में बोर्ड परीक्षाएं शुरू करा देगा। ये परीक्षाएं जून के पहले सप्ताह तक आयोजित हो सकेंगी। इस बार बोर्ड परीक्षाओं में रिकॉर्ड 21 लाख से अधिक छात्र बैठने जा रहे हैं। बोर्ड में 10वीं, 12वीं और समकक्ष परीक्षाओं के टाइम टेबल की तैयारी जारी है।

ANCHOR | किसान आंदोलन

अक्टूबर तक चलेगा आंदोलन-टीकैत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

नई दिल्ली। किसान आंदोलन खत्म कराने के लिए सरकार हर मुमकिन कोशिश कर रही है। दिल्ली की सीमाओं पर भारी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही जगह-जगह प्रदर्शनकारी किसानों को रोकने के लिए अवरोधक लगाए गए हैं। लेकिन किसानों ने इस आंदोलन को बढ़ाने का मन बना लिया हैं। गाजीपुर बॉर्डर पर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राकेश टिकैत ने ऐलान किया है कि उनका आंदोलन अक्टूबर तक चलेगा। उसके बाद आगे की तारीख दी जाएगी।

टिकैत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमारा नारा है, कानून वापसी नहीं, तो घर वापसी नहीं। हमारा आंदोलन अक्टूबर से पहले खत्म नहीं होगा। इसके आगे की डेट आगे तय की जाएगी। सरकार बातचीत करना चाहेगी तो वो भी चलती रहेगी।' टिकैत ने गणतंत्र दिवस के दिन हुए हिंसा के बारे में बात करते हुए कहा कि कुछ लोगों ने नौजवानों को बहकाया गया, उनको लाल किले का रास्ता बताया गया कि पंजाब की कौम बदनाम हो। किसान कौम को बदनाम करने की कोशिश की गई। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर कई लेयर की बैरिकेडिंग की है। इस तरह की बैरीकेडिंग की वजह दिल्ली में 26 तारीख को ट्रैक्टर मार्च के नाम पर हुई हिंसा को बताया जा रहा है। दिल्ली पुलिस आयुक्त एस एस श्रीवास्तव ने कहा कि 26 जनवरी को किसान रैली के दौरान हुए हिंसा में 510 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं । ऐसा दुबारा न हो इसलिए ये सब किया जा रहा है।

'संसद घेराव' की प्लानिंग, राजस्थान के किसानों को तैयार रहने का आह्वान

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्रीय कृषि कानून के विरोध में अब किसान 'संसद घेराव' की योजना पर काम कर रहे हैं। दौसा के मेहंदीपुर बालाजी स्थित मीना सीमला गांव में एकत्रित हुए पूर्वी राजस्थान के किसानों की महापंचायत में किसानों को संसद घेराव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया गया। साथ ही विभिन्न जिलों से पहुंचे किसानों ने एकजुट होकर तिरंगे का सम्मान करने की भी हुंकार भरी।

लोकतंत्र के लिए अच्छी परंपरा नहीं दमनकारी नीति-गहलोत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसान आंदोलन पर नियंत्रण के लिए दिल्ली सीमाओं पर किये गए इंतजामों पर गहरी नाराजगी जताई है। गहलोत ने आज अपने ट्वीट बयानों के साथ दो तस्वीरें साझा की जिसमें किसानों को रोकने के लिए दिल्ली बॉर्डर पर पुख्ता इंतज़ाम दिखाए गए हैं। गहलोत ने अपने बयान में कहा दिल्ली में किसानों को आने से रोकने के लिए केंद्र सरकार जिस तरह के इंतजाम कर रही है यह एक लोकतांत्रिक देश में अच्छी परंपरा नहीं है। उन्होंने कहा कि आंदोलन कर रहे किसानों को रोकने के लिए सड़कों को खोदना, कीलें और कंटीले तार लगाना अच्छी नीति नहीं है। वहीं एक अन्य ट्वीट में मुख्यमंत्री ने यूपीए सरकार के दौरान हुए आंदोलनों से वर्तमान आंदोलन की तुलना की। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान भी कई बड़े आंदोलन हुए, लेकिन इनमें लोगों को शामिल होने से रोकने के लिए पुलिस और सशस्त्र बलों का इस्तेमाल कर कभी भी ऐसी दमनकारी नीति नहीं अपनाई गई।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.in/.com | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-2338070 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@rediffmail.com

तापमान

	अधि.	न्यू.
जयपुर	27°C	12°C
जोधपुर	29°C	11°C
अजमेर	30°C	12°C
उदयपुर	29°C	10°C

सूर्योदय प्रात: 07:15 बजे सूर्यास्त सांय : 06:06 बजे चन्द्रोदय 11:55 बजे चन्द्रास्त 10:57 बजे

प्रदीप शर्मा ने दिए श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए 5 लाख 55 हजार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.in/.com

जयपुर/मणिपुर। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए पूरे देश में समर्पण निधि अभियान चलाया जा रहा है जिसमें लोग अपनी हैसियत के अनुसार कोई कण दे रहा है तो कोई मण दे रहा है। इसी कड़ी में भारत विकास परिषद अम्बाबाड़ी शाखा जयपुर के संरक्षक एवं स्टील ट्रेडिंग कार्पोरेशन के निदेशक प्रदीप शर्मा ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नाम 5 लाख 55 हजार का चेक भेंट किया। शर्मा ने बताया कि यह चेक मणिपुर में भेंट किया गया। इस अवसर पर अशोकन प्रांत संघ चालक (आरएसएस), मृत्युंजय प्रांत प्रचारक (आरएसएस), एन. दिलीप सिंह (मणिपुर सीएम के लघु भ्राता), ओम प्रकाश शेखावत कोषाध्यक्ष भाजपा मणिपुर, रमाकांत शर्मा बाजार संपर्क प्रमुख (इम्फाल) एवं अर्जुन-खुरई उप्र नगर करवाहा (इंफाल-आरएसएस) मौजूद थे। गौरतलब है कि राजस्थान का व्यापारी वर्ग देश के कोने-कोने में अपना व्यापार करता है और वहां भी समाज में होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

फैदर वेट विमन वैलफेयर ट्रस्ट द्वारा राशन वितरण

जयपुर @ जागरूक जनता। फैदर वेट विमन वैलफेयर ट्रस्ट द्वारा राशन किट वितरित किये गए। कोरोना की वजह से कलाकारों की आर्थिक हालत बहुत कमजोर हो गई है। कहीं कोई कार्यक्रम नहीं मिल रहे जिससे परिवारों का भरण-पोषण की समस्या का सामना पड़ रहा है।ऐसी हालत में कलाकारों को राशन वितरित करके एक बार फिर फैदर वेट विमन वैलफेयर ट्रस्ट ने अपने नेक व दरियादिली की मिसाल क़ायम की है। पद्म श्री गुलाबो सपेरा की मदद से क़रीब पचास परिवारों को राशन वितरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ अनीता शर्मा, तनुश्री भारद्वाज, पूनम खंगारोत, सुचेता हरसाना, डॉअनुश्री भारद्वाज व आदित्य हरसाना मौजुद रहे।

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग

बड़े घरेलू उपभोक्ताओं से अब कनेक्शन लोड से वसूल होगा फिक्स चार्ज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। प्रदेश में अब घरेलू उपभोक्ताओं से भी अब हर महीने के बजाए बिजली कनेक्शन लोड के हिसाब से फिक्स चार्ज की वसूली होगी। इसके साथ ही अब पहली बार घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन के लोड की भी जांच की जाएगी। फिलहाल यह प्रस्ताव बड़े उपभोक्ताओं यानि हर महीने एक हजार यूनिट से ज्यादा उपभोग व 10 किलोवॉट से ज्यादा क्षमता के स्वीकृत लोड वाले उपभोक्ताओं पर लागू किया जाएगा। यह वर्तमान फिक्स चार्ज से दुगना होगा। अब तक घरेलू उपभोक्ताओं से विद्युत उपभोग के आधार पर फिक्स चार्ज की वसूली होती थी।

बिजली कंपनियों की टैरिफ पिटिशन में शामिल किया नया प्रावधान

10 किलोवॉट व हर माह एक हजार यूनिट खर्च पर होगा लागू

जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम ने राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (आरईआरसी) में विद्युत चार्ज व फिक्स चार्ज में बदलाव के लिए दर्ज करवाई टैरिफ पिटिशन यह नए प्रावधान प्रस्तावित किए है। विनियामक आयोग ने सार्वजनिक सूचना जारी कर एक मार्च तक उपभोक्ताओं, संस्थाओं व आम जनता से टैरिफ पिटिशन पर आपत्ति मांगी है।

ऐसे पड़ेगा दोगुना भार

अब तक घरेलू उपभोक्ताओं से विद्युत खर्च के आधार पर 275 से 400 रुपए प्रति माह के हिसाब से फिक्स चार्ज वसूला जाता था। नए प्रस्ताव के अनुसार 10 किलोवॉट से ज्यादा कनेक्ट लोड वाले उपभोक्ता से 80 रुपए प्रति किलोवॉट से वसूली होगी। यानि बड़े उपभोक्ताओं को अब 400 के बजाए 800 रुपए प्रति माह का फिक्स चार्ज देना होगा।

सब्सिडी के मापदंड बदलेंगे

अब तक हर महीने 50 यूनिट बिजली खर्च करने वाले छोटे उपभोक्ताओं को सब्सिडी दी जाती थी। कई उपभोक्ताओं के कई महीने में 50 यूनिट से ज्यादा उपभोग का बिल आ जाता था। ऐसे में अब छोटे उपभोक्ताओं की श्रेणी में हर साल 900 यूनिट तक खर्च पर ही सब्सिडी दी जाएगी। इससे ज्यादा पर सब्सिडी नहीं दी जाएगी।

कॉलेज छात्रवृत्ति के ऑफलाइन आवेदन 15 तक

जयपुर @ जागरूक जनता। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा की ओर से प्रदान की जाने वाली महिला योग्यता छात्रवृत्ति, उर्दू छात्रवृत्ति, भारत पाक व चीन युद्ध में मृतक/अपंग सैनिकों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति, ललित कला छात्रवृत्ति, राजस्थान के पूर्व सैनिकों एवं कारगिल शहीदों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति, मिलिट्री देहरादून छात्रवृत्ति, आदि में पात्र महाविद्यालय के नियमित रूप से अध्ययनरत विद्यार्थियों से ऑफलाइन आवेदन पत्र अंतिम तिथि 15 फरवरी तक आमंत्रित किए गए हैं। पात्र विद्यार्थी विभाग की वेबसाइट पर ऑन स्कॉलरशिप लिंक पर जाकर आवेदन पत्र डाउनलोड करने के साथ ही छात्रवृत्ति के लिए पात्रता पता कर सकते हैं। पात्र विद्यार्थियों को अपने ऑफलाइन आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक संलग्नक फीस रसीद, आधार कार्ड, भामाशाह कार्ड, बैंक खाता पास बुक, अंतिम वर्ष की अंकतालिका की छायाप्रति संलग्न कर जमा करवानी होगी। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। नियमित विद्यार्थी जो छात्रावास में रहते हैं वह छात्रावास में प्रवेश का प्रमाणपत्र, मूल फीस रसीद, निवास करने की तिथि और छात्रावास वार्डन से प्रमाणित करवा कर संस्था प्रधान से प्रति हस्ताक्षर करवा कर सलंग्न करनी होगी। उन्हें जनआधार कार्ड और आधार कार्ड की प्रति भी जमा करवानी होगी। इसके बिना छात्रवृत्ति स्वीकृत नहीं की जाएगी।

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने सभी कॉलेजों से मांगे आवेदन

जयपुर मेट्रो का बढ़ेगा दायरा

मानसरोवर से ट्रांसपोर्ट नगर तक जाएगी मेट्रो

3 किलोमीटर रूट बढ़ाने की तैयारी, 870.13 करोड़ की DPR तैयार

जयपुर में यह प्रोजेक्ट दो चरण में तैयार किया गया, अतिरिक्त रूट के काम को फेज 1C नाम दिया है

अतिरिक्त रूट की मंजूरी होते ही साढ़े 11 से बढ़कर करीब 15 किलोमीटर हो जाएगा मेट्रो का पूरा रूट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। जयपुर में मानसरोवर से बड़ी चौपड़ तक चल रही मेट्रो रेल के रूट का विस्तार करने पर प्लानिंग शुरू हो गई है। जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने इस रूट को बड़ी चौपड़ से आगे बढ़ाकर ट्रांसपोर्ट नगर तक ले जाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रूट को फेज-1सी नाम दिया है। मानसरोवर से चांदपोल और फिर चांदपोल से बड़ी चौपड़ रूट पर संचालित मेट्रो के इस प्रोजेक्ट को 2 चरणों में तैयार किया है। इस पूरे रूट की लंबाई लगभग 11.566 किलोमीटर की है। बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर तक अगर इस रूट का विस्तार होता है, तो यह लंबाई लगभग 2.85 किलोमीटर और बढ़ जाएगी। इस DPR पर अब JMRC ने पब्लिक से सुझाव भी मांगे हैं।

एक एलिवेटेड, एक अंडरग्राउंड स्टेशन प्रस्तावित

इस प्रस्तावित नए रूट में दो स्टेशन प्रस्तावित किए हैं। इसमें एक स्टेशन अंडरग्राउंड होगा, जो रामगंज चौपड़ पर बनाया जाएगा। जबकि दूसरा स्टेशन एलिवेटेड होगा जो ट्रांसपोर्ट नगर पर प्रस्तावित किया है। इस 2.85 किलोमीटर रूट में से करीब 600 मीटर रूट एलिवेटेड होगा, जबकि 2.25 किलोमीटर लंबाई का रूट अंडरग्राउंड प्रस्तावित किया है। इस रूट को अगर 2025 तक बनाने का लक्ष्य रखा जाता है तो DPR के मुताबिक लगभग 870.13 करोड़ रुपए की लागत आ सकती है। इसमें अनुमान जताया है कि अगर ये रूट बनता है तो मानसरोवर से ट्रांसपोर्ट नगर तक साल 2031 तक प्रतिदिन 1.38 लाख यात्री मेट्रो में सफर करेंगे, जिससे जयपुर चारदीवारी में ट्रैफिक लोड काफी हद तक कंट्रोल रहेगा।

यूं बनेगा प्रस्तावित रूट

DPR के मुताबिक, बड़ी चौपड़ से अंडरग्राउंड रूट बनाते हुए रामगंज चौपड़ तक। यहां एक अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। इसके बाद रामगंज एरिया के नीचे से अंडरग्राउंड होते हुए सूरजपोल अनाज मंडी, दिल्ली बाइपास होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर तक बनाने की योजना है। दिल्ली बाइपास पर संभवतः एलिवेटेड रूट बनाया जाएगा।

जयपुर ग्रेटर नगर निगम बजट घोषणा

खोलेंगे ई-लाइब्रेरी, मॉर्डन स्कूल बनवाने का वादा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। नगर निगम जयपुर ग्रेटर के बजट में शहर को कई सौगातों की घोषणा की गई। महापौर सौम्या गुर्जर ने शहर में ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शहर के महाविद्यालयों, कोचिंग सेंटरों, एजुकेशन हब के पास जगह चिह्नित कर ई-लाइब्रेरी खोली जाएगी। वहीं नगर निगम की ओर से मॉर्डन स्कूल बनवाने की घोषणा भी की गई। महापौर ने कहा कि मॉर्डन स्कूल बनवाने के लिए सक्षम स्तर से स्वीकृति लेकर कार्रवाई की जाएगी।

कच्ची बस्तियों के विकास की भी बात

बजट में महापौर ने कच्ची बस्तियों के विकास की बात भी कही। उन्होंने कहा कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र में कच्ची बस्तियों के लोगों के जीवनशैली में सुधार के साथ वहां मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने व विकास के लिए कार्ययोजना बनाकर काम किए जाएंगे।

मुख्य मार्ग व बाजारों में मैकेनिकल पार्किंग

महापौर सौम्या गुर्जर ने बजट में शहर के मुख्य मार्गों व बाजारों में मैकेनिकल पार्किंग व्यवस्था लागू करने की बात कही है। जहां पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था नहीं है, वहां जगह उपलब्ध होने पर मैकेनिकल पार्किंग विकसित की जाएगी।

निशुल्क क्षेत्र में डिस्पेंसरी

महापौर ने निगम क्षेत्र में डिस्पेंसरी बनाकर लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

चार्जिंग स्टेशन बनाएंगे

बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन आने से अब नगर निगम शहर में चार्जिंग स्टेशन बनाएगा। महापौर सौम्या गुर्जर ने पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढावा देने की बात कही। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग के लिए शहर में चार्जिंग पॉइंट बनाने की बात कही। इसके लिए शहर के सभी मेट्रो स्टेशनों के अलावा नगर निगम की खाली जमीन चिह्नित कर चार्जिंग पॉइंट बनाए जाएंगे। जिससे लोगों का रुझाव इलेक्ट्रिकल वाहनों की ओर बढे।

7 जोनों में 1-1 पार्को को बोगनवेलिया थीम पर करेंगे विकसित

महापौर ने शहर के अविकसित 138 पार्कों को विकसित करने के साथ जेडीए से ट्रांसफर होकर निगम में आई कॉलोनियों के 50 पार्कों को विकसित करने की घोषणा की। इसके साथ ही ग्रेटर क्षेत्र के 7 जोन क्षेत्रों के 1-1 पार्क को बोगनवेलिया थीम पर सौन्दर्यकरण करने की घोषणा की। इन पार्कों पर विभिन्न रंगों के बोगनवेलिया के पौधे, विभिन्न किस्म की बेलें व शर्बस आदि लगाकर सौन्दर्यकरण किया जाएगा। 120 पार्को में ओपन जिम लगवाए गए। बचे पार्को में भी ओपन जिम लगाए जाएंगे।

हम नहीं बनते धर्म के ठेकेदार-बंसल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। एआईसीसी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पवन बंसल ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केन्द्रीय बजट में एक राष्ट्र, एक बजट नजर नहीं आया। केन्द्र का बजट पूरे देश के लिए होता है। बजट में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, सिर्फ उनका जिक्र किया गया है। बंसल ने कहा कि केन्द्र सरकार गुमराह कर रही है। देश में अमीर और अमीर होते जा रहे हैं और गरीब और गरीब। देश की इकॉनोमी की हालात बिगड़ गई है। महामारी के दौरान पहले से बहुत अमीर लोगों की संपत्ति और बढ़ी है। सरकार की सोच कुछ चंद लोगों के लिए है। बंसल ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना में बजट 13 फीसदी कम कर दिया। ग्रामीण सड़क योजना में बजट कम कर दिया। बजट में गांव के विकास को अपेक्षित किया गया है। सिर्फ नेशनल हेल्थ मिशन में कुछ बजट बढ़ाया है।

आंदोलन को दो फाड़ करने की कोशिश

किसान आंदोलन पर बंसल ने कहा कि केन्द्र ने किसान आंदोलन के दो फाड़ करने की कोशिश की। सरकार फेल होती नजर आ रही है। किसान सत्य के रास्ते पर हैं और सत्य कभी बदलता नहीं है। बंसल ने कहा कि सरकार एमएसपी को कानून में क्यों नहीं शामिल कर रही है। उन्होंने कृषि कानूनों की खामियां भी बताईं। साथ ही पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत के लिए भी केन्द्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। बंसल ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों के खिलाफ है। उन्होंने 26 जनवरी को लाल किले पर हुई घटना के लिए कहा उसमें षडयंत्र हुआ।

ब्लॉक, जिला स्तर पर कार्यालय बनाने की योजना

बंसल ने कहा कि देश में पार्टी की जमीन कहां कहां है। कोई विवाद तो नहीं। इनका क्या उपयोग हो सकता है। सारी प्रॉपर्टी संबंधी जानकारी जुटाकर ब्लॉक, जिला स्तर पर पूरे देश में कांग्रेस के एक डिजाइन के अच्छे कार्यालय बनाने का प्रयास किया जाएगा। भवन को बिल्डर या अन्य माध्यम से किस तरह से डवलप किया जा सकता है। ऐसे कई मुद्दों पर राज्यों के साथ चर्चा की जा रही है।

हम ठेकेदार नहीं बनते

राम मंदिर के लिए चंदा एकत्रित करने के सवाल पर बंसल ने कहा कि भाजपा राममंदिर को हथियाना चाहती है। धर्म की पालना निजी मसला है लेकिन कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता को मानती है। बंसल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी धर्मनिरपेक्षता की भावना से सहयोग भी करती है लेकिन हम ठेकेदार नहीं बनते।

इलेक्टोरोल बॉड को लेकर कही बात

बंसल ने बताया कि पार्टी प्रदेश कांग्रेस मुख्यालयों, कार्यकर्ताओं की मदद से फंड एकत्रित करते हैं। इलेक्टोरोल बॉड पर पूछे गए सवाल पर बंसल ने कहा कि यह व्यवस्था पारदर्शिता के बिल्कुल विपरीत है। कांग्रेस को बीजेपी से कम फंड मिला। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरोल बॉड सिस्टम बड़ा घोटाला साबित होगा।

अचानक पीसी में पहुंच गए सीएम

प्रेसवार्ता के दौरान अचानक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पीसीसी पहुंच गए। हालांकि उन्होंने मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब देने से दूरी बनाए रखी। फिर गहलोत, डोटासरा और पवन बंसल के बीच पीसीसी में कुछ देर चर्चा हुई। डोटासरा ने गहलोत का सूत की माला पहनाकर स्वागत भी किया। फिर मुख्यमंत्री गहलोत और बंसल पीसीसी से साथ निकले।

भाजपा विधायक दल की बैठक 9 फरवरी को, सत्र को लेकर बनेगी रणनीति

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 10 फरवरी से शुरू हो रहा है। सत्र की रणनीति बनाने के लिए भाजपा विधायक दल की बैठक 9 फरवरी को भाजपा मुख्यालय पर होगी। बैठक में सभी विधायकों के शामिल होने की संभावना है। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि जिस दिन से विधानसभा सत्र की घोषणा हुई है, तब से विधायकों ने तैयारी शुरू कर दी है। बड़ी संख्या में प्रश्न भी विधायकों ने लगाए हैं। जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया जाएगा। वार्डों की कल्पना करके लोकतंत्र को कलंकित किया है। लॉयन ऑर्डर की बात को भी सदन में उठाया जाएगा। विकास कार्य नहीं हुए। गांवों में एक सीमेंट का कट्टा भी नहीं लगा। यह बात मैं बल्कि कांग्रेस के सरपंच भी कह रहे हैं।

राजे पर रहेगी नजर

विधायक दल की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की उपस्थिति पर सभी की नजरें रहेंगी। राजे लंबे समय से पार्टी की बैठकों से दूर हैं। पिछले दिनों कार्यसमिति की बैठक में भी राजे नहीं आई। ऐसे में विधायक दल की बैठक में उनके शामिल होने की संभावनाएं प्रबल हैं। इससे पहले भी राजे विधायक दल की बैठकों में उपस्थित रहीं हैं।

प्रदेश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू

1.10 करोड़ परिवारों को मिलेगा फायदा-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने निवास से आयुष्मान भारत-महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना के नए चरण की शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम गहलोत ने कहा कि राजस्थान सबसे बड़ा प्रदेश हैं। काफी कठिनाई हैं। ऐसे हालात में हम चिकित्सा क्षेत्र में काम कर रहे है। पहले भामाशाह योजना चलती थी। केंद्र की आयुष्मान योजना थी। हमने इसे मर्ज किया। गहलोत ने कहा कि ये स्कीम स्ट्रांग बनाई। इस योजना में कोरोना भी शामिल किया। पैसा भले ही इसमें ज्यादा लगे। एक करोड़ 10 लाख परिवार को इसमे जोड़ा गया। डायलिसिस भी इसमें शामिल किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी को लाभ मिलना चाहिए। इसमे स्टेट एंट्री फ्रॉड यूनिट बनाई गई हैं। सही लाभार्थी का पता चलेगा। क्लैम्स की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। गहलोत ने कहा कि इस योजना की जानकारी घर-घर तक जानी चाहिए ताकि लोगो को इसका लाभ मिल सके। गरीब को इससे बहुत फायदा मिलेगा। कोरोना में भीलवाड़ा मॉडल बना। वेक्सीन में भी काम कर रहे हैं। पहला सुख निरोगी काया पर काम कर रहे हैं।

योजना में होंगे 1800 करोड़ खर्च

सीएम गहलोत ने कहा कि इस योजना में 1800 करोड़ खर्च होंगे। इसमें से 1400 करोड़ राज्य सरकार और 400 करोड़ रुपए भारत सरकार देगी। इस स्वास्थ्य बीमा योजना से 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। इससे 1.10 करोड़ परिवारों को निःशुल्क उपचार मिल सकेगा। योजना के जरिए सरकारी के साथ राज्य सरकार से सम्बद्ध निजी अस्पतालों में भी इलाज लिया जा सकेगा। इस बीमा कवर में मरीज के भर्ती होने के 5 दिन पहले और अस्पताल से छुट्टी मिलने के 15 दिन बाद तक का चिकित्सा खर्च वहन किया जाएगा।

गांधीगिरी सीखेंगे स्टूडेंट्स: हर यूनिवर्सिटी-कॉलेज में गांधी अध्ययन केंद्र शुरू होंगे

प्रदेश के हाई स्कूलों में बनेंगे गांधी कॉर्नर

मुख्यमंत्री ने की अहिंसा और शांति प्रकोष्ठ को विभाग में बदलने की घोषणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। प्रदेश के सभी सरकारी हाई स्कूलों में अब गांधी कॉर्नर बनाए जाएंगे,जहां स्कूली बच्चों को गांधीजी की जीवनी और उनसे जुड़े इतिहास के बारे में बताया जाएगा। शहीद दिवस पर सीएम निवास पर हुए वर्चुअल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा मंत्री को सभी यूनिवर्सिटी और सरकारी कॉलेजों में गांधी अध्ययन केंद्र शुरू करवाने के निर्देश दिए। गहलोत ने कहा कि जिन यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में पहले से गांधी अध्ययन केंद्र हैं और बंद हैं उन्हें फिर से शुरू करवाया जाए और जहां नहीं हैं वहां नए गांधी अध्ययन केंद्र खोले जाएं।

गहलोत ने प्रदेश में बने अहिंसा और शांति प्रकोष्ठ को जल्द ही विभाग में बदलने की घोषणा की। गांधीजी के 150 वें जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की शुरुआत पर पिछले साल गहलोत ने अहिंसा और शांति प्रकोष्ठ खोलने का फैसला किया था। अभी तक इस प्रकोष्ठ के बारे में न जनता को ज्यादा जानकारी है और न इसका काम शुरू हुआ है। गांधी जयंती और शहीद दिवस पर कार्यक्रम करने के अलावा अभी तक इस प्रकोष्ठ का काम सामने नहीं आया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश के कई यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में गांधी अध्ययन केंद्रों को बीजेपी राज के दौरान बंद करने पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि गांधी अध्ययन केंद्र बीजेपी राज में बंद कर दिए गए थे, गांधी अध्ययन केंद्रों पर सरकार बदलने का असर नहीं होना चाहिए।

सीएम गहलोत ने कहा, नई पीढ़ी और आम आदमी को गांधीजी की जीवनी से परिचित करवाना जरूरी है। नई पीढ़ी आजादी के नायकों को नहीं जानती, नई पीढ़ी को आजादी के नायकों और महापुरुषों की जीवनी और आजादी के संघर्ष से अवगत करवाना बहुत जरूरी है। गांधीजी की जीवनी की प्रासंगिकता आज के दौर में और बढ़ गई है, जब देश का माहौल ऐसा हो जिसमें विरोधी विचार वालों को देशद्रोही करार दिया जाता हो।

सरिस्का में बाघिन टी14 के तीसरे शावक की भी कैमरा ट्रैप में आई फोटो

जयपुर। सरिस्का वन्यजीव अभ्यारण्य में मंगलवार को बाघिन टी 14 अपने तीसरे शावक के साथ ट्रेस की गई। विभाग की ओर से लगाए गए कैमरों में तीसरे शावक की फोटो ट्रैप की गई है। शावक के नजर आने के बाद सरिस्का फील्ड डायरेक्टर आरएन मीणा ने मॉनिटरिंग बढ़ाए जाने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि इससे पूर्व डाबली क्षेत्र में कुछ दिन पहले टी 14 के साथ दो शावक नजर आए थे। रणथंभौर के भिड़ में एनक्लोजर में रखे हुए टाइगर 104 को सज्जनगढ़ बायो पार्क में शिफ्ट किया जा सकता है। विभागीय अधिकारी इसे उदयपुर भेजने के पक्ष में हैं। गौरतलब है कि इससे पहले 2015 में रणथंभौर से टी.24 उस्ताद को भी सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट किया था।

राजस्थान में भगवान भरोसे चल रही है सरकार-पूनियां

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा है कि राजस्थान सरकार भगवान भरोसे चल रही है। इस पर रिसर्च होना चाहिए कि जिस सरकार की टांग और पूंछ नहीं है, वह आखिर चल कैसे रही है यह ताज्जुब की बात है। प्रदेश भाजपा कार्यालय पर मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण किट के विमोचन कार्यक्र म के बाद पूनियां ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनको रात को भी यह सपने आते होंगे कि सरकार गिरेगी। यह रट लगाना बंद कर दें तो प्रदेश का भला कर सकते है। ढाई साल तो सरकार ने भाजपा पर आरोप लगाने में लगा दिए। चार सीटों पर होने वाले उप चुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर पूनियां ने कहा कि जो जीतने वाला होगा, उस पर दाव लगाएंगे। इससे पहले पूनियां ने प्रशिक्षण किट का विमोचन किया। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्र शेखर और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया सहित कई कार्यकर्ता और नेता उपस्थित रहे।

भाजपा में पहली बार जिलेवार कोषाध्यक्ष

प्रदेश संगठन ने 36 नामों की सूची जारी की, जयपुर-जोधपुर में 3-3, उदयपुर, नागौर समेत चार जिलों में 2-2 नाम घोषित

राज्य में भाजपा की कमान संभालने के बाद प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया अब धीरे-धीरे संगठन में भी बदलाव कर रहे हैं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। राज्य में भाजपा की कमान संभालने के बाद प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया अब धीरे-धीरे संगठन में भी बदलाव कर रहे हैं। बीते दिनों कार्यसमिति विस्तार की घोषणा के बाद अब प्रदेश के जिलों के कोषाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। ये पहली बार है जब जिलेवार कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। इससे पहले भाजपा में जिलेवार कोषाध्यक्षों को नियुक्त नहीं किया गया। सोमवार को भाजपा मुख्यालय से 36 कोषाध्यक्षों के नामों की सूची जारी हुई। इसमें जयपुर, जोधपुर जिले से 3-3, उदयपुर, नागौर, अजमेर और बीकानेर जिले में 2-2 नामों का एलान किया है।

जयपुर शहर से सुभाष परवाल, जयपुर देहात उत्तर से संतोष माधाणी और देहात दक्षिण में वीरेन्द्र जैन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी तरह बीकानेर शहर से शिवरतन अग्रवाल, देहता से रमेश कुमार बिहाणी, गंगानगर में हनुमान गोयल, हनुमानगढ़ में बेगराज बेहड़ा, चूरू में सुभाष जांगिड़, सीकर में हरि बियाणी, झुंझुनूं में कमल अग्रवाल, अलवर दक्षिण में महेश अग्रवाल, दौसा में मुरारीलाल धौकरिया, भरतपुर में हेमन्त कुमार अग्रवाल, करौली में सुरेश चंद्र गुप्ता, अजमेर शहर में प्रवीण जैन, अजमेर देहात में आशीष सांड, टोंक में सुनील जैन, भीलवाड़ा में ललित अग्रवाल, नागौर शहर में माणकचंद दरक, नागौर देहात में महेन्द्र रांदड़ को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी तरह जोधपुर शहर में जुगल तापड़िया, जोधपुर देहात दक्षिण में जम्बु कुमार जैन, जोधपुर देहात उत्तर में सुरेन्द्र सिंह, पाली में रामकिशोर साबू, सिरोही में नितिन बंसल, बाड़मेर में मूल सिंह राजपुरोहित, जैसलमेर में हुक्माराम कुमावत, उदयपुर शहर में रविन्द्र नाहर, उदयपुर देहात में दाडमचंद जैन, बांसवाड़ा में सुनील कुमार जैन, डूंगरपुर में गजेन्द्र जैन, चित्तौड़गढ़ में शैलेन्द्र झंवर, प्रतापगढ़ में अशोक कुमार कंकरोचा, कोटा शहर में मुकेश हरचंदानी, बारां में अविनाश खंडेलवाल और बूंदी में सुनित जैथलिया को कोषाध्यक्ष बनाया है।

अगले माह से इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल होगा शुरू!

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अगले महीने से इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल शुरू हो सकता है। शुरूआती दौर में कम बसें चलाई जाएगी। मार्च से इलेक्ट्रिक बसें चलाना प्रदेश में प्रस्तावित है। इतना ही नहीं राजस्थान रोडवेज की पुराना बसों को सीएनजी बसों में बदला जाएगा। साथ ही रोडवेज के घाटे के देखते हुए बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अच्छा खासा जुर्माना लगाने के साथ अन्य कार्इवाई की जाएगी। इस बारे में प्रस्ताव तैयार किया गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने रोडवेज मुख्यालय में बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि ग्रामीण बस सेवा का विस्तार होगा। हर गांव ढांणी में बस चलेगी। रोडवेज के रूटों पर चलने वाली और उसके बस स्टेंड इस्तेमाल करने वाले निजी ऑपरेटर रोडवेज को क्या देंगे, इसके लिए पुराना अनुबंध हटाकर नया अनुबंध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने के लिए टैक्स में राहत देने पर भी विचार किया जा सकता है।

पानी, टॉयलट के लिए हो व्यवस्था

18 करोड की लागत से जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर पोने दो करोड रूपए और खर्च करके जल्द उसे शुरू किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि रोडवेज के सभी स्टैंडों पर यात्रियों के लिए पानी और शौचालय की व्यवस्था हो। खाचरियावास ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए पेट्रोल डीजल की कीमत कम करने की मांग की।

पेट्रोल पंप शुरू करने पर विचार

परिवहन मंत्री ने कहा रोडवेज की जमीनों पर पेट्रोल पंप शुरू करने के पर विचार किया जा रहा है, जिसका संचालन भी रोडवेज ही करेगा। बातचीत में मंत्री ने कहा कि रोडवेज कार्मिकों को सातवें वेतन आयोग का लाभ देने और पेंशनर्स के बकाया के भुगतान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

बुधवार, फरवरी 03/02/2021

सूर्योदय : 07:15 **सूर्यास्त :** 18:06
चन्द्रोदय : 23:55 **चन्द्रास्त :** 10:57
शक सम्वत : 1942 सरवरी **अमान्ता महीना :** पौष **पूर्णिमांत :** माघ **सूर्य राशि :** मकर **चन्द्र राशि :** कन्या **पक्ष :** कृष्ण
तिथि : षष्ठी, 14:13 तक **वार :** बुधवार
द्रिक ऋतु : शिशिर **वैदिक ऋतु :** हेमन्त
द्रिक अयन : उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण **शक सम्वत :** 1942 शर्वरी
विक्रम सम्वत : 2077 प्रमादी **गुजराती सम्वत :** 2077 परिधावी

नक्षत्र, योग तथा करण

नक्षत्र	: चित्रा, 21:03 तक
योग	: शुला, 24:58 तक
प्रथम करण	: वणिजा, 14:13 तक
द्वितिय करण	: विष्टि, 25:10 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त : 05:27 ए एम, फरवरी 04 से
प्रातः सन्ध्या : 05:53 ए एम, फरवरी 04 से
विजय मुहूर्त : 02:31 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त : 05:59 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या : 06:10 पी एम से
अमृत काल : 03:06 पी एम से
निशिता मुहूर्त : 12:15 ए एम, फरवरी 04 से
रवि योग : 07:11 ए एम से

दिन का चौघड़िया

उद्वेग	: 07:16 - 08:36
चार	: 08:36 - 09:57
लाभ	: 09:57 - 11:18
अमृत वार वेला	: 11:18 - 12:39
काल काल वेला	: 12:39 - 14:00
शुभ	: 14:00 - 15:21
रोग	: 15:21 - 16:42
उद्वेग	: 16:42 - 18:03

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 18:05 - 19:44
शुभ : 19:44 - 21:22
अमृत : 21:22 - 23:01
चार : 23:01 - 24:39
रोग : 24:39 - 26:18
काल : 26:18 - 27:56
लाभ : 27:56 - 29:35
उद्वेग : 29:35 - 31:13

निवास और शूल

दिशा शूल	: उत्तर में
राहु काल वास	: दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति	: गुरू
अग्निवास	: पृथ्वी

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज षष्ठी तिथि को करें कौन सा कार्य

षष्ठी : यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

सम्पादकीय

न्याय की उम्मीद

न्याय केवल वही नहीं है, जो सुना दिया जाए, न्याय वह है, जो स्वाभाविक ही महसूस हो। सुप्रीम कोर्ट में भी एक विशेष मामला आया है, जिसमें न्याय की कमी महसूस होती है। दरअसल, महाराष्ट्र उच्च न्यायालय ने त्वचा से त्वचा स्पर्श के अभाव में एक यौन हमले को मानने से मना कर दिया है। 12 वर्षीया नाबालिग को गलत ढंग से छुआ गया था और चूंकि त्वचा से त्वचा का स्पर्श नहीं हुआ था, इसलिए पॉक्सो के तहत अपराध मानने से इनकार कर दिया गया। अब सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी है। यह एक ऐसा मामला है, जिस पर विस्तार से चर्चा और सुनवाई की जरूरत है। खास यह है कि यूथ बार एसोसिएशन ने इसे लेकर याचिका दाखिल की है। क्या यह सही है कि किसी नाबालिग को छूना केवल इसलिए वैध या सही मान लिया जाएगा, क्योंकि त्वचा से त्वचा का स्पर्श नहीं हुआ है? पूरे वस्त्र में क्या किसी का शोषण नहीं किया जा सकता? क्या किसी को कपड़े के ऊपर से छूना पॉक्सो के तहत यौन हमले की श्रेणी में नहीं आता? महाराष्ट्र हाईकोर्ट के फैसले से ऐसे बहुत से संवेदनशील सवाल खड़े हो गए हैं, जिनका जवाब सुप्रीम कोर्ट को मानवीयता के साथ खोजना होगा। महाराष्ट्र उच्च न्यायालय की नागपुर बेंच की एक जज ने अपने 19 जनवरी को दिए गए आदेश में कहा था कि किसी भी छेड़छाड़ की घटना को यौन शोषण की श्रेणी में रखने के लिए घटना में यौन इरादे से किया गया त्वचा से त्वचा स्पर्श होना चाहिए। लगे हाथ उन्होंने यह भी कह दिया है कि नाबालिग को टटोलना यौन शोषण की श्रेणी में नहीं आएगा। यह जान लेना जरूरी है कि एक सत्र न्यायालय ने 39 साल के व्यक्ति को 12 साल की बच्ची का यौन शोषण करने के अपराध में तीन साल की सजा सुनाई थी, पर उच्च न्यायालय ने सजा में संशोधन करते हुए कह दिया कि महज छूना भर यौन हमले की परिभाषा में नहीं आता। भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के तहत महिला का शील भंग करना अपराध है। धारा 354 के तहत जहां न्यूनतम सजा एक साल की कैद है, वहीं पॉक्सो कानून के तहत यौन हमले की न्यूनतम सजा तीन साल की कैद है। इस पूरे मामले को सभ्यता, मानवता और ममता के चरम पर पहुंचकर देखना चाहिए। अदालतें लोगों की उम्मीद हैं। केवल बालिगों ही नहीं, नाबालिगों के लिए भी अदालतों को विशेष रूप से संवेदनशील रहने की जरूरत है। यौन शोषण के मामले में दी गई थोड़ी भी रियायत समाज को शर्मसार करने की दिशा में ले जाएगी। जरूरी है कि हमारे लोकतंत्र के स्तंभ यौन शोषण के बारे में किसी भी तरह की उदारता या विचार को शरण न दें। हमारी सभ्य परंपरा में भाव हिंसा को भी अपराध माना गया है, मतलब किसी को नुकसान पहुंचाने के बारे में सोचने की भी मनाही है। आज आधुनिक समय में हम भाव हिंसा रोकने की वकालत भले नहीं कर सकते, लेकिन शारीरिक हिंसा के तमाम स्वरूपों पर ताले तो अवश्य ही लगा सकते हैं। इस मामले में अदालतों की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। देश देख रहा है। सुप्रीम कोर्ट को अब एक ऐसा आदर्श फैसला सुनाना चाहिए, ताकि सबको महसूस हो कि न्याय हुआ। सही और सच्चा न्याय होगा, तभी हमारा और हमारे समाज का भविष्य सुरक्षित होगा।

देश में सरकारी स्तर पर मीडिया को डराने-धमकाने और उसे अपने कहे मुताबिक चलने के लिए बाध्य करने की कोशिशें बदस्तूर जारी हैं। हाल ही गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर परेड और उस दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में मीडिया कर्मियों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने से यह बात एक बार फिर साबित हुई है।

मुकदमों के साये में मीडिया

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार

> **पुलिस में दर्ज रिपोर्टों में कहा गया है कि किसानों की प्रदर्शन रैलियों और हिंसा की रिपोर्टिंग के दौरान इन मीडिया कर्मियों ने अपने सोशल मीडिया के जरिये ट्वीट भी किए और 'ये ट्वीट इरादतन दुर्भावनापूर्ण थे और लाल किले पर हुए उपद्रव का कारण बने।' दुनियाभर में शायद यह पहला मामला होगा, जब किसी पत्रकार के ट्वीट करने पर देश की राजधानी में बड़े पैमाने पर उपद्रव फैल जाए।**

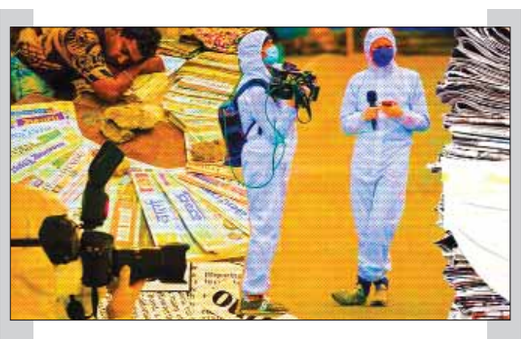

देश के वरिष्ठ पत्रकार और 'द वायर ऑनलाइन' के संपादक सिद्धार्थ वरदराजन ने कुछ अर्सा पहले कहा था कि आलोचना सरकार और बड़ी कंपनियों दोनों को ही पसंद नहीं आती है। यही कारण है कि आज मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सरकार के दिखाए रास्ते पर चलता है। उसे खुद को सेंसर करने में कोई दिक्कत नहीं होती और वह उसी तरह से रिपोर्ट करता है जैसा कि सरकार चाहती है। दूसरी तरफ ऐसे पत्रकार जो सरकार के एजेंडे पर नहीं चलते हैं, उन्हें झूठे मुकदमों में फंसा कर उन पर दबाव बनाया जाता है। हाल ही गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों की 'ट्रैक्टर परेड' और उस दौरान हुई हिंसा की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की घटना के बाद भी यह बात एक बार फिर साबित हो गई है। एक प्रदर्शनकारी की मौत से जुड़ी घटना की रिपोर्टिंग करने, घटनाक्रम की जानकारी अपने निजी सोशल मीडिया हैंडल पर तथा अपने प्रकाशनों पर देने पर पत्रकारों को खास तौर पर निशाना बनाया गया। खास बात यह है कि 26 जनवरी की घटना को लेकर कुछ पत्रकारों के खिलाफ देशद्रोह का आरोप भी लगाया गया। जाहिर है कि यह मीडिया को डराने-धमकाने का एक ऐसा हथियार है, जिसका इस्तेमाल हाल के दिनों में बढ़ता जा रहा है। राजद्रोह से संबंधित कानून के इस लापरवाही से इस्तेमाल की सुप्रीम कोर्ट भी आलोचना कर चुका है, लेकिन सरकारें इससे मुंह फेरती आई हैं।

पिछले साल अक्टूबर महीने में ऑस्ट्रिया स्थित इंटरनेशनल प्रेस इंस्टीट्यूट (आईपीआई) और बेल्जियम-स्थित इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (आईएफजे) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर इस बात पर चिंता जताई थी कि पिछले कुछ महीनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में कई पत्रकारों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के तहत राजद्रोह का आरोप लगा कर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इन दो बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठनों के इस पत्र को जाहिर है कि रद्दी की टोकरी के हवाले कर दिया गया और पूरे देश में मीडिया के खिलाफ सरकारी दमन का सिलसिला बरकरार रहा। ताजा उदाहरण किसान आंदोलन की रिपोर्टिंग के मामले में देखने को मिला है, जब किसानों की ट्रैक्टर परेड और उस दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में नोएडा पुलिस ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर और छह पत्रकारों के खिलाफ देशद्रोह समेत अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया। जिन पत्रकारों के नाम पुलिस की रिपोर्ट में हैं, उनमें मृणाल पांडे, राजदीप सरदेसाई, विनोद जोस, जफर आगा, परेश नाथ और अनंत नाथ शामिल हैं। मध्य प्रदेश पुलिस ने भी थरूर और छह अन्य पत्रकारों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है। यह प्राथमिकी हिंसा की घटना पर उनके कथित तौर पर गुमराह करने वाले ट्वीट को लेकर दर्ज की गई है।

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और दूसरे तमाम मीडिया संगठनों ने किसानों की 'ट्रैक्टर परेड' और उस दौरान हुई हिंसा की रिपोर्टिंग करने को लेकर वरिष्ठ संपादकों और पत्रकारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किये जाने की कड़ी निंदा की है। साथ ही, उन्होंने इस कार्रवाई को मीडिया को 'डराने-धमकाने' की कोशिश बताया है। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने मांग की है कि ऐसी प्राथमिकियां तुरंत वापस ली जाएं तथा मीडिया को बिना किसी डर के आजादी के साथ रिपोर्टिंग करने की इजाजत दी जाए। देश में मीडिया की आजादी पर हमले का यह पहला मामला नहीं है। पिछले साल जून महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में उनके गोद लिए गांव के हालात दिखाने वाली रिपोर्ट की वजह से एक न्यूज वेबसाइट की रिपोर्टर और उनके संपादक पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इससे पहले देश के जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ पर भी दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर एफआईआर दर्ज कराई गई थी। विनोद दुआ पर फेक न्यूज फैलाने का आरोप लगाया गया था। हिमाचल प्रदेश में उन पर दर्ज की गई एफआईआर में देशद्रोह की धारा भी शामिल की गई थी। कुछ महीने पहले न्यूज वेबसाइट 'द वायर' के संपादक सिद्धार्थ वरदराजन पर भी उत्तर प्रदेश के अयोध्या में दो एफआईआर दर्ज की गई थीं। उन पर आरोप है कि उन्होंने लॉकडाउन के बावजूद अयोध्या में होने वाले एक कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ के शामिल होने संबंधी बात छापकर अफवाह फैलाई। हाल ही उत्तर प्रदेश की रामपुर पुलिस ने सिद्धार्थ वरदराजन के खिलाफ एक ट्वीट को लेकर एफआईआर दर्ज की है। इस ट्वीट में उन्होंने किसानों की हालिया ट्रैक्टर परेड के दौरान दिल्ली के आईटीओ इलाके में एक प्रदर्शनकारी की मौत को लेकर उनके परिवार के दावे से संबंधित खबर को ट्वीट किया था।

पुलिस में दर्ज रिपोर्टों में कहा गया है कि किसानों की प्रदर्शन रैलियों और हिंसा की रिपोर्टिंग के दौरान इन मीडिया कर्मियों ने अपने सोशल मीडिया के जरिये ट्वीट भी किए और 'ये ट्वीट इरादतन दुर्भावनापूर्ण थे और लाल किले पर हुए उपद्रव का कारण बने।' दुनियाभर में शायद यह पहला मामला होगा, जब किसी पत्रकार के ट्वीट करने पर देश की राजधानी में बड़े पैमाने पर उपद्रव फैल जाए। पुलिस ने दस अलग-अलग प्रावधानों के तहत रिपोर्ट दर्ज हैं, जिनमें राजद्रोह के कानून, सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ना, धार्मिक मान्यताओं को अपमानित करना आदि शामिल हैं। साफ है कि देशद्रोह जैसे कई कानूनों का इस्तेमाल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करने के लिए किया जा रहा है और इस तरह के कानूनों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल स्वतंत्र प्रेस के खिलाफ प्रतिरोधक के तौर पर किया जा रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

साप्ताहिक राशिफल

आचार्य राजेश शास्त्री
माघ, कृष्ण, षष्ठी, 2077
बुधवार, 3 फरवरी - 9 फरवरी, 2021

मेष परिजन, स्नेहीजन तथा मित्रों के साथ समारोह में उपस्थित रह सकते हैं। नए कार्य का प्रारंभ होगा।

वृषभ शारीरिक तथा मानसिक रूप से व्यग्र रहेंगे। परिजनो के साथ भी मनमुटाव ना हो, इसका ध्यान रखें।

मिथुन अविवाहितों को जीवनसाथी मिलने के योग हैं। धनप्राप्ति के लिए दिन शुभ है। मित्रों से हुई मुलाकात आनंददायी रहेगा।

कर्क हर काम सरलता से संपन्न कर पाएंगे। नौकरी में उच्च पदाधिकारी खुश रहेंगे। आपके प्रमोशन के योग हैं।

सिंह आपका व्यवहार न्यायपूर्ण रहेगा। आपके धार्मिक एवं मांगलिक कार्यो में व्यस्त रहने की संभावना देख रहे हैं।

कन्या स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बाहर के खाने-पीने से परहेज रखें। क्रोध अधिक रहेगी, वाणी पर संयम रखें।

तुला मित्र आपके प्रवास को आनंद से भर देंगे। नए वस्त्रों की खरीदी के योग हैं। तन-मन की तंदुरस्ती अच्छी रहेगी।

वृश्चिक अनिश्चितता और शांति के साथ समय व्यतीत करेंगे। शारीरिक तथा मानसिक प्रसन्नता कार्य करने में उत्साह प्रदान करेगी।

धनु कार्य सिद्धि व सफलता न मिले तो हताश न हों। परिजनो के साथ मनमुटाव ना हो, इस बात का ध्यान रखें।

मकर क्रोध पर संयम रखें। संपत्ति से संबंधित प्रश्नों के विषय में मन परेशान हो सकता है। कोई यात्रा न करें।

कुंभ चिंताओं के बादल हटने से आप मानसिक हलकापन महसूस करेंगे। मन में उत्साह का संचार होगा।

मीन वाणी और क्रोध पर संयम रखें, अन्यथा हानि हो सकती है। धन संबंधित लेन-देन में सावधानी की आवश्यकता है।

पितृसत्ता को चुनौती दिए बिना महिला सुरक्षा की कोशिशें

अपने आधे नागरिकों की सुरक्षा के लिए शायद ही कभी सरकारों ने इतनी अधिक चिंता की है। आंध्र प्रदेश में एक दिशा कानून है और महाराष्ट्र में शक्ति विधेयक। कथित लव जेहाद के खिलाफ तीन राज्यों में अध्यादेश भी हैं। ये सारे इंतजाम स्त्रियों की सुरक्षा के नाम पर किए जा रहे हैं। हालांकि, हमें इन कानूनों या अध्यादेशों से बहुत आश्वस्त नहीं होना चाहिए। तब भी नहीं, जब मध्य प्रदेश सरकार ने एक सम्मान कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें बताया गया है कि नौकरी करने वाली महिलाएं स्थानीय थाने में अपना पंजीकरण करा सकती हैं, ताकि उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए ट्रैक किया जा सके। यह वही मध्य प्रदेश है, जहां अभी हाल ही में उमरिया में नौ पुरुषों द्वारा 13 वर्षीय लड़की के बलात्कार की खबर आई है।

आज भारत में बलात्कार की समस्या चिंता का विषय बन गई है। 2013 के बाद से पारित महिला सुरक्षा कानूनों से बलात्कार जैसे अपराध का ग्राफ नीचे नहीं आया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश के नौ राज्यों में यौन हिंसा की शिकार महिलाओं और बच्चों की संख्या बढ़ी है। अब आंध्र प्रदेश के दिशा कानून पर आधारित महाराष्ट्र का सख्त शक्ति विधेयक भी बलात्कार के लिए मौत की सजा का विस्तार करता है, पर दूसरी सहमति के मानकों को कम करता है, जिसकी वजह से बलात्कार को अदालतों में साबित करना मुश्किल हो जाएगा। महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं की आपत्ति के बाद प्रस्तावित विधेयक के इस कमजोर पक्ष की समीक्षा हो रही है। महिला सुरक्षा के लिए इतने सारे कानून हैं, फिर भी ठोस हल नहीं निकल रहा है। शायद इसलिए कि यहां विरोधाभास है। महिलाओं की रक्षा करने की इच्छा में विरोधाभास है। क्या हम महिलाओं को तब तक ही सुरक्षित रखेंगे, जब तक कि वे पारिवारिक संरचना से बंधी हुई हैं? लेकिन दुखद विरोधाभास यह है कि घरेलू हिंसा और यौन शोषण के आंकड़े हमें बताते हैं कि परिवार भी महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नहीं है। उत्तर प्रदेश में पुलिस ने घोषणा की है कि वह मुश्किल में पड़ी महिलाओं का पता कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' से लगाएगी। महिलाओं की मुश्किल या संकट को कैसे परिभाषित किया गया है? कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तव में महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए कैसे काम करेगी, इसका खुलासा बाकी है। हम यह जानते हैं कि कुछ सरकारें इस विचार को मान्यता देती हैं कि साजिश रचने वाले मुस्लिम पुरुष लाचार हिंदू महिलाओं को छलते हैं। इसी विचार के आधार पर ही कथित लव जेहाद के खिलाफ कानून बनता है और वयस्क महिला की स्वायत्तता भी छिन जाती है। यह ऐसी स्वायत्तता है, जिसका बचाव इलाहाबाद उच्च न्यायालय और अन्य कुछ अदालतें अभी भी कर रही हैं। सुरक्षा का अर्थ है, सभी महिलाओं को सशक्त बनाना, वे अकेली रहें या तलाकशुदा हों, उन्हें समान नागरिक के रूप में रहने की आजादी देना। महिला सुरक्षा का अर्थ है, महिलाओं की पसंद का सम्मान करना। बलात्कार पुरुष अधिकार से उपजा अपराध है और यह विचार भी कि एक महिला की सहमति मायने नहीं रखती। यह तय मानना चाहिए कि जो कानून पितृसत्तात्मक मानसिकता के साथ बनाए जा रहे हैं, उनसे आप महिला असुरक्षा का अंत नहीं कर सकते। यह मानसिकता हमारे विधायकों तक सीमित नहीं है। हमारी सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश भी चाहते हैं कि महिलाएं विरोध प्रदर्शन से दूर रहें। क्या महिलाएं आजादी के आंदोलन और चिपको जैसे आंदोलनों का अभिन्न हिस्सा नहीं रही हैं? राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख लव जेहाद पर चर्चा करने के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल से मिलती हैं, हालांकि महिला आयोग के पास इसका कोई प्रमाण नहीं है। महिला आयोग की एक सदस्य का कहना है कि बदायूं में हुए एक बलात्कार और हत्या से बचा जा सकता था, अगर 50 वर्षीया आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शाम को अकेली बाहर नहीं निकलती। अगर नजरिया यही है, तो साफ तौर पर हम गलत समाधानों की ओर देख रहे हैं।

- नमिता भंडारे, वरिष्ठ पत्रकार, (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

यमराज ने पहले तो आत्म विद्या को गूढ़, अत्यंत सूक्ष्म, दुर्लभ तथा समझने में कठिन बताकर नचिकेता को भय दिखाया। इसके बाद सांसारिक सुख तथा स्वर्गादि के भोगों का प्रलोभन दिया और कहा कि आत्मज्ञान के बदले मैं तुम्हें जो भी चाहो यहां तक कि त्रिलोकी का साम्राज्य, इन्द्रपद आदि सब दे सकता हूं। नचिकेता सबको नाशवान और अन्त में दुखदायी बताकर इच्छित वर पर ही अड़ा रहा। यमराज ने नचिकेता को सच्चा अधिकारी समझ उसे ब्रह्म विद्या प्रदान की। नचिकेता का मुख्य प्रश्न था-मृत्यु के बाद भी आत्मा का अस्तित्व रहता है या नहीं? अर्थात आत्मा का यथार्थ स्वरूप क्या है? उसका दूसरा प्रश्न था-धर्म और अधर्म से रहित, कार्यकारण रूप प्रकृति से पृथक सब भूत वर्तमान और भविष्य इन सबसे भिन्न जो परमतत्व है वह क्या है? नचिकेता जीवात्मा और परमात्मा के यथार्थ रूप को जानना चाहता है। यमराज कहते हैं कि परब्रह्म पुरुषोत्तम ही एक जानने योग्य परम तत्व है वे ही परम प्राप्य हैं। समस्त वेद जिसका प्रतिपादन करते हैं, समस्त तप आदि साधनों का जो एक मात्र लक्ष्य है, जिसे प्राप्त करने की इच्छा से साधक निष्ठापूर्वक ब्रह्मचर्य का अनुष्ठान करते हैं, उस पुरुषोत्तम भगवान का परम तत्व है-एक अक्षर ओम्। यह अविनाशी प्रणव ओंकार ही परब्रह्म परमात्मा का निर्विशेष स्वरूप है और यही समग्र परब्रह्म परम पुरुषोत्तम है। अर्थात उस ब्रह्म और परब्रह्म दोनों ही का नाम ओंकार है। परमात्मा का श्रेष्ठनाम यह ऊंकार ही परमात्मा की प्राप्ति के लिए सबसे श्रेष्ठ साधन है। **क्रमशः**

ताकि बच्चों के एक स्कूल वर्ष की भरपाई हो जाए

अनुराग बेहर, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

उसने किताब खोली, कोशिश की, पर पढ़ न सकी और फूट-फूटकर रोने लगी। ऐसा इसी जनवरी की शुरुआत में बेंगलुरु में हुआ। वह कक्षा तीन में पढ़ती है। जब पिछले मार्च में स्कूल बंद हुए थे, तब वह दूसरी कक्षा में थी। पूरे शैक्षणिक वर्ष में एक दिन भी स्कूल जाए बिना कुछ ही महीनों में वह कक्षा चार में पदोन्नत हो जाएगी। पूरे देश में मेरे कई सहयोगी ऐसे ही बच्चों के रूबरू हुए हैं। उस बच्ची को साफ तौर पर याद है कि वह पिछले साल मार्च में धाराप्रवाह पढ़ सकती थी। जब मैंने उसे किताब दी, तब उसने संघर्ष किया और फिर हार मान गई। मन में नुकसान की भावना आई और आंसू बह निकले। उसने मुझे बताया कि उसने स्कूल में अपने आखिरी दिन के बाद से अपने हाथ में एक भी किताब नहीं ली है। उसकी शिक्षिका मुझे बताती हैं, 'वह धीरे-धीरे, लेकिन अच्छी तरह से पढ़ती थी। कुछ ही महीनों में वह चौथी कक्षा में चली जाएगी, लेकिन वास्तव में वह पहली कक्षा के स्तर पर लौट गई है। इसमें माता-पिता या शिक्षक का कोई दोष नहीं। जब कोई बच्चा 10 महीने में एक बार भी कक्षा में नहीं गया है और घर पर हर कोई जीवित रहने के लिए भी मेहनत कर रहा है, तब आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं?' यह टिप्पणी संक्षेप में असलियत बयान कर देती है कि भारतीय स्कूली शिक्षा हालात का व्यवस्थित रूप से सामना करने में नाकाम रही है। नीति निर्धारण के उच्च स्तर पर भी इस कमी की उपेक्षा हुई है।

मार्च 2020 से भारत में स्कूल बंद कर दिए गए। हमारे 26 करोड़ स्कूली छात्रों के शिक्षण को बनाए रखने के प्रयास प्रभावी नहीं हुए हैं। कुछ शिक्षकों ने समुदाय आधारित कक्षाओं को खुले में रखने और अपने छात्रों के साथ लगे रहने की पहल की। ऐसी कुछ सफल कक्षाओं के बावजूद यह व्यवस्था सामान्य स्कूलों का विकल्प नहीं है। सामुदायिक कक्षाओं के अच्छे मामलों में भी शिक्षक-छात्र का संपर्क हर सप्ताह चार से छह घंटे होता है, जबकि स्कूल खुलने की स्थिति में यही संपर्क लगभग रोज ही छह से आठ घंटे का होता है। खुली कक्षा में शामिल होने में भी कुछ ही छात्र सक्षम हुए हैं। ऑनलाइन शिक्षा की अंतर्निहित सीमाओं और सभी स्कूली बच्चों तक ऐसी शिक्षा की पहुंच को सुनिश्चित नहीं किया गया है।

निहित व्यावसायिक हितों के कारण कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि ऑनलाइन शिक्षा ने स्कूली शिक्षा की कमी की भरपाई कर दी है, जबकि भारत में अधिकांश बच्चों की इस तक पहुंच नहीं है। हमारे 26 करोड़ बच्चों ने एक पूरा स्कूल वर्ष खो दिया है, लेकिन स्थिति इससे भी गंभीर है। इतने लंबे समय तक गंभीर शिक्षा की गैर-मौजूदगी ने बच्चों की अब तक की शिक्षा को भी नुकसान पहुंचाया है। सरल शब्दों में कहें, तो बच्चे भूल गए हैं कि उन्होंने पहले क्या सीखा था। इसलिए जब स्कूल फिर खुलेंगे, तब खोए हुए वर्ष और खोई हुई सीख या शिक्षा का भी ध्यान रखना पड़ेगा। पहले गरमी की लंबी छुट्टियों के दौरान कुछ ऐसा ही होता था। जो क्षति हुई है, उसके सुबूतों की बाढ़ आ गई है। इस क्षति का हमने छात्रों और शिक्षकों के बीच मूल्यांकन किया है और जो शुरुआती आंकड़े सामने आए हैं, उनके अनुसार, 74 प्रतिशत बच्चों ने अपनी ऐसी मूलभूत क्षमताओं में से एक या एक से अधिक को खो दिया है। उदाहरण के लिए, एक पैराग्राफ या एक पृष्ठ पढ़ने, अपने शब्दों में उसका निचोड़ पेश करने की क्षमता, क्रम में कुछ वाक्य लिखने की क्षमता और सरल जोड़-घटाव की क्षमता, बुनियादी गुणा-भाग की क्षमता में कमी आई है। अब सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब स्कूल खुलें, तब शिक्षकों को इस घाटे को पूरा करने के लिए समय देना पड़ेगा, बच्चों की अतिरिक्त सहायता करनी पड़ेगी। कुछ छुट्टियों को खत्म करना, 2021 के अकादमिक कैलेंडर को अच्छी तरह से विस्तारित करना होगा। पाठ्यक्रमों, सत्रों को फिर से संयोजित करना पड़ेगा। इस सच्चाई पर हमने ध्यान नहीं दिया, तो यह न केवल असमानता की खाई को चौड़ा करेगा, बल्कि वंचितों को और अधिक नुकसान पहुंचाएगा। यह मामला हमारे राष्ट्रीय एजेंडे पर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ होना चाहिए। इसके लिए देश भर में समन्वित व सामंजस्यपूर्ण कार्यों की जरूरत है। हमें संकट से निपटने के लिए तुरंत प्रयास करने चाहिए, अन्यथा हमारे बच्चों को भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जागरूक Selfie विद फैमिली

काव्या, रोमित विद डॉ. मीनू-राजेश पूनिया, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

daughterwithselfy@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-2338070

जागरूक न्यूज

फिटनेस के लिए किया साइकिलोथॉन का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। अंजली योगा सेन्टर और AIND फाउंडेशन की ओर से फिट इंडिया साइक्लोथौन का आयोजन किया गया। फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होने वाली इस साइक्लोथोन की शुरुआत मोती डूंगरी गणेश मंदिर से कालीचरण सर्राफ और जय सिंह सेठिया द्वारा सुबह 7 बजे झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया गया। साइक्लिंग, फिटनेस और सड़क सुरक्षा वीक को बढ़ावा देने और कोरोना योद्धाओं पुलिस, डॉक्टर, मीडियाकर्मियों और सफाईकर्मियों के सम्मान में साइकिलोथोन का आयोजन किया गया। फाउंडर डॉ अंजली स्वामी ने बताया कि निम्स, EVAA, SRK हॉस्पिटल और पिंकस के सहयोग से आयोजित साइकिलोथॉन में पार्षद जितेंद्र श्रीमाली, विमल अग्रवाल, महेश सैनी, ब्रह्मकुमार सैनी, डॉ सुनील शर्मा और निम्स डायरेक्टर डॉ पंकज तोमर इवा डायरेक्टर डॉ जूही तोमर बीजेपी युवा मोर्चा प्रदेशाअध्यक्ष हिमांशु शर्मा एवं प्रतीक मौजूद रहे। प्रथम प्राइज मनु वशिष्ठ एवं पायल शर्मा को मिला, जबकि सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और मैडल दिया गया।

युवा लेखिका इशिता शर्मा की बुक का हुआ विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर की रहने वाली 14 साल की युवा लेखिका इशिता शर्मा की बुक का विमोचन राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राजीव जैन द्वारा किया गया। मात्र 14 वर्ष की आयु में ही इशिता ने अपनी पहेली किताब अवर बाइपोलर हार्ट्स जो की एक रोमांटिक उपन्यास है, प्रकाशित करवाई है। इस प्रयास की सराहना करते हुए कुलपति प्रो राजीव जैन ने इशिता को बधाई भी दी। इशिता ने अपनी पहली उपन्यास में रचनात्मकता के साथ अपनी कल्पना का उपयोग किया है। इस रचना को किताब के रूप में उकरने के लिए मोहिशा,अक्षरा दीदी व उनके परिवार ने उसका विशेष सहयोग दिया। यह प्यार, नफरत और बदले का मिश्रण है। वह वर्तमान में अपनी उच्च विद्यालय की पढ़ाई पूरी कर रही है। इस अवसर सिद्धार्थ शर्मा, चिति शर्मा, डॉ. रूपराज भरद्वाज, डॉ. शीनू गुप्ता, मि .पलसानिया, आर के जैन, दीपक सक्सेना के अलावा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कोरोना जन जागरूकता रैली निकाली

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। नगरपालिका निम्बाहेड़ा के कार्मिको एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओ द्वारा कोरोना से बचाव हेतु जन आन्दोलन के अन्तर्गत जन जागरूकता रैली निकाली गई। पालिका के कार्मिको द्वारा विद्यालय में मास्क वितरण किये एवं कोविड-19 महामारी से बचाव हेतु समझाइश की तथा कोविड-19 महामारी के संबंध में जारी गाईडलाईन का पालन करने का संदेश दिया। उक्त रैली के साथ ही पालिका कार्मिको द्वारा एक दूसरे से दो गज की सामाजिक दूरी बनाये रखने एवं विवाह सम्बन्धी किसी समारोह की लिखित सूचना आयोजन से पूर्व सम्बन्धित उपखण्ड मजिस्ट्रेट को देने तथा सभी व्यापारी एवं उनके कर्मचारी मास्क का प्रयोग करें तथा बिना मास्क पहने व्यक्ति को सामान नही देंने हेतु आम नागरीको को पाबन्द किया अन्यथा नियमो का उल्लंघन करने पर राजस्थान महामारी अधिनिमय के तहत जिला प्रशासन, नगरपालिका एवं राजस्थान पुलिस द्वारा कार्यवाही की जावेगी। इस कार्यक्रम के दौरान पालिका अधिशाषी मुकेश कुमार, वरि प्रारू यशदीप आमेटा, लि पुष्पेन्द्र सिंह चैहान, सकर्म करण कुमार, भरत माली, आसीम हुसैन आदि उपस्थित थे।

कोरोना जागरुकता रैली निकाली गई

चौमूं @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी की रोकथाम एवं बचाव हेतु कोराना जागरुकता अभियान के तहत नो मास्क नो एन्ट्री जागरुकता के तहत शहरी आजीविका केन्द्र संस्था तकनीकी विकास केन्द्र व नगर पालिका चौमूं के संयुक्त तत्वाधान में रैली को आयोजन किया गया। रैली को नगर पालिका अध्यक्ष विष्णु कुमार सैनी व अधिषाशी अधिकारी सलीम खान ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली कौषल प्रषिक्षण केन्द्र से शुरु होकर अशोक विहार, जयपुर रोड होते हुए केन्द्र पर आकर सम्पन्न हुई। रैली में पार्शद सायर सैनी, ममता कुमावत प्रषासनिक अधिकारी छीगनलाल, श्रवणलाल षर्मा, देशराज, विजयकुमार सैनी, रामरतन सैनी, ताराचन्द सैनी, अषोक षर्मा, अनिल कुमार, राजेष टांक व कौशल प्रषिक्षण केन्द्र संचालक कौषल योगी व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

महात्मा गांधी की 73वीं पुण्यतिथि छात्रों को बांटे टैब

जयपुर @ जागरूक जनता। कच्ची बस्ती के बच्चों को ऑनलाइन अध्ययन के लिए प्रोत्साहन स्वरूप टैबलेट बांटे गए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 73वीं पुण्यतिथि पर बद्रीनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट ने अभावों में जीवनयापन करते हुए उच्च प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को टैब दिए, ताकि ये बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। कार्यक्रम में ट्रस्ट की तरफ से मुख्यतया रिटायर्ड चीफ सैक्रेटरी इन्द्रजीत सिंह खन्ना, रिटायर्ड आईपीएस सी.बी. शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रतन सिंह यादव, आर.पी. ऋषि कुमार, राधा मोहन जाधव एवं अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शिल्पी शाह ने सभी आगंतुक अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा अनुकरणीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

नशाबन्दी को लेकर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा संगोष्ठी आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के तत्वाधान में मंच ज़िला जयपुर संभाग सयोंजक हनीफ खान उर्फ (अनुभाई) के नेतृत्व में नशामुक्ति पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्यातिथि के रूप में रामगंज थाना जयपुर एएसपी सुनील प्रसाद शर्मा ने उपस्थित थे। संगोष्ठी में नशेबन्दी को लेकर चर्चा की गई व नशे की रोकधाम को लेकर शर्मा द्वारा उपस्थित सदस्यों को नशामुक्त बने रहने के लिए शपथ दिलाई ।

इंडिया शेल्टर ने जीता अवार्ड

चित्तौड़गढ @ जागरूक जनता। इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड को हाल ही नई दिल्ली, सचिवालय में इनक्लूसिव फाइनेंस इंडिया अवॉर्ड्स के लिए "हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लेंडिंग फॉर अफोर्डेबल हाउसिंग अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया है। इंडिया शेल्टर फाइनेंस कॉर्पोरेशन ने कम आय वाले परिवारों को किफायती ऋण प्रदान करने की दिशा में सफलतापूर्वक काम किया है। ये वर्ग अक्सर किफायती दरों पर आवास ऋण प्राप्त करने की सुविधा से वंचित ही रह जाता है। हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लेंडिंग फॉर अफोर्डेबल हाउसिंग अवॉर्ड", अवॉर्ड का चयन, संगठन की पहुंच, एसेट गुणवत्ता, विकास और सुरक्षित और बेहतर घरों तक पहुंच प्राप्त करने में उनकी मदद करके देश के सुविधाओं से वंचित वर्गों के विकास के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित था। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल मेहता को केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर, माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामले, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।मेहता ने कहा कि "हम जो करते हैं वह उच्चतम प्रभाव वाली आर्थिक गतिविधियों में से एक है, जहां हमने लगभग 70,000 परिवारों की मदद की है। हम 14 राज्यों में लगभग 1,300 लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं और निकट भविष्य में पूरे देश में हमारी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रहे हैं।

तकनीकी शिक्षा विभाग कर रहा है योजना का रिव्यू

सरकार के अधीन होंगे एसएफएस कोर्स के तहत संचालित कॉलेज

सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

दूर होगी बजट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और शिक्षकों की कमी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। प्रदेश में एसएफएस कोर्स के तहत संचालित हो रहे सभी इंजीनियरिंग कॉलेज अब जल्द ही सरकार के अधीन होंगे। तकनीकी शिक्षा विभाग ने इस संबंध में एक प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजा है यदि इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिल जाती है तो सरकार इन कॉलेजों को अपनी अधीन ले लेगी जिससे कॉलेजों में लगातार हो रही एडमिशन की कमी के साथ ही बजट की कमी भी दूर हो सकेगी। प्रदेश के विभिन्न जिलों में ऐसे 11 कॉलेज संचालित हैं। इन कॉलेजों को सरकार के अधीन लाने से इनके सभी कर्मचारियों को वेतन भत्ते भी सुनिश्चित हो सकेंगे। सीटें और पाठ्यक्रम तकनीकी शिक्षा विश्वविद्यालय से तय होती हैं। जबकि प्रशासनिक मामलों पर सम्बन्धित कॉलेज के गवर्निंग बोर्ड यानी बीओजी में फैसले होते हैं। ऐसे में सभी में अलग-अलग नियम कायदे चल रहे हैं।

नहीं मिलती सरकारी मदद

इन कॉलेजों को राज्य सरकार से किसी प्रकार की सहायता नहीं मिल पाती। इन कॉलेजों की फीस भी अधिक होती है और उसी से कॉलेज अपना पूरा खर्च निकालते हैं फिर वह इन्फ्रास्ट्रक्चर हो या फिर शिक्षकों व स्टाफ की पूरी सैलेरी। इसके चलते लंबे समय से शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन संबंधी विसंगतियों की शिकायतें विभाग में मिल रही थी। ऐसे में अब विभाग ने तय किया है कि यदि सीएम की मंजूरी मिल जाती है तो जल्द ही इन कॉलेजों को भी राज्य सरकार के अधीन कर दिया जायेगा ताकि इन्हें भी आम सरकारी कॉलेजों की तरह सरकारी मदद उपलब्ध करवाई जा सके।

ठंडे बस्ते में जा चुका है मामला

आपको बता दें कि इससे पहले भी एक बार मुख्यमंत्री सलाहकार परिषद की बैठक में इस बारे में विचार हुआ था। बारां, अजमेर महिला कॉलेज और झालावाड़ के इंजीनियरिंग कॉलेजों को सरकारी क्षेत्र में लेने और सभी कॉलेजों के प्रशासनिक निर्णय एक स्थान से करने के लिए अपेक्स बॉडी बनाने के प्रस्ताव भी वित्त विभाग को भेजे गए, लेकिन इन पर सहमति नहीं बनने से मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

यह होगा फायदा

- सभी के प्रशासनिक निर्णय एक स्थान से होंगे।
- कॉलेजों में रिक्त पदों पर भर्ती आरपीएएसी के जरिए की जा सकेंगी।
- कॉलेजों का स्टाफ ट्रांसफर हो सकेगा।

सेल्फ फाइनेंस स्कीम के कॉलेजों का संचालन किया जाए की योजना ही गलत थी। हम इस स्कीम को रिव्यू कर रहे हैं और प्रयासरत है कि कॉलेजों के संचालन में आ रही समस्याओं को जल्द से जल्द दूर किया जाए।
डॉ. सुभाष गर्ग, तकनीकी शिक्षा मंत्री

संयुक्त नववर्ष स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह आयोजित

सबके मिलकर कार्य करने से ही संगठन आगे बढ़ता हैं-पवन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। अखिल भारतीय भ्रष्टाचार निर्मूलन संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल ने कहा है कि संगठन में सभी सदस्य तन-मन व धन से मिलकर कार्य करें तभी संगठन को आगे बढ़ाया जा सकता है। पवन ने अखिल भारतीय भ्रष्टाचार निर्मूलन संघर्ष समिति और ब्रिक्स मानवाधिकार मिशन सामाजिक न्याय के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर के टोंक रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित नववर्ष स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें आज बहुत ही खुशी हो रही है कि नववर्ष पर दोनों संगठन के सभी पदाधिकारी आज एक साथ एक मंच पर एकत्रित होकर आपसी स्नेह प्रकट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों संगठनों के पदाधिकारी ऐसे ही मिलकर अपनी जिम्मेदारियों को निभाकर अपने-अपने कार्यों को करते हुए संगठन को आगे बढ़ाते रहें। साथ ही उन्होंने नववर्ष पर आशा जताते हुए कहा कि सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग करते हुए अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, जिससे कि संगठन निरन्तर आगे बढ़ता रहे। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रिक्स मानवाधिकार मिशन सामाजिक न्याय के प्रदेशाध्यक्ष श्योराज सिंह ने कहा कि इस तरह से दोनों संगठनों के सदस्यों का मिलना अच्छा संदेश है और ये जरूरी भी है ताकि सभी सदस्यों के बीच आपसी सहयोग हमेशा बना रहे।

जागरूक वूमन अवार्ड से सम्मानित लीना

अखिल भारतीय भ्रष्टाचार निर्मूलन संघर्ष समिति में झालावाड़ जिला अध्यक्षा लीना सोनी को उनके द्वारा किए जाने वाले बेहतरीन समाजसेवा कार्य के लिए जागरूक जनता के मुख्य संपादक शिव दयाल मिश्रा ने जागरूक वूमन अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि कोरोना महामारी के करण जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा आयोजित जागरूक वूमन अवार्ड 2020 कार्यक्र म स्थगित कर दिया गया था।

इनको मिला सम्मान

सम्मान समारोह में सम्मानित होने वाले पदाधिकारियों में अखिल भारतीय भ्रष्टाचार निर्मूलन संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल, समिति की महिला प्रदेशाध्यक्ष स्नेहलता भारद्वाज समिति के मुख्य संरक्षक राजेन्द्र प्रसाद मोदी, समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष पूनमचंद दंडारिया व राजीव दाधीच, समिति के प्रदेश महासचिव चंद्रशेखर अग्रवाल, समिति के प्रदेश सचिव सत्यनारायण अग्रवाल, समिति के प्रदेश मीडिया प्रभारी गोविन्द गोपाल सिंह, समिति के प्रदेश युवा महामंत्री गजानन्द अग्रवाल, जयपुर शहर महिला अध्यक्षा स्नेह साहनी, जयपुर शहर उपाध्यक्ष सुभाष, जयपुर शहर सचिव बजरंगलाल शर्मा, सिविल लाइन विधानसभा से अध्यक्ष प्रमोद भारद्वाज, बगरू विधानसभा से अध्यक्ष निशान्त वर्मा, सदस्य कमलेश सोनी, कोटा संभाग के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा व उनकी पूरी टीम सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण शामिल रहे। जागरूक जनता के मुख्य संपादक शिव दयाल मिश्रा का भी कार्यक्रम में पवन अग्रवाल व टीम द्वारा सम्मान किया गया। वहीं ब्रिक्स मानवाधिकार मिशन सामाजिक न्याय के प्रदेशाध्यक्ष श्योराज सिंह गुर्जर, ब्रिक्स के प्रदेश उपाध्यक्ष इन्द्राज सिंह, प्रदेश महासचिव सत्यनारायण यादव, संयोजक प्रमोद भारद्वाज, सचिव अभिषेक गुप्ता, दौसा जिला अध्यक्ष मनोज भट् जयपुर जिला अध्यक्ष जितेंद्र सैनी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों का भी सम्मान किया गया।

फ्रांस के फ़िल्म लेखक फिल्मोंन ऑनरेरी अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन इंटरनेशनल सिनेमा से होंगे सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। रिफ फिल्म क्लब द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) का सातवां संस्करण 20 से 24 मार्च 2021 को जयपुर और जोधपुर में एक हाइब्रिड प्रारूप में सिनेमा में संगीत थीम पे आयोजित किया जाएगा और राजस्थान दिवस का जश्न भी मनाएगा। राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) के संस्थापक, निर्देशक और सीईओ, श्री सोमेंद्र हर्ष ने बताया की इस वर्ष फ्रेंच फ़िल्म लेखक, निर्देशक, निर्माता और गोल्डन कैमरा और गोल्डन आई नामित फिल्म निर्देशक पियरे फिल्मोंन को अन्तरराष्ट्रीय सिनेमा में योगदान के लिए ऑनरेरी अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन इंटरनेशनल सिनेमा से सातवें राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) 2021 में सम्मानित किया जाएगा। पियरे फिल्मोंन की फीचर फिल्म लॉन्ग टाइम नो सी को 22 अन्तरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में चुना गया है, जिसमें 42वें मॉस्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 23वें शांगहाओ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 18वें मोरेलिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 51वां इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ इंडिया जैसे फेस्टिवल्स शामिल है। अब ये फिल्म 7वें राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2021 में प्रदर्शित की जाएगी जिसके बाद इस फिल्म को 2021 की गर्मियों से पहले फ्रांस में रिलीज किया जाएगा। राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) के इस सातवे संस्करण मे शार्ट, डाक्यूमेंट्री, एनीमेशन, फीचर, रीजनल, राजस्थानी फिल्म एवं म्यूजिक एल्बम, फ़ेस्टिवल की वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डॉट रिफ जयपुर डॉट ओआरजी पर जा कर सबमिट की जा सकती है और फिल्मफ्रीवे द्वारा भी की जा सकती है। फिल्म सबमिट करने की लास्ट डेट 28 फरवरी 2021 है।

अबूझ सावे भी तारा अस्त होने से पड़े फीके, मई में रहेगी सर्वाधिक सावों की धूम

विवाह के शुभ मुहूर्त के लिए 22 अप्रेल तक करना होगा इंतजार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। सूर्य के मकर संक्रांति में प्रवेश के साथ ही हर साल मारवाड़ में सावों की धूम का सिलसिला शुरू हो जाता है, लेकिन इस बार मळमास समाप्ति के बाद भी विवाह आदि मांगलिक कार्यों के लिए कुआंरों को 22 अप्रेल 2021 तक इंतजार करना पड़ेगा । ज्योतिषियों के अनुसार इसका मुख्य कारण गुरु और शुक्र का तारा अस्त होना है। इसी कारण लग्न मुहूर्तों के लिए इंतजार करना होगा । इस बार मळमास खत्म होने पर गूंजने वाले मंगलवाद्य थमने का कारण विवाह के शुभ मुहूर्त नहीं होना ही है ।

वर्ष 2021 में विवाह मुहूर्तों की शुरुआत 22 अप्रेल से ही होगी । मारवाड़ व प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अबूझ सावा कहे जाने वाले बसंत पंचमी और फूलेरा दूज का सावा भी तारा अस्त होने के कारण कम ही विवाह होंगे। अक्षय तृतीया-14 मई, पीपल पूनम-26 मई और भड़ली नवमी-18 जुलाई को सावों की धूम रहेगी। इसलिए नहीं होंगे विवाह कार्य मळमास समाप्त होने के बाद विवाह नहीं होने का प्रमुख कारण गुरु और शुक्र का तारा अस्त रहना है। मळमास खत्म होने के बाद 16 जनवरी से गुरु का तारा पश्चिम दिशा में अस्त हो चुका है जिसका उदय अगले माह 14 फरवरी को होगा । इसी बीच 9 फरवरी से भी शुक्र का तारा भी अस्त हो जाएगा। शुक्र तारे का उदय पुनः 18 अप्रेल 2021 को होगा। अतः समय शुद्धि नहीं होने के कारण इस कालांश में विवाह मुहूर्त सभी मांगलिक मुहूर्त का अभाव रहेगा। विवाह मुहूर्तों के लिए गुरु और शुक्र दोनों का उदित होना जरुरी माना गया है। इसमें से एक भी अस्त रहने पर उस परिस्थिति में विवाह जैसे शुभ कार्य नहीं होते हैं ।

वर्ष 2021 में 46 विवाह के मुहूर्त

जनवरी , फरवरी और मार्च में कोई मुहूर्त नहीं, अप्रेल -5 दिन मई -13 दिन जून -7 दिन जुलाई -7 दिन नवम्बर -8 दिन दिसम्बर -6 दिन

ये भी माने जाते है अबूझ मुहूर्त

पं. अक्षय शास्त्री के अनुसार मुहूर्त चिंतामणि पियूष धारा में बसंत पंचमी 16 फरवरी, महाशिवरात्रि 11 मार्च, फुलेरा दूज 15 मार्च, बुध्दपूर्णिमा 26 मई,भड़ली नवमी 18 जुलाई, तुलसी एकादशी 14 नवंबर, देव दीपावली 19 नवंबर तथा राम जानकी विवाह 8 दिसंबर को अबूझ विवाह के मुहूर्त माने जाते हैं। लोकमत में चंद्रावली बीज के दिन 13 फरवरी, 12 जून व 6 नवंबर को भी मारवाड़ में विवाह के आयोजन होंगे।

दाम्पत्य जीवन में पड़ता है प्रभाव

प्रमुख ज्योतिषियों के अनुसार गुरु की उपस्थिति दाम्पत्य जीवन में संतान, संस्कार, धर्म, कर्म प्रदान करते है। इसी प्रकार शुक्र की उपस्थिति वैभव, दाम्पत्य सुख व भौतिक सुख सुविधा जीवन पर्यंत प्रदान करते हैं । इसलिए अगर गुरु या शुक्र में से कोई भी तारा अस्त होने की स्थिति में विवाह कार्य नहीं होते हैं ।

धर्म रक्षा समिति महिला प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न

सीता माता नहीं होती तो श्रीराम भी ऐसे पराक्रमी राम नहीं होते

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक के सान्निध्य में धर्म रक्षा समिति (महिला प्रकोष्ठ) की बैठक बनीपार्क स्थित एक होटल में सम्पन्न हुई। बैठक में श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए यथाशक्ति समर्पण निधि कार्यक्रम के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजाराम ने अपने संबोधन में भगवान श्रीराम के जन्म स्थान पर भव्य मंदिर बनाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले 492 वर्ष पूर्व बाबर के सेनापति मीरबांकी ने श्रीराम मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। इतने लंबे संघर्ष के बाद यह समय आया है जब श्रीराम का भव्य मंदिर बनने जा रहा है। इस अवसर पर सुभद्र पापड़ीवाल ने मातृशक्ति को धन्यवाद देते हुए कहा कि अगर सीता माता नहीं होती तो श्रीराम भी ऐसे पराक्रमी राम नहीं होते। जयपुर से समर्पण निधि के लिए एक लाख परिवारों से संपर्क और निधि लेने का लक्ष्य रखा गया। पापड़ीवाल ने कहा कि अभी तो श्रीकृष्ण जन्मभूमि भी बंधक बनी हुई है। हमें समाज के हर तबके से समर्पण निधि स्वीकार करनी है। ताकि हर कोई इस मंदिर से अपना जुड़ाव महसूस कर सके। वरना तो कई परिवार ऐसे हैं जिन्होंने अकेले ही 100-100 करोड़ रुपए की धनराशि देने की इच्छा व्यक्त की है। इससे पूर्व जोधपुर से आए महावीर ने सभी आगंतुक अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में धर्म रक्षा समिति (विद्याधर नगर-महिला प्रकोष्ठ) की अध्यक्ष बीना पारीक भी मंच पर उपस्थित थी। बैठक में बड़ी संख्या में महिला सेविकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई।

भारत स्वाभिमान प्रान्त कार्यालय का शुभारंभ

योग से ही बनेगा भारत विश्व गुरु -जस्टिस गर्ग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जोधपुर। आर्य समाज महामन्दिर मे भारत स्वाभिमान प्रान्त कार्यालय का शुभारंभ किया गया, इस अवसर पर राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के न्यायाधीश मनोज कुमार गर्ग व कर्नाटक के प्रान्तीय आदरणीय भंवरलाल आर्य व श्री इन्टरप्राईजेज महावितरक पतंजलि आयुर्वेद लिमीटेड के कर-कमलो से सम्पन्न हुआ।

गर्ग ने बताया कि योग से ही हम सभी स्वस्थ जीवन जी सकते है, कॉरोना काल मे योग ही सबसे बड़ी शक्ति थी। कार्यालय के शुभारंभ पर आर्य समाज के सभी पदाधिकारीयों , कार्यकर्ताओ का स्मर्ति चिह्न देकर स्वागत किया गया। कर्नाटक के वरिष्ठ राज्य प्रभारी आदरणीय भंवरलाल जी आर्य ने सभी योग साधक व आर्य वीर दल के योग साधको को योग मे आगे बढ़ने की सलाह दी व आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षा को पास करने की प्रेरणा दी। आदरणीय सेवाराम जी आर्य ने मुख्य-यजमान आदरणीय गर्ग साहब के पावन सान्धिय मे यज्ञ करवाया।

इस अवसर पर प्रान्तीय प्रभारी समदर सिंह, करनाराम, हुकमाराम, मदन मोहन, दिलीप तिवाड़ी व जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉ. गोपालचन्द गांधी, लालचन्द सिन्धी, सोनू राठौड़, भगवानराम परिहार, प्रमोद माचरा व आर्य समाज के पदाधिकारी सेवाराम आर्य, हेमसिह दाता व सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। युवा प्रभारी भगवान राम परिहार ने बताया कि आने वाले समय मे नयी शिक्षा निती के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा वेलनेस सेन्टर खोले जा रहे जिससे युवाओ को रोजगार के अवसर प्रदान होंगें।

योग को खेल मे भी जोड़ दिया गया है। जो योग साधक खेल मे रुची रखना चाहते है उन सभी के लिए भविष्य मे कैरीयर के अच्छे अवसर आने वाले है। अन्त मे आर्य समाज प्रधान हेमसिह जी दाता व शिवरतन आर्य ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ANCHOR **बोर्ड परीक्षा 2021**

10वीं और 12वीं के आवेदन में किए जा सकेंगे ऑनलाइन संशोधन

1 से 13 फरवरी तक कर सकेंगे आवेदन, ऑनलाइन आवेदन की गलतियां हो सकेंगी ठीक

15 मई से 15 जून के मध्य संभव है बोर्ड परीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

अजमेर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2021 की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थी आवेदन पत्रों में ऑनलाइन संशोधन कर सकेंगे। इस संबंध में बोर्ड की ओर से दिशा निर्देश जारी किए गए। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने में रही गलतियों को ठीक करवाने के लिए छात्र 13 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे। इस अवधि के दौरान आवेदन निशुल्क किए जा सकेंगे।

ऐसे होगा संशोधन

ऑनलाइन संशोधन के लिए आईडी पासवर्ड टाइप कर वेबसाइट खोलनी होगी। आवेदन पत्र के बाएं कोने में स्थित आवेदन पत्र क्रमांक टाइप करें, इसके बाद जो संशोधन करना है वह करें। संशोधन के बाद लॉक करें तथा संशोधन ओके करें। एक बार लॉक करने के बाद दोबारा किसी प्रकार का संशोधन नहीं होगा। हर परीक्षार्थी को संशोधन अलग.अलग करना है। इस संशोधन प्रपत्र की एक कॉपी अपने पास रखते हुए दूसरी कॉपी बोर्ड को स्पीड पोस्ट से भेजनी होगी।

ये संशोधन ऑनलाइन हो सकेंगे

पिता व माता के नाम केवल स्पेलिंग, लिंग, माध्यम, बी,पी,एल, जाति श्रेणी, पता व फोन नम्बर, अन्य टोकन शुल्क वाले अभ्यर्थी को छोड़कर श्रेणी , पूर्व शैक्षणिक योग्यता फोटो तथा हस्ताक्षर स्केनिंग, पात्रता प्रमाण पत्र, क्रमांक दिनांक आदि।

ये संशोधन नहीं होंगे

- परीक्षार्थी के नाम एवं जन्मतिथि में संशोधन नहीं किया जा सकेगा।
- प्रायोगिक विषय जिनमें प्रायोगिक शुल्क अपेक्षित है। उनमें परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। अतिरिक्त विषय नहीं जोड़ा जा सकेगा।
- वर्ग परिवर्तन/प्रायोगिक विषय के कारण संशोधन नहीं किया जा सकेगा।

जागरूक जनता
जयपुर, बुधवार
3 फरवरी - 9 फरवरी, 2021

BUDGET 2021-22

बजट 2021-22

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को वित्त वर्ष 2021–22 का आम बजट पेश किया . बजट में कृषि क्षेत्र को खास अहमियत दी गयी है . नये कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों को इसके जरिये संदेश देने की कोशिश की गयी है . इस साल पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने हैं . सरकार इन राज्यों पर बजट में मेहरबान दिखी .

₹ 34.83
लाख करोड़ होगा सरकार का कुल खर्च 2021-22 में

विकास पर खर्च

5.54
लाख करोड़ रुपये बजट में पूंजीगत खर्च, यानी विकास कार्यों पर खर्च के लिए रखे गये हैं.

खर्च के लिए कर्ज

12 लाख करोड़ रुपये कर्ज से जुटायेगी सरकार, जो सरकार की कुल आमदनी का 36 फीसदी होगा. बाकी पैसे टैक्स व लाभांश से आयेंगे.

राजकोषीय घाटे का हाल

राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष में जीडीपी के 9.5 फीसदी तक पहुंच सकता है. नये वित्त वर्ष में इसके 6.8 फीसदी रहने का अनुमान.

अर्थव्यवस्था को उम्मीदों की वैक्सीन

1. कई उत्पादों पर आधी रात से लागू हुआ कृषि बुनियादी ढांचा सेस
2. पेट्रोल पर 2.5 व डीजल पर चार रुपये लीटर सेस, पर अभी बोझ नहीं
3. 75 साल से ऊपर के पेंशनभोगियों को रिटर्न से छूट, आयकर से नहीं
4. तीन साल पहले तक के ही आयकर आकलन मामले खोले जा सकेंगे
5. होम लोन ब्याज पर करयोग्य आय से 1.5 लाख की कटौती रहेगी जारी

डिजिटल बजट
पहली बार पेपरलेस बजट. वित्त मंत्री ने टैबलेट से पढ़ा बजट भाषण. सांसदों को मिली बजट की डिजिटल कॉपी.

जस का तस
आयकर की दरों और स्लैब में कोई बदलाव नहीं.

बाजार में रौनक

24 साल में सबसे बड़ी उछाल

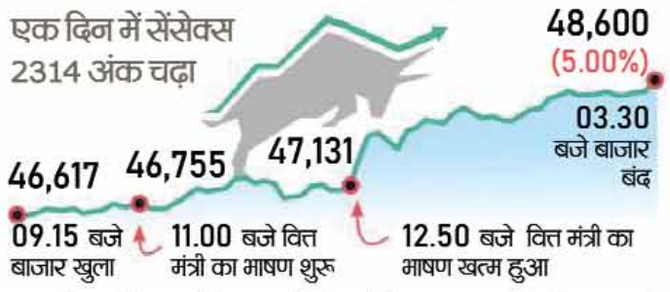

इससे पहले 1977 में बजट के दिन सेंसेक्स छह फीसदी चढ़ा था

सोना सस्ता, पर चांदी महंगी : बजट में सोने-चांदी के आयात शुल्क में कटौती की घोषणा के बाद दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 1,324 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरा. वहीं, चांदी 3,461 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो गयी.

टीकाकरण

₹35,000
करोड़ दिये गये कोरोना वैक्सीन के लिए

स्वास्थ्य बजट 137 फीसदी बढ़ा

2021–22 के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 2,23,846 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है . यह पिछले साल से 137 फीसदी ज्यादा है . वित्त मंत्री ने कहा कि जरूरत पड़ने पर कोविड टीकाकरण के लिए और भी धन आवंटित किया जायेगा .

महंगा
मोबाइल व चार्जर, एसी और फ्रिज, एलइडी लाइट, सूती कपड़े, गाड़ियों के कल-पुर्जे, स्क्रू व नट, सोलर इनवर्टर व लैंप, कच्चा रेशम, कृत्रिम रत्न, तार व केबल

सस्ता
सोना-चांदी, प्लेटिनम, पैलेडियम, नैफ्था, लौह व इस्पात कबाड़, तांबा कबाड़, एमएसएमइ के काम आनेवाले कई इस्पात उत्पाद, विमानों के कल-पुर्जे

बजट में कृषि क्षेत्र को मजबूती देने और किसानों की आय बढ़ाने पर बहुत जोर दिया गया है . किसानों को आसानी से ज्यादा कर्ज मिल सकेगा . मंडियों को और मजबूत करने का प्रावधान किया गया है .

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कोरोना महामारी के चलते संकट से गुजर रहे लोगों के हाथों में पैसे देने के बारे में सरकार भूल गयी . मोदी सरकार की योजना भारत की संपत्तियों को अपने पूंजीपति मित्रों को सौंपने की है .

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

राजस्थान को केंद्रीय बजट से बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन प्रदेश की जनता को इससे निराशा हुई है। पब्लिक के लिए इस बजट में बुरी खबरें ही हैं। पेट्रोल-डीजल पर नए सेस लगाकर इसकी कीमत में कोई राहत नहीं दी है।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

त्वरित टिप्पणी

आपदा में अवसर तलाशने की कोशिश

कोरोना संकट ने देश-दुनिया की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया है. यह बजट इस आपदा में अवसर तलाशने की एक कोशिश है. वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल अर्थव्यवस्था में बड़े सुधार की उम्मीद जतायी, साथ ही कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत का विजन है. वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट छह स्तंभों पर टिका है. पहला स्तंभ है- स्वास्थ्य, दूसरा- पूंजी और बुनियादी ढांचा, तीसरा- समग्र विकास, पांचवां- नवाचार और अनुसंधान तथा छठा स्तंभ- न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन. जैसी कि उम्मीद की जा रही थी, कोरोना के मद्देनजर स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है. वित्त मंत्री ने कहा कि इस बजट में कोविड वैक्सीन के लिए 35,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है. यह बजट ऐसे वक्त में आया है, जब देश की जीडीपी में भारी गिरावट आयी है. सवाल यह है कि क्या यह बजट 2021 में अर्थव्यवस्था को पटरी में लाने में मददगार साबित होगा? अर्थव्यवस्था की इस सुस्ती से सभी चिंतित हैं. हालांकि इस सुस्ती को सीमित अवधि का बताया जा रहा है. बजट में लोगों की निगाहें इसी पर लगी थीं कि सरकार इस सुस्ती को दूर करने के लिए क्या कदम उठाती है. इसमें सबसे अहम इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को माना जाता है. इस क्षेत्र में निवेश अर्थव्यवस्था को गति दे सकता है. देश में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए बजट में कई बड़ी घोषणाएं की गयी हैं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती इन योजनाओं को धरातल पर उतारने की है. इस साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं और चुनावी साल में वित्त मंत्री ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम के लिए नेशनल हाइवे और नये इकॉनोमिक कॉरिडोर का एलान किया है. शेयर बाजार को यह बजट बेहद पसंद आया और सेंसेक्स में भारी उछाल आयी. पिछले कुछ वर्षों की बजट बाद की यह सबसे बड़ी उछाल है, लेकिन यह भी सच है कि शेयर बाजार अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर पेश नहीं करता है. देश में अर्थव्यवस्था सुस्त है, लेकिन पिछले कुछ समय से देश में शेयर बाजार नित नये रिकॉर्ड बना रहा है.

बजट जागरूक जनता व्यू

₹2,50,000
वार्षिक से ज्यादा अंशदान है तो पीएफ के ब्याज पर टैक्स

₹50,00,000
से अधिक का माल एक साल में लेने पर बड़े कारोबारियों के लिए 0.1% टीडीएस

सब्सिडी... रसोई गैस पर सब्सिडी का फंड 62% घटाया, लेकिन खाद्य सब्सिडी दोगुनी की

***सरकार** ने पहली बार केरोसिन पर सब्सिडी खत्म की है। साथ ही एलपीजी पर सब्सिडी 62.2 प्रतिशत घटाई है। लेकिन, खाद्य सब्सिडी 110 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। इसका सीधा असर सार्वजनिक वितरण प्रणाली से बंटने वाले मुफ्त या सस्ते राशन पर पड़ेगा। अभी 50 करोड़ से ज्यादा लोग इस प्रणाली से जुड़े हुए हैं।*

सरकार ने हर उस वस्तु का आयात महंगा किया जो देश में बन सकती है...

- सरकार ने लंबे समय बाद कस्टम व एक्साइज ड्यूटी में काफी बदलाव किए हैं। फौरी तौर पर देखा जाए तो इससे मोबाइल, मोबाइल चार्जर, फ्रिज-एसी व साइकिल जैसी चीजें महंगी होती नजर आ रही हैं। मगर बारीकी से देखा जाए तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने की ओर बढ़ाया कदम है।
- सरकार ने एथाइल एल्कोहल का आयात महंगा किया है। इससे बनने वाले एथेनॉल का इस्तेमाल क्लीन फ्यूल बनाने में करने की कवायद जारी है। पेट्रोल में 22% तक एथेनॉल मिलाया जा सकता है, अभी देश में 10% ही मिलाया जा रहा है। देश में गन्ना, मक्का और धान जैसी फसलों के अवशेष उत्पाद से एथेनॉल बनाया जा सकता है। ऐसे में इसका आयात महंगा करना घरेलू प्रोडक्शन को बढ़ाएगा।
- सरकार ने क्रूड पाम ऑयल, क्रूड सोयाबीन और सनफ्लावर ऑयल का आयात महंगा किया है। इससे घरेलू खाद्य तेल निर्माता कंपनियों को देश की ही उपज पर फोकस करना होगा।
- सरकार ने स्टील-आयरन स्क्रैप का आयात सस्ता किया है, जबकि स्क्रू, नट-बोल्ट का आयात महंगा कर दिया है। यानी कच्चे माल का आयात तो सस्ता होगा, मगर तैयार माल का आयात महंगा होगा। यह कदम चीन की बाजार नीति पर सर्जिकल स्ट्राइक जैसा है।

जागरूक न्यूज

40वीं राज्य स्तरीय पुरुष व महिला चेम्पियनशिप शुरू

पिलानी @ जागरूक जनता। तालाब पार्क स्थित रामलीला मैदान में 40 वि राज्य स्तरीय पुरुष व महिला चैंपियनशिप सम्पन हुई चैंपियनशिप में पहले दिन के राज्य स्तर के कई रिकॉर्ड बने और टूटे । महिला 55 किग्रा वेट केटेगरी में झुंझुनू की बेटी ऋतु बड़सरा जो अभी जयपुर से खेल रहीं थी ने नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। प्रतियोगिता 30 जनवरी रात 2 बजे तक चली और 31 को सुबह पुनः प्रारम्भ हो गयी। खबरें लिखे जाने तक प्रतियोगिता जारी थी। महिला वर्ग के सभी मुकाबले संपंन्न हो चुके। महिला वर्ग के पुरुस्कार वितरण समारोह के मुख अतिथि जिला खेल अधिकारी राजेश ओला व राजस्थान राज्य पॉवर लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष विनोद साहू ने विजेताओं को पुरुस्कार वितरित किये । अतिथियों का स्वागत जिला झुंझुनूं पॉवर लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष व सचिव डॉ नवीन ठोलिया और एडवोकेट हेमंत श्योराण ने अतिथियों का सम्मान किया और स्मृति चिह्न भेंट किये। माय बॉडी न्यूट्रीशन के बीकेंद्र बिजाराणियां की तरफ सभी विजेताओं को प्रोटीन पाउडर व जिम शेकर वितरित किये। मिला वर्ग में जयपुर से खेल रही झुंझुनूं बाकी बेटी ऋतु बड़सरा स्ट्रॉन्गेस्ट वीमेन ऑफ राजस्थान रहीं। सभी विजेता राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दिल्ली में आईटीओ में पुलिस मुख्यालय के सामने पत्रकारों का प्रदर्शन

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सिन्धु बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन को मनदीप पूनिया काफी दिनों से कवर कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें बेरहमी से घसीटे हुए गिरफ्तार किया और आरोप लगाया कि पुलिस कार्य मव बाधा डालने की वजह आए उन्हें गिरफ्तार किया गया। मनदीप फ्रीलान्स पत्रकार है। उन्होंने सिन्धु बॉर्डर पर किसानों पर हुए पथराव की तथ्यात्मक पत्रकारिता की और दिखाया कि जिन्हें आसपास के लोग बताए जा रहे है असल मे वे भाजपा के कार्यकर्ता है। उन्होंने बाकायदा उनका नाम तक बता दिया था, और पुलिस ने मूक समर्थन देकर पथराव करने वालो को हुड़दंग करने की छूट दी वह सब उन्होंने अपनी रिपोर्ट में दिखाया। यही कारण बताए जा रहें है कि पुलिस ने उन पर बदले की भावना से कार्यवाही की है। वही पत्रकारों का आज आईटीओ पुलिस मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन चल रहा है पत्रकार पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद, पत्रकारों पर हमले करना बंद करो, दिल्ली पुलिस सरकार की दलाली करना बंद करो के नारे लगा कर विरोध कर रहे है व मनदीप पुनिया की रिहाई की मांग कर रहे है।

बिरला सर्वाधिक अस्पताल में लगा कोरोना का टीका

पिलानी @ जागरूक जनता। पिलानी में कोरोना टीकाकरण का शुभारंभ डॉ आर के जैन, डिप्टी डायरेक्टर डॉ राजेन्द्र प्रसाद (govt हॉस्पिटल), डॉ. विकास, बीसीएमओ शैलेश व एस.एच.ओ.पिलानी थाना इंद्रप्रकाश, गोविंद सैनी बिरला सर्वाधिक अस्पताल प्रबंधक ने दीप प्रज्वलित कर शुरू किया। सबसे पहले बिरला अस्पताल के डॉ आर के जैन को टीका लगा कर टीकाकरण की शुरुआत की गई। उसले बाद अस्पताल के समस्त कर्मचारियों को टीका लगाया गया, इसी के साथ नर्सिंग स्टाफ व नर्सिंग छात्राओ को टीका लगाया गया, साथ ही पिलानी में निजी अस्पतालों के कर्मचारियों को भी बिरला अस्पताल में टीका लगाया गया। इस मौके पर नवीन सैनी, विनोद, नीतू प्रेमलता, मिथिलेश, आदि स्टाफ उपस्थित थे।

बांठिया का किया स्वागत

बालोतरा @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति कि घोषणा मे भाजपा व्यवसायिक प्रकोष्ठ प्रदेश सहयोजक गणपत बांठिया प्रदेश कार्यसमिति मे सदस्य नियुक्त होने पर बांठिया का स्वागत अभिन्दन किया गया। नगर के नगर परिषद सभापति के निजी कार्यालय मे स्वागत सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष महेश बी चौहान व नगर परिषद सभापति सुमित्रा देवी जैन ने शिरकत की।बांठिया ने उद्धबोधन मे कहा कि प्रदेश कार्यसमिति मे मुझे सदस्य के रूप में चुना उसके लिए मै धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ व मै प्रदेश कार्यसमिति मे निष्ठा पूर्वक खरा उतरूंगा।वही इस मौके पर नगर परिषद के पार्षद गण व नगर के गणमान्य मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम मे एक एक कर सभी गणमान्य नागरिकों ने बांठिया का माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया। इस दौरान उपसभापति प्रतिनिधि नैनाराम सुन्देशा, नगर अध्यक्ष अमराराम सुन्देशा जिला मंत्री भरत मोदी, वरिष्ठ पार्षद पुष्पराज चौपडा, पार्षद कान्तिलाल हुण्डिया, पार्षद रोहित जैन,पार्षद कान्तिलाल घांची,रमेश पुरी,सुनिल वैष्णव, सावलराम भाटी,सवाईराम,उदाराम,अरूण सांलेचा, बाबुलाल भंसाली,मुकेश सेठिया, राजु खण्डेलवाल, सुरेश जैन साबिर भाई आदि उपस्थित थे।

किन्नर समाज ने भी अर्पित की निधि

जोधपुर @ जागरूक जनता। अयोध्या में बन रहे श्री राम मंदिर के लिए निधि समर्पण अभियान को लेकर शहरवासियों में जबरदस्त उत्साह है। सभी जाति, बिरादरी व समाज के लोग इसमें निधि अर्पित कर रहे है। विश्व हिन्दू परिषद के महानगर मंत्री पंडित राजेश दवे की प्रेरणा से किन्नर समाज की गादीपति ने 5,55,555 रुपए की निधि अर्पित की। इस दौरान विहिप कार्यकर्ताओं ने सरोज मासी, कली भुआ, नुरी भुआ, शोभा मासी, तमन्ना, रोशनी, पायल, सुमन, बबली का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। इस मौके विहिप उपाध्यक्ष विजयसिंह परिहार, मदन सैन, प्रदीप सांखला, यशवंत परिहार, अंकित मालवीय, भुवनेश खनालीया,पंकज डूगत जितेंद्र शर्मा, योगेश, अमित पाराशर आदि मौजूद थे।

"मानवीय मूल्य शिक्षा" स्मारिका का विमोचन

बीकानेर @ जागरूक जनता। प्रदेश की तकनीकी शिक्षा के विधार्थियों एवं उच्च शिक्षा में मानवीय मूल्य को शामिल कर सम्पूर्ण प्रदेश में इस अभियान को सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के साथ विश्वविद्यालय ने पिछले 2 वर्षो में किए गए नवाचारो और कार्यश्र मों को "मानवीय मूल्य शिक्षा" की स्मारिका के रूप में संकलन किया है जिसका विमोचन ब्रहामाकुमारी के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय ब्रहामाकुमारी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। विश्वविद्यालय के सहायक जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया की ब्रहामाकुमारी विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रमुख डॉ मृत्युंजय, सुषमा दीदी और बीकानेर तकनीकी कुलपति प्रो.एच.डी चारण द्वारा इस समारिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.चारण ने कहा की मानवीय मूल्यों के बिना हम सभ्य समाज की कल्पना नहीं कर सकते।

6 जिलों में बनेंगे मसाला पार्क

जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर व अलवर जिले को किया चिन्हित, जिला कलेक्टरों को प्लान बनाने के दिए गए दिशा निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान में जोधपुर जिले के मथानियां, तिवरी मार्ग पर स्थित देश के पहले मसाला पार्क की सफलता के बाद अशोक गहलोत सरकार प्रदेश के छह जिलों में मसाला पार्क बनाने को जल्द ही हरी झण्डी दिखाने जा रही है। सरकार ने इसके लिए चिन्हित जिलों के कलेक्टरों को दिशा निर्देश दे दिए है। साथ ही जिला कलेक्टरों को मसाला पार्क के विकास प्लान को भी तैयार करने को कहा गया है।

राज्य की गहलोत सरकार ने अपने पूर्व शासन काल में मथानियां, तिंवरी मार्ग पर 2 अप्रैल 2012 को मसाला पार्क का लोकार्पण किया था। करीब 60.07 एकड जमीन पर तैयार किए गए मसाला पार्क पर 27 करोड़ की लागत आई थी। यह देश का पहला मसाला पार्क था। मसाला पार्क की सफलता को देखते हुए राज्य सरकार अब जिला स्तर पर मसाला पार्क की योजना तैयार कर रही है, जिसे जल्द ही हरी झण्डी मिलने वाली है।

सरकार ने मसाला पार्क के लिए जिन जिलों को चिन्हित किया है, उनमें जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर व अलवर जिला शामिल किया गया है। इन जिलों में प्रदेश की कला एवं संस्कृति को बढावा देने के साथ स्थानीय व्यंजनों को एक स्थान पर उपलब्ध कराने की मंशा के अनुरूप मसाला पार्कों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जिला कलेक्टरों को प्लान तैयार करने के निर्देशों दिए गए है। जिला कलेक्टरों को दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि पार्क के निर्माण के लिए प्लान तैयार रखे ताकि कार्य को गतिशील बनाया जा सके। साथ ही कहा गया है कि वे नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर जयपुर मसाला पार्क के विकास की प्रक्रिया का अध्ययन करवाकर टीम भावना के साथ नगर निगम व जेडीए जैसी संस्थाओं का सहयोग लेकर कार्य को मूर्तरूप दे। ताकि इन पार्कों में आमजन को एक ही छत के नीचे सुविधाएं उपलब्ध की जा सके। मसाला पार्क में प्रोसेसिंग, ग्राईडिंग, पैकिंग सब तरह की सुविधा उपलब्ध होगी। गौरतलब है कि नगर निगम दक्षिण की मेयर सुश्री वनिता सेठ ने भी शहर में मसाला पार्क का सपना देख रखा है। इसके लिए वे बीते दिनों जयपुर के मसाला पार्क का अवलोकर भी करके आ चुकी है। ऐसे में अगर गहलोत सरकार की ओर से हरी झण्डी मिलती है तो शहर की जनता का भी सपना साकार हो जाएगा। मेयर वनिता सेठ ने तो स्थान तक चिन्हित कर रखे है। अगर उन चिन्हित स्थानों पर पार्क का निर्माण होता है तो जनता को काफी राहत मिल सकती है।

मीना सीमला किसान महापंचायत मे उमड़ा किसानों का जनसैलाब

महापंचायत में किसानों की आंदोलन के पक्ष में हुंकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

मेहंदीपुर बालाजी। मीन भगवान पर महापंचायत में किसानों ने तीनों नए कृषि कानूनों को रद करने की आवाज बुंलद की। जिसमें आस पास के जिलों के हजारो किसान शामिल हुए। किसान महापंचायत मे प्रवक्ताओं ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए किसान बिलो को वापिस लेने की माँग की है। महापंचायत मे जय जवान जय किसान,किसान एकता जिंदाबाद, भारत माता की जय.....के नारों से महापंचायत स्थल गुंजायमान रहा।

राजस्थान विश्वविद्यालय पूर्व प्रदेश महासचिव नरेश मीना ने किसान महापंचायत को समर्थन देते हुए किसानो से दिल्ली कूच मे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। बनवारी लाल सांथा ने दौसा सासंद जसकौर मीना द्वारा खालिस्तानी, आतंकवादी बोलने पर कड़े शब्दों में निंदा की। वहीं महिलाओं ने भी किसान महापंचायत मे बढ चढ़कर भाग लिया। महिला प्रवक्ता राजेश्वरी मीना,विमला मीना ने भी किसान बिलों को वापिस लेने की माँग की है। किसान महापंचायत मे ठीकरिया सरपंच कमलेश मीना,मीना सीमला सरपंच शिवचरण योगी,पाडली सरपंच अर्चना मीना ने किसान महापंचायत पर होने वाले खर्चो का भार उठाया एवं स्थानीय सरपंचो ने दिल्ली कूच मे होने वाले खर्चों को वहन करने की जिम्मेदारी ली। किसान महापंचायत को किसान नेता हिम्मत सिंह पाडली,सुरेन्द्र गुर्जर, कैलाश प्रोफेसर सीकर, रमेश मीना रिटायर्ड आईएएस, हरसहाय मीना रिटायर्ड डीएसपी, हरकेश गढखेडा, कलमीराम मीना, मनीराम खेडी, मुकेश झूथाहेडा आदि ने किसान बिलों को महापंचायत में अपने विचार व्यक्त किए।

5 दिन का दिया अल्टीमेटम

किसान संयुक्त मोर्चा के रवन सीमला ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा कृषि बिल वापिस नही लिए तो 5 दिन बाद दिल्ली कूच करने की चेतावनी दी है।

चप्पे चप्पे पुलिस मुस्तैद.....

किसान महापंचायत मे बडी संख्या में किसानों के आने को लेकर कोई अप्रिय घटना नही होने को लेकर चप्पे चप्पे पर पुलिस मुस्तैद रही। किसान महापंचायत शांतिपूर्ण संपन्न होने पर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। सुरक्षा व्यवस्था मे महवा, सलेमपुर, मंडावर, मानपुर, मेहंदीपुर बालाजी, सिकंदरा सहित पुलिस लाईन से भारी तादाद मे पुलिस जाप्ता तैनात रहा। सुरक्षा व्यवस्था की मानिटरिंग कर रहे मानपुर सीओ संतराम मीना ने बार बार किसान महापंचायत स्थल पर अपडेट लेते रहे।

भूपेश ने किया विद्यालय के सात कमरों का लोकार्पण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

मेहंदीपुर बालाजी। ग्राम मीना शिमला में महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने राज सरकार द्वारा राजकीय सीनियर हायर सैकण्डरी विद्यालय मीना सीमला में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विद्यालय के सात कमरो का लोकार्पण किया।जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम मीणा भी मौजूद थे। ममता भूपेश ने वर्तमान में बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा परिजन अपनी बालिका को पढ़ाएं। वही ममता भूपेश मेहंदीपुर बालाजी पहुंची जहां उन्होंने त्रिलोक मिष्ठान भंडार की दुकान का उद्घाटन किया। ममता भूपेश का दुकान पर बालाजी के लोगो ने बालाजी महाराज की तस्वीर भेंट की व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया। वही मीना सीमला सरपंच शिवचरण योगी ने ज्ञापन दिया ज्ञापन में उन्होंने बताया कि लंगड़ा बालाजी से मीना सीमला तक 30 फीट चौड़ा रोड एवं मीना सीमला मे पीएससी एवं बैरवा कॉलोनी में अंबेडकर भवन की मांग की। वही उदयपुरा क्षेत्रवासियों ने भी महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश को ज्ञापन दिया ।

ज्ञापन में मेहंदीपुर बालाजी से उदयपुरा तक सिकराय जाने वाली रोड का निर्माण व ग्राम पंचायत द्वारा बनाई गई नालियो की सफाई एवं मरम्मत करवाना एवं उदयपुरा रोड को मेहंदीपुर बालाजी के मुख्य बाजार से जोड़ने के लिए बाईपास निकालने की मांग रखी।

इस मौके पर रामजीलाल ओड़ जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी दौसा, मंडल अध्यक्ष शिवराम मीना,उदयपुरा सरपंच प्रतिनिधि राकेश बेरवा, पूर्व सरपंच संपत राम मीना, सीताराम बौहरा, रवन मीना,मेघचंद मीना हरिसिंह मीना गज्जाराम मीना, रंग लाल सैनी आदि मौजूद रहे।

सुखाड़िया विवि में अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनेगा साइंस सेंटर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

उदयपुर। राजस्थान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का साइंस सेंटर बनाया जाएगा। चालीस करोड़ रुपए की लागत वाले इस सेंटर में अंतरिक्ष, सौरमंडल, खगोल एवं विज्ञान से जुड़ी तमाम जिज्ञासाओं और समाधानों का थ्रीडी प्रदर्शन किया जाएगा। लागत की 75 फीसदी राशि साइंस सेंटर के निर्माण जबकि पच्चीस फीसदी फंड इसके संचालन तथा रिजर्व में रखा जाएगा।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि एकेडमिक कौंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं विज्ञान एवं तकनीकी विभाग को विज्ञान केंद्र का साइंस सेंटर का प्रस्ताव भेजा गया है। निर्माणाधीन साइंस सेंटर अपने तरीके का देश का सबसे अनोखा साइंस सेंटर होगा। जो विश्वविद्यालय की साढ़े सात एकड़ जमीन पर विकसित किया जाएगा। इसकी स्थापना और विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार मिलकर आर्थिक सहयोग करेगी। इसमें अंतरिक्ष, सौरमंडल, खगोल एवं विज्ञान से जुड़ी तमाम जिज्ञासाओं और समाधानों का थ्रीडी प्रदर्शन होगा, जिसे एक प्लेनिटोरियम की तरह विकसित किया जाएगा।

लोक विरासत अध्ययन केंद्र होगा विकसित

सुखाड़िया विश्वविद्यालय यहां लोक विरासत अध्ययन केंद्र भी विकसित करने जा रहा है। जहां लोक कलाओं और लोक संस्कृति का संरक्षण किया जाएगा। महाराणा कुंभा के कला संस्कृति में योगदान पर शोध करने के लिए एक मेवाड़ पीठ की स्थापना की जाएगी, जिसमें महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन से सहयोग लिया जाएगा।

ANCHOR

साइकिल चलाते समय लगी मामूली सी चोट बनी कैंसर

चाहत का ईलाज परिवार के लिए नामुमकिन, मदद की दरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

मुम्बई। जिंदगी में कब किसी के साथ क्या हो जाए, कोई पता नहीं चलता। तभी तो 14 वर्षीय बालिका चाहत की जिंदगी में अंधेरा छा गया। कोटा जिले की सांगोद तहसील के किसनपुरा गांव की बच्ची चाहत को साइकिल चलाते समय पैर में मामूली सी चोट क्या लगी, उसकी जिंदगी की खुशियां ही गायब हो गई। चाहत को साइकिल चलाते समय बाएं पैर में चोट लगी जिसके बाद उसे हल्का सा दर्द हुआ। चाहत के परिजन उसे दर्द का उपचार दिलाते रहे। दर्द ठीक होने के बजाए ज्यादा हो गया और अब 14 वर्षीय बालिका चाहत आस्टयोजैनिक सकौमा नामक हड्डी बनाने वाली कोशिकाओं के कैंसर की बीमारी से पीड़ित है। चाहत का इलाज जनवरी 2020 से टाटा मैमोरियल अस्पताल मुंबई में चल रहा है। संक्रमण बढ़ने के बाद डॉक्टरों ने 11 अगस्त को ऑपरेशन कर उसका बायां पैर काट दिया। अब डॉक्टर उसकी जगह कृत्रिम पैर लगाएंगे। इसके लिए चाहत के पिता निलेश कुमार को मार्च 2021 तक मुंबई टाटा मैमोरियल अस्पताल में ही रुककर इलाज कराना पड़ेगा। कम्प्यूटर ऑपरेटर की नौकरी करने वाले चाहत के पिताजी इलाज में अब तक लाखों रुपए खर्च कर चुके हैं। अब डॉक्टरों ने बेटी के कृत्रिम पैर व 12 कीमाथैरेपी आदि उपचार के लिए 3 से 4 लाख रुपए की और जरूरत बताई है। इतनी बड़ी रकम उसके पिता के पास नहीं है इस दौरान उसके पिता की नौकरी भी छूट गई है।

चाहत के पिता निलेश मिश्रा ने बताया कि चाहत के पैर दर्द में लाभ नहीं होने पर उसे जनवरी में फोर्टिस हॉस्पिटल दिल्ली में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. साधना अग्रवाल के पास रैफर की गई थी। विभिन्न जांचों के बाद पाया गया कि चाहत दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है। जनवरी के दूसरे सप्ताह में डॉ. साधना ने उसे टाटा मैमोरियल अस्पताल मुंबई रैफर किया था। यहां वह अपने परिजनों के साथ गत वर्ष फरवरी से उपचार करवा रही है। उपचार में सहायता कर रहे डॉ. संजय अग्रवाल दम्पति ने फोन पर बातचीत में बताया कि अब तक बच्ची के उपचार में 8 लाख 24 हजार रुपए बच्ची के इलाज में खर्च कर चुके हैं। जिसमें अग्रवाल समाज के कई प्रतिष्ठित लोगों ने सहयोग किया है। इलाज में सहायता के इच्छुक भामाशाह चाहत के पिता निलेश मिश्रा से उनके मोबाइल 6390360211 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

शारदा की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। प्रबुद्ध नागरिक सेवा संस्थान के सानिध्य में संस्थान के पूर्व अध्यक्ष कैलाशप्रकाश शारदा काकाजी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रीराम गौशाला अंबामाता के पीछे परिवारजन व संस्था के सदस्यों की उपस्थिति में पुष्पांजली सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित राधेश्याम सुखवाल, प्रकाशचन्द्र चेलावत, केडी माथुर एवं यूएस शर्मा ने अपने विचार व श्रद्धासुमन अर्पित किए। संचालन अंबालाल पाराशर ने किया। इस अवसर पर गायों को गुड़ एवं हरी घास का भोग लगाया गया। इस दौरान परिवार की ओर से चंद्रप्रकाश शारदा, ललितप्रकाश शारदा, सुभाष शारदा, शैलेंद्र शारदा, संजय शारदा, पीयूष शारदा, अक्षय शारदा, शैलेश शारदा, संतोषदेवी शारदा, प्रीति शारदा, विदुषी शारदा, वेदांत शारदा, प्रदीप पोरवाल व प्रबुद्ध नागरिक सेवा संस्थान की ओर से संस्था अध्यक्ष प्रकाशचन्द्र चेलावत, सचिव केडी माथुर, कोषाध्यक्ष मिट्ठूलाल पगारिया, उपाध्यक्ष रमेशचंद तोतला, यूएस शर्मा, भेरूलाल कलाल, अंबालाल पारसर, सुरेश कुदाल, रमेश सुथार, दिलीप पामेचा, मनोज पटवारी, बद्रीप्रसाद लड्ढा, प्रेमसिंह झाला, वर्षा कृपलानी, किरण तलेसरा, सतीश कृपलानी, प्रकाश मंघनानी, दिनेश धाकड़ आदि सदस्यों ने उपस्थित रहकर गौ सेवा की।

गौशाला में गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाया

शिक्षको की घर वापसी करे सरकार-डिगांर

शिवगंज @ जागरूक जनता। राजस्थान समग्र शिक्षक संघ के अग्रवाल समाज भवन शिवगज के समक्ष आयोजित बैठक में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. उदयसिंह डिगांर ने कहा कि कई वर्षो से गृह जिले को छोडकर दूरस्थअन्य जिलों में कार्यरत शिक्षको की सरकार को उनको स्वयं के गृह जिलो में तबादला कर घर वापसी करनी चाहिये।उन्होने बताया कि कई शिक्षको को तो कई वर्षो से गृह जिले में स्थानान्तरण का इन्तजार हैं।सरकार से उनके जिला स्थानान्तरण कर राहत दिलवाने की मॉग की जायेगी। संगठन के ब्लाकॅ अध्यक्ष रतिराम गर्ग एवं जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामजीलाल मीना के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा नव निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर शेरसिहं मीना, कुसुम शर्मा, जितेन्द्र चौधरी, इन्दरसिहं देवड़ा, वन्दना चौहान, चेताराम, हरिराम गर्ग, मनोजकुमार, चुन्नीलाल,सुशीलां चौधरी,चन्दा सोनी, माँगीलाल, गुमानसिहं डायाराम, ईश्वरसिह, सुरेशकुमार, रामलाल मीना, बलवीरसिहं मूलचन्द चौधरी आदि ने भी स्वागत किया।

मंदिर निर्माण के लिए पं. ललित शर्मा ने 21 हजार की समर्पण राशि सौंपी

जोधपुर @ जागरूक जनता। श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के निधि संग्रहण अभियान में भरपूर जनसहयोग मिलने का क्रम निरन्तर रफ्तार पकड़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद की ओर से राम मंदिर निधि समर्पण अभियान में नित नई नई नजीरें देखने को मिल रही है। कोई अपने अब तक के जमा पूंजी से राशि निकाल कर सहयोग कर रहा है तो कोई गुल्लक में जमा जेब खर्च मंदिर निर्माण के लिए दे रहा है। ऐसे में शहर के एक ज्योतिष ने अवतरण दिवस पर श्रीराम के चरणों में चैक भेट कर एक अनूठी नजीर पेश की है। सरदारपुरा निवासी पं. ललित शर्मा पुत्र स्व. विद्यासागर शर्मा ने अपने जन्मदिन पर माता-पिता की इच्छा के अनुरूप भगवान राम के मंदिर निर्माण में 21 हजार रूपए का चैक निधि समर्पण टीम को सौंपा। इस अवसर पर नगर निगम दक्षिण वार्ड 54 के पार्षद रामस्वरूप प्रजापत, भाजपा शहर के पूर्व महामंत्री मुकेश लोढ़ा, विवेक सिंघवी आदि उपस्थित थे। उन्होनें राम मंदिर निर्माण के लिए चलाए जा रहे निधि संग्रहण अभियान में सहयोग के लिए घर-धर जाकर लोगों से सहयोग की अपील की।

पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह का ऑनलाइन गणतंत्र दिवस साहित्यिक महोत्सव सम्पन्न

लुधियाना @ जागरूक जनता। "पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह" द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय स्तर पर ऑनलाइन "गणतंत्र दिवस साहित्यिक महोत्सव" का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में देशभर के रचनाकारों ने भाग लिया तथा एक से बढ़कर एक गणतंत्र की महानता और विशेषता पर आधारित अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीय गणतंत्र के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। इस महोत्सव में समूह द्वारा विशेष सहयोग हेतु ऋचा सिन्हा जी (नवी मुंबई, महाराष्ट्र) का चयन किया गया था। जिन्होंने अपने विशिष्ट सहयोग से ऑनलाइन 'गणतंत्र दिवस साहित्यिक महोत्सव' को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समूह द्वारा गणतंत्र दिवस साहित्यिक महोत्सव में शामिल होने वाली विशिष्ट सहयोगी ऋचा सिन्हा जी सहित सभी रचनाकार शख्सियतों को "पुनीत साहित्य ज्योति" सम्मान से सम्मानित करके साहित्य सेवा करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष जी ने साहित्यिक महोत्सव के सभी प्रतिभागी रचनाकारों को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि "पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह" इसी तरह आगे भी ऑनलाइन साहित्यिक कार्यश्र मों के माध्यम से आम लोगों में साहित्यिक रूचि उत्पन्न करता रहेगा तथा नए लेखकों को मंच प्रदान करके उनके अंदर के साहित्यिक बीज को अंकुरित होने का भरपूर अवसर प्रदान करेगा।

गिरिराज तलहटी में विद्यार्थियों को नि:शुल्क मिलेगी वेद व भारतीय दर्शन की शिक्षा

गोवर्धन (मथुरा) @ जागरूक जनता। गिरिराज तलहटी में वेद विद्या संस्थान की स्थापना के लिए भूमि पूजन समारोह पूर्वक हुआ। निर्मोही अखाड़े के महंत मदन मोहन दास महाराज ने भूमि पूजन के अवसर पर वेदों को "अपौरुषेय (जिसे कोई व्यक्ति न कर सकता हो, यानी ईश्वर कृत) शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की परिकल्पना से संकल्पित श्रीवेद विद्या संस्थान का भूमि पूजन मदन मोहन दास महाराज (धीर-समीर, वृंदावन एवं निर्मोही अखाड़ा, गोवर्धन), गौरी शंकर शर्मा (श्रीराम देव मन्दिर, शमशाबाद), महामंडलेश्वर राममनोहरदास महाराज (नौलखी खालसा-गंज बासौदा), परम गोभक्त एवं अंतरराष्ट्रीय कथावाचक संजीव कृष्ण ठाकुरजी, बुन्देलखंड पीठाधीश्वर महंत सीतारामदास जी महाराज एवं देशभर से पधारे साधु संतों की पावन उपस्थिति में किया गया। संस्थान के संस्थापक पंडित अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने कहा कि पश्चिमी सभ्यता के प्रवाह में हम अपनी सनातन संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। ऐसे में, वेद-दर्शन-पुराण आदि की बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लेते हुए वेद विद्या संस्थान की नींव रखी गई है। इस महोत्सव के दौरान मद्भागवत का वाचन पंडित अभिषेक कृष्ण शास्त्री के द्वारा किया गया साथ ही रासलीला का मंचन और भजन संध्या आदि कार्यक्रमों का समायोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम संचालक पंडित हर्षवर्धन कौशिक द्वारा किया गया।

जागरूक न्यूज

2017 में बंद बहरोड़ मिडवे 15 फरवरी से होगा शुरू

आरटीडीसी ने जारी किए आदेश

कार्यकारी निदेशक ज्योति चौहान ने जारी किए आदेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। जयपुर दिल्ली हाईवे पर बहरोड़ स्थित राजस्थान पर्यटन निगम के बहरोड़ मिडवे को 15 फरवरी से फिर से शुरू किया जा रहा है। इस संबध में राजस्थान पर्यटन निगम की कार्यकारी निदेशक ज्योति चौहान ने आदेश जारी किए। मिडवे पर राजस्थान रोडवेज की वोल्वो व अन्य बसों का ठहराव होगा। मिडवे पर चार्जिंग पॉइंट भी लगाए जाएंगे। भाजपा सरकार के कार्यकाल में घाटे का सौदा बताते हुए 2017 में बंद किए गए बहरोड़ मिडवे को अब फिर से शुरू किया जा रहा है। यहां राजस्थान रोडवेज की बसों का ठहराव होगा। इस संबध में पिछले दिनों रोडवेज प्रशासन ने आरटीडीसी प्रशासन को पत्र लिखा था। मिडवे पर सुविधाएं बहाल करने को लेकर आरटीडीसी और रोडवेज अधिकारियों की एक टीम ने बहरोड़ मिडवे का निरीक्षण किया था। एक दिन पहले गुरुवार को निगम की निदेशक ज्योति चौहान ने बहरोड मिडवे का निरीक्षण किया और रिपोर्ट तैयार की। इसे लेकर शुक्रवार को बैठक भी हुई। अधिकारियों की मानें तो मिडवे बहरोड पर रुकने वाले पर्यटकों को पहले की तरह उचित दरों पर सुविधाएं मिलना शुरू हो जाएगी।

आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर बसों के टिकट भी बुक हो सकेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। लोगों को अगर दूसरे राज्यों में बस में सफर करना है तो उन्हें अब इधर-उधर नहीं भटकना पडेगा। ऐसे यात्री अब आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर भी बसों के टिकट की बुकिंग करा सकते हैं। शुरूआत में आईआरसीटीसी ने देश के पांच राज्यों की पथ परिवहन निगम के साथ एमओयू किया है। करीब पांच से अधिक राज्यों से एमओयू के लिए बातचीत चल रही है। ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा शुरू हो गई है। इसके लिए लोगों को आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctc.co.in या फिर www.bus.irctc.co.in पर जाना होगा।

आंध्र प्रदेश, गुजरात समेत 5 राज्यों के साथ एमओयू

टिकट बुक कराने वाले यात्री को इन वेबसाइट पर जाना होगा। वेबसाइट के होम पेज पर बस बुकिंग का लिंक दे रखा है। इस पर यात्री को क्लिक करना होगा। क्लिक करने के बाद यात्री को राज्यों की सूची मिलेगी। चयन के बाद स्थान, समय और सीट चुनना होगा। बुकिंग के साथ ही बस स्टॉप के बारे में भी सूचित किया जाएगा।

अन्य राज्यों के लिए जल्द शुरू होगी सुविधा

आईआरसीटीसी के वेबसाइट पर भी अब बसों की बुकिंग हो सकेगी। इसके लिए कुछ राज्यों के साथ एमओयू किया गया है। वहीं अन्य से बातचीत चल रही है। उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गुजरात, ओडिसा, केरला पथ परिवहन निगम के साथ एमओयू किया है। जल्द ही राज्यों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी। उन्हें परेशान नहीं होना पडेगा।

-सुनील तनेजा, क्षेत्रीय प्रबंधक, आईआरसीटीसी

दौरा: जम्मू-कश्मीर से 40 सरपंचों का दल अजमेर पहुंचा

प्रदेश की पंचायतों की तर्ज पर जम्मू-कश्मीर में होगा कामकाज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

अजमेर। जम्मू कश्मीर में पहली बार हुए पंचायत चुनावों में जीते 40 सरपंचों का एक दल अजमेर पहुंचा। यह दल राजस्थान में पंचायतराज के काम काज का अवलोकन करने यहां आया है। यह दल राजस्थान में संचालित योजनाओं की जानकारी और इन योजनाओं के तहत पंचायत स्तर पर होने वाले कामों को समझ कर वहां भी लागू करने की कोशिश करेगा। दल ने दरगाह जियारत भी की। दरगाह जियारत के बाद ब्रह्मा मंदिर के भी दर्शन किए। इस दल का स्वागत जिला परिषद के एक्सईएन कबीर अख्तर ने किया। उनकी अगुवाई में दल दरगाह जियारत के लिए पहुंचा। इस दल के साथ पंचायत समिति के विकास अधिकारी भी शामिल है। इनके अलावा जम्मू कश्मीर सरकार के अधिकारी एजाज अहमद, डॉक्टर मुर्तजा और नोडल अधिकारी प्रवीण कुमार भी दल के साथ अजमेर आए हैं।

जियारत और दर्शन के बाद पंचायतों का दौरा

दल ने दरगाह जियारत के दौरान अमन और शांति की दुआ की। उधमपुर की तहसील लाटी के सरंपच कस्तूरीलाल गुप्ता का कहना है कि हम खुशनसीब है कि हम सभी यहां आए। हमारे दल में सभी महजब के लोग शामिल हैं। यह पहली बैच एक गुलदस्ते की तरह है जिसमें हिंदू-मुस्लिम सिख शामिल हैं। गुप्ता ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुऋ गुजार है कि 70 साल बाद जम्मू कश्मीर में पंचायती राज मजबूत हुआ है। उन्होंने थ्रीटायड सिस्टम को लागू किया किया। दरगाह में हमने यही दुआ की है कि हमारे हिंदुस्तान के हालात बेहतर हो, हमारी रियासत जम्मू कश्मीर के हालात भी बेहतर हो। यहां की पंचायतों से जो सीख कर जाएंगे उन्हें वहां लागू करेंगे। इसी तरह कश्मीर के गांव के सरपंच और पंच सरपंच कोऑर्डिनेशन कमेटी के जनरल सेऋ टरी ननायजी वातल का कहना था कि जम्मू कश्मीर पंचायत राज विभाग की सचिव शीतल नंदा ने वहां के हर जिले से दो-दो सरंपचों को यहां भेजा है। हम दरगाह में हाजिरी देने आए हैं। हमारी दुआ है कि जम्मू कश्मीर में अमन कायम हो। वहां का काम तरक्की पर आ जाए। हमारे जितने सरपंच हैं वह यहां से एक्सपोजर लेकर जाए। हमारे अनुभव यहां शेयर करेंगे। ऐसे इंटरएक्टिव कार्यऋ म होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है इसलिए युवाओं को प्रमोट करना चाहिए। ऐसे कार्यऋ मों से हम एक दूसरे से कुछ नया ही सीख सकेंगे जिससे विकास के रास्ते खुलेंगे। जम्मू कश्मीर से आए सरपंचों के दल का अजमेर जिला सरपंच संघ की ओर से अजमेर ग्रामीण सरपंच संघ अध्यक्ष फखरुद्दीन और मालियों की बाड़ी के मिश्रीनाथ योगी और नज्जू भाई ने किया इस्तकबादल किया। दरगाह जियारत के बाद यह दल पुष्कर के लिए रवाना हुआ है। यहां से विभिन्न पंचायतों में जाकर वहां दौरा करेंगे।

आसाराम: उम्रकैद की सजा स्थगन याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई स्थगित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

अब 9 फरवरी को राजस्थान हाईकोर्ट में आसाराम की याचिका पर होगी सुनवाई

जोधपुर। नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले में जोधपुर जेल में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम की उम्मीदों को राजस्थान हाईकोर्ट में झटका लगा। लोअर कोर्ट से अप्रैल 2018 में सुनाई गई सजा को स्थगन के लिए आसाराम की याचिका पर आज सुनवाई स्थगित हो गई। अब अगली सुनवाई 9 फरवरी को होगी। सजा स्थगित होने पर ही आसाराम जमानत पर जेल से बाहर आ सकता है। ऐसे में उसकी पूरी उम्मीद इस याचिका से जुड़ी है।

आसाराम के गुरुकुल में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा ने आरोप लगाया कि 15 अगस्त 2013 को आसाराम ने जोधपुर के निकट मणाई गांव में स्थित एक फार्म हाउस में उसका यौन उत्पीड़न किया। 20 अगस्त 2013 को उसने दिल्ली के कमला नगर पुलिस थाने में आसाराम के खिलाफ मामला दर्ज कराया। जोधपुर का मामला होने के कारण दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने के लिए उसे जोधपुर भेजा। जोधपुर पुलिस ने आसाराम के खिलाफ नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया। पुलिस 31 अगस्त 2013 को इन्दौर से आसाराम को गिरफ्तार कर जोधपुर ले आई। उसके बाद से आसाराम लगातार जोधपुर जेल में ही बंद है।

गाइडलाइन: सामाजिक एवं अन्य समारोहों में 200 लोगों की छूट

कक्षा 6 से 8 तक के बच्चे 8 फरवरी से जाएंगे स्कूल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। राज्य में अब कक्षा 6 से 8 तक के बच्चे भी 50 प्रतिशत उपस्थित के साथ 8 फरवरी से स्कूल जा सकेंगे। सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक आयोजनों में अब 100 के बजाय 200 लोग शामिल हो सकेंगे। कॉलेजों को स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष सहित स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों तथा सिनेमा हॉल, थिएटर, मल्टीप्लेक्स कुल क्षमता की 50 प्रतिशत सीटों के साथ खोलने की अनुमति होगी। स्वीमिंग पूल आदि हैल्थ प्रोटोकॉल की पूर्ण पालना का शर्तें के साथ खोले जा सकेंगे।

कोरोना संक्रमण की स्थिति एवं वैक्सीनेशन की समीक्षा के लिए रविवार के सीएम निवास पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय किए गए हैं। बैठक में पटाखों की दुकानों तथा विभिन्न धार्मिक मेलों के आयोजन के विषय में पूर्व में लगाए गए प्रतिबंधों में शीतलता देने के लिए नए दिशा निर्देश तैयार करने का निर्णय भी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण लगातार कम होने और स्थिति नियंत्रण में होने के मद्देनजर यह निर्णय किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र सरकार द्वारा कुंभ मेले के लिए जारी दिशा निर्देश (एसओपी) के अनुरूप ही राज्य के धार्मिक मेलों के लिए नई एसओपी जारी करने के निर्देश दिए हैं। आयोजनों की सूचना उपखंड मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर को देनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कोविड टीकाकरण और तेजी से करें जयपुर और जोधपुर सहित कई जिलों में इसकी गति धीमी है।

टाटा ट्रस्ट की जस्टिस रिपोर्ट 2020

न्याय देने में राजस्थान 10वें नंबर पर, महाराष्ट्र सबसे आगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। देश में लोगों को न्याय देने के मामले में राजस्थान दसवें नंबर पर है। महाराष्ट्र सभी राज्यों में पहले नंबर पर है। टाटा ट्रस्ट की ओर से तैयार की गई जस्टिस रिपोर्ट 2020 के अनुसार राजस्थान एक साल में 4 पायदान ऊपर चढ़ा है। गत वर्ष 14 वें नंबर से वह इस वर्ष दसवें नंबर पर आ गया है। राजस्थान का स्कोर 4.93 है। महाराष्ट्र के बाद इस मामले में तमिलनाडु, तेलंगाना, पंजाब और केरल का नंबर आता है। एक करोड़ से कम आबादी वाले राज्यों में त्रिपुरा, सिक्किम और गोवा अपने नागरिकों को सबसे ज्यादा न्याय दे रहे हैं। देश में पुलिस, जेल और न्याय व्यवस्था के लिहाज से राजस्थान पांचवे नंबर पर है। जबकि इसी कैटेगिरी में गत वर्ष राजस्थान को दसवें नंबर पर रखा गया था। महिला प्रतिनिधित्व के मामले में राजस्थान की स्थिति ठीक नहीं है। राजस्थान में महिला प्रतिनिधित्व दस प्रतिशत से कम है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में महिला जजों की संख्या महज 29 फीसदी है। हालांकि हाईकोर्ट में महिला जजों का औसत 11 से बढ़कर 13 फीसदी और सहायक अदालतों में 28 से बढ़कर 30 फीसदी हुआ है। नेशनल ज्युडिशियल डाटा ग्रिड के हिसाब से 3.84 करोड़ से ज्यादा मुकदमे जिला अदालतों में लंबित हैं। इसमें सभी हाईकोर्ट में लंबित 47.4 लाख मुकदमे भी जोड़ दें तो यह संख्या 4 करोड़ के पार पहुंच जाती है।

पीसीसी में जल्द होंगी 10 नई नियुक्तियां

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश निकाय चुनावों के बाद पीसीसी में 8 से 10 नई नियुक्तियों की तैयारी की जा रही है। इनमें कांग्रेस मीडिया चेयरपर्सन, अभाव अभियोग प्रकोष्ठ और प्रवक्ताओं के पद शामिल होंगे। प्रदेश स्तर पर नियुक्ति के बाद संभाग स्तर पर भी प्रवक्ताओं की नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के लिए 4 से 5 नाम और करीब 5 नाम प्रवक्ताओं के लिए तय किए जाने हैं। कांग्रेस में पिछले साल दिसंबर में प्रदेश स्तर पर नियुक्तियां शुरू की गई थीं। इन नियुक्तियों के साथ राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन ने 31 जनवरी तक नियुक्तियों का कहा था। माकन के इस माह राजस्थान दौरे के बाद नियुक्तियों की राह खुलेगी।

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE | STAR Health Insurance - The Health Insurance Specialist | TATA AIG INSURANCE - WITH YOU ALWAYS

क्या महंगा है? 1. हॉस्पिटल का बड़ा बिल या 2. आपका हैल्थ इंश्योरेंस प्लान!

फैसला आपका है, अपनी फैमिली के लिए आप क्या चुनेंगे?

चुनिए वही जो आपके लिए हो सही।

मात्र 12 रुपए रोज में एक व्यक्ति और मात्र 35 से 40 रुपए रोज में अपने परिवार को सुरक्षित कीजिये।

• पेंशन प्लान
• एजुकेशन प्लान

इंश्योरेंस एडवाइजर बनकर कमायें 10 से 15 हजार प्रतिमाह

8561088777

सीपी अग्रवाल

जी-30 द्वितीय तल, द्वारिका टावर, सेन्ट्रल स्पाइन, विद्याधर नगर, जयपुर

रेगिस्तान में खिले यूरोप की कैमोमाइल चाय के फूल

50 हज़ार प्रति किलो बिकता है इसका ब्लू ऑयल

काजरी ने 2 साल शोध के बाद थार में कैमोमाइल चाय की खेती की तकनीक विकसित की, अगले साल किसानों को मिलेगा बीज

अभी जर्मनी और फ्रांस से आयात होती है कैमोमाइल

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
jagrukjanta.net/.com

जोधपुर। केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) ने यूरोपियन देशों में होने वाली कैमोमाइल चाय थार के रेगिस्तान में सफलतापूर्वक उगाकर इसकी खेती की तकनीक विकसित कर ली है। अगले साल काजरी प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी के साथ कैमोमाइल चाय के बीज किसानों को वितरित कर सकेगी। नींद की बीमारी में असरकारक कैमोमाइल चाय वर्तमान में देश में केवल लखनऊ और नीमच में होती है जिसे दो दवा निर्माता कम्पनियां रैनबैक्सी और जर्मन फार्मास्यूटिकल तैयार करवाती है। देश में वर्तमान में जर्मनी और फ्रांस से कैमोमाइल चाय का आयात होता है। लोगों में जागरूकता की कमी के कारण अभी तक भारत में इसकी बड़े स्तर पर खेती नहीं हुई है। काजरी ने 2 साल तक कैमोमाइल चाय उगाकर इसकी कृषि तकनीक विकसित की है। यूरोप में गर्मियों में होने वाली कैमोमाइल चाय थार में सर्दियों में पैदा होगी। इसमें पानी गेहूं से कम और सरसों से अधिक चाहिए। करीब 100 मीटर दूर से ही कैमोमाइल के खेत में खुशबू आनी शुरू हो जाती है। इसके सफेद-पीले रंग के ताज़ा फूलों से ब्लू ऑयल निकलता है, जिसकी बाजार कीमत 50 हजार रुपए प्रति किलोग्राम है। फूलों से तेल की मात्रा बेहद कम 0.3 से 0.4 फ़ीसदी होने के कारण यह काफी महंगा होता है। फूलों को सूखाकर चाय के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। कैमोमाइल का उपयोग एरोमा थैरेपी, पारंपरिक चिकित्सा और हड्डी रोग में फूलों का मलहम तैयार करके लगाया जाता है।

नींद की बीमारी दूर करती हैकैमोमाइल चाय

नींद की बीमारी इनसोम्निया और एंजायटी को दूर करती है। एक शोध के अनुसार 270 मिलीग्राम कैमोमाइल चाय दिन में दो बार 28 दिनों तक पीने पर 15 मिनट तेजी से नींद आनी शुरू हो जाती है। सामान्य चाय जहां उत्तेजना पैदा करती है वहीं कैमोमाइल दिमाग को शांत करती है। इसमें एपीजेनिन एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इसके अलावा विटामिन सी, जिंक सहित अन्य पोषक तत्व भी होते हैं।

पाचन तंत्र रहता है दुरुस्त

काजरी के वैज्ञानिक डॉ एसपीएस तंवर ने बताया कि नींद की समस्या को दूर करने के साथ कैमोमाइल पाचन तंत्र को दुरुस्त करती है। इसके लगातार सेवन से गैस, कब्ज और कम पाचन क्षमता जैसी परेशानी दूर हो जाती है।

'**कैमोमाइल** उत्पादन की टेक्नोलॉजी हस्तांतरण से नए उद्योग विकसित होंगे। अगले साल किसानों को भी बीज उपलब्ध कराया जाएगा।'

-डॉ ओपी यादव, निदेशक, काजरी

स्टेट ओपन 10वीं का परिणाम घोषित: 48.30% छात्र पास

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान स्टेट ओपन की 10वीं की परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है। शिक्षामंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने शिक्षा संकुल में परिणाम जारी किया। इस परीक्षा में शामिल हुए सभी विद्यार्थियों में से 48.30% पास हुए। महिला-पुरुषों के आंकड़ों की तुलना में इस बार महिलाओं ने बाजी मारी है। वहीं मेरिट लिस्ट में भी पहले नंबर पर बांसवाड़ा की अर्चना पाटीदार रहीं हैं, जिसने 85.40% अंक हासिल कर पूरे राज्य में अव्वल रही है।

since 2005

विनायक ज्वैलर्स

22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न

BIS 100% Hall Marked Jewellery

Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery

G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur

0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

ANCHOR **उद्योग को मिलेगा बढ़ावा**

प्रदेश में रीको अब युवा उद्योगपतियों के लिए खोलेगा इंडस्ट्रियल एरिया, फैक्ट्रियों के लिए दी जाएगी जमीन

जयपुर के मंडा में युवाओं के लिए द्वितीय फेज बना कर शुरुआत की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। प्रदेश में रीको अब युवा उद्योगपतियों को बढ़ावा देने के लिए इण्डस्ट्रियल एरिया खोल रहा है। जयपुर के मंडा इण्डस्ट्रियल एरिया में युवाओं के लिए द्वितीय फेज बना कर शुरुआत की है। यहां पर युवा उद्यमियों को फैक्ट्री के लिए 211 भूखंड़ों का ई-ऑक्शन से आवंटन दिया जा रहा है। इसके लिए अलावा युवा उद्योगपतियों के लिए अलावा 9 इण्डस्ट्रियल एरिया में 133 फैक्ट्रियां का ई-ऑक्शन होगा। उद्योग विभाग व रीको अब युवा उद्यमिता प्रोत्साहान योजना में इन युवा उद्यमियों को कम ब्याज व सरल शर्तो पर लोन दिलाने का साथ ही सरकारी प्रक्रिया में सहयोग करेगा। रीको के रीजनल मैनेजर मनोज सोगानी का कहना है कि युवा उद्यमितयों को फैक्ट्री के लिए लोन आरएफसी से लोन दिलवाया जाएगा। लोन में 6 फीसदी की सब्सिडी मिलेगी। इससे युवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। यह क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट स्कीम है। इसके तहत युवा उद्यमियों को कुछ गिरवी नहीं रखना पड़ेगा।

युवा उद्योगपतियों के लिए होगा बेहतर माहौल

इंटरनेशनल लेवल पर युवा कारोबारियों के इनोटिव और आइडिया पर कई बड़ी कंपनियां बनी हैं तथा अरबों रुपए का कारोबार हो रहा है। राज्य सरकार की पहल है कि युवा सरकारी व प्राइवेट नौकरी के पीछे भागने के बजाए खुद का कारोबार व फैक्ट्री शुरू करे, ताकि बेहतर स्किल वाले स्थानीय लोगों को नौकरी मिल सके तथा उनको दूसरे प्रदेशों में पलायन नहीं करना पड़े। रीको ने फिलहाल जयपुर के मंडा के साथ ही राजसमंद, बालोतरा, भीलवाड़ा, अलवर (एग्रो फूड पार्क), आबू रोड (ग्रोथ सेंटर), भरतपुर (ग्रोथ सेंटर), अजमेर (श्रीनगर व रुपनगढ़) व सिंघाना (झुंझुनू) में युवाओं के लिए फैक्ट्रियों की जमीन आरक्षित की है। यहां पर भूखंड की जमीन केवल युवा उद्यमियों को ही मिलेगी।

यह है युवा मापदंड

रीको ने 45 साल तक के उद्योगपतियों को युवा की श्रेणी में रखते हुए हर इण्डस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री की जमीन आरक्षित है। यह जमीन इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के आसपास विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों में दी जाएगी। फैक्ट्री की जमीन के लिए आवेदन करने के बाद कम उम्र व टेक्निकल या प्रोफेशनल डिग्री वाले युवा उद्यमियों को वरियता दी जाएगी।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-2338070, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 63, राजीव नगर, मदनबाड़ी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित
विश्वसनीय साप्ताहिक अखबार
जागरूक जनता
Digital Edition
एक सकारात्मक सोच
जयपुर, बुधवार 3 फरवरी - 9 फरवरी, 2021
jagrukjanta.in
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

बजट 2021-22

पीएम आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना का एलान, 64180 करोड़ होंगे खर्च

सबकी सेहत का ख्याल ढाई गुना बढ़ा हेल्थ बजट

महामारी से सबक

2,23,846 करोड़ रुपये का है स्वास्थ्य बजट, जो पिछले वर्ष 94,452 करोड़ रुपये का था

टीकाकरण

35,000 करोड़ रुपये 2021-22 में कोरोना वैक्सीन पर खर्च किये जायेंगे. जरूरत पड़ी, तो इसे और बढ़ाया जायेगा

602 जिलों और 12 केंद्रीय संस्थानों में क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल शुरू होंगे

एजेंसियां ▷ नयी दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी से सबक लेते हुए केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में आम आदमी की सेहत का खास ख्याल रखा है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को बजट पेश करते हुए 'पीएम आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना' का एलान किया. यह योजना छह साल के लिए होगी और इस पर 64,180 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. इसके तहत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा से लेकर उच्च स्तर तक की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जायेगा. नयी और आनेवाली बीमारियों की पहचान और उनका इलाज करने के लिए नयी संस्थाएं बनायी जायेंगी. यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अतिरिक्त होगी. इसके अलावा, वित्त मंत्री ने 2021-22 के स्वास्थ्य बजट में 137 फीसदी की बढ़ोतरी की है. इसे 94,452 करोड़ रुपये से बढ़ा कर 2,23,846 करोड़ रुपये किया गया है, जो मौजूदा स्वास्थ्य बजट से करीब ढाई गुना ज्यादा है.

70 हजार ग्रामीण हेल्थ सेंटर खोले जायेंगे : वित्त मंत्री ने बजट में 70 हजार ग्रामीण हेल्थ सेंटर खोलने का एलान किया है. 17,788 ग्रामीण और 11,024 शहरी स्वास्थ्य और वेलनेस सेंटर भी खोले जायेंगे. इनके अलावा, 11 राज्यों के सभी जिलों में जांच केंद्र और 3382 ब्लॉक में स्वास्थ्य सेंटर बनाये जायेंगे. 602 जिलों और 12 केंद्रीय संस्थानों में क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल खुलेंगे. नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल, इंटिग्रेटेड हेल्थ इंफो पोर्टल को और मजबूत किया जायेगा. साथ ही 17 नये पब्लिक हेल्थ यूनिट को भी चालू किया जायेगा. वहीं, 33 मौजूदा पब्लिक हेल्थ यूनिट को मजबूत किया जायेगा.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड हेल्थ बनेगा : वित्त मंत्री ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड हेल्थ बनाने की भी घोषणा की है. इसके तहत नौ बायो सेफ्टी लेवल-3 लैब बनाये जायेंगे. चार इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भी खुलेंगे.

कोरोना से निबटने के लिए अब तक 34.50 लाख करोड़ खर्च : वित्त मंत्री ने कहा कि कोरोना से संबंधित राहत कदमों के कारण 2020-21 में अब तक 34.50 लाख करोड़ खर्च किये जा चुके हैं, जबकि पिछले साल बजट में 30.42 लाख करोड़ के खर्च का प्रावधान किया गया था.

शहरी स्वच्छता मिशन

1,48,000 करोड़ रुपये पांच साल में किये जायेंगे खर्च

निमोकोकल वैक्सीनेशन देशभर में होगा शुरू

वित्त मंत्री ने देशभर में न्यूमोकोकल वैक्सीन उपलब्ध कराये जाने की घोषणा की है. इससे हर साल 50,000 से अधिक बच्चों की जान बचायी जा सकेगी. न्यूमोकोकल वैक्सीन निमोनिया, सेप्टीसीमिया और मेनिन्जाइटिस जैसी घातक बीमारियों के खिलाफ प्रभावी है. स्वदेशी न्यूमोकोकल वैक्सीन अभी केवल पांच राज्यों तक सीमित है.

न्यूट्रिशन पर फोकस

2,700 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गयी

अब मिशन पोषण 2.0 किया जायेगा लॉन्च

संपूरक पोषण कार्यक्रम और पोषण अभियान का विलय किया जायेगा. इनके स्थान पर मिशन पोषण 2.0 शुरू किया जायेगा. 112 जिलों में न्यूट्रिशन कार्यक्रम को मजबूत किया जायेगा.

जल जीवन

50,000 करोड़ से 2.86 करोड़ घरों को मिलेंगे नल कनेक्शन

4378 शहरी निकायों में नल कनेक्शन

जल जीवन मिशन (अर्बन) के लिए 50,000 करोड़ आवंटित हुए हैं. इस मिशन के तहत 4,378 शहरी स्थानीय निकायों के 2.86 करोड़ घरों में नल कनेक्शन दिये जायेंगे.

पेट्रोलियम व गैस

1,00,00,000 और लाभार्थियों को मिलेगा उज्ज्वला योजना का लाभ

08 करोड़ परिवारों को अब तक मिल चुका है उज्ज्वला योजना का लाभ

03 वर्षों में शहरी गैस वितरण नेटवर्क में 100 अतिरिक्त शहरों को जोड़ा जायेगा

जम्मू-कश्मीर में एक गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट शुरू किया जायेगा

जनगणना के लिए 3,726 करोड़ आवंटित

जनगणना पर 3,726 करोड़ खर्च होंगे. पहली बार देश में डिजिटल जनगणना होगी. कोरोना के कारण 2021 में जनगणना स्थगित है.

'एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड' के तहत अभी 32 राज्यों के 69 करोड़ लोग लाभान्वित हैं. आनेवाले समय में पूरे देश में इसे लागू किया जायेगा.

प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों में सामान्य वाहक क्षमता की बुकिंग और समन्वय के लिए एक स्वतंत्र गैस वाहक प्रणाली की स्थापना की जायेगी.

इवीएम की खरीद के लिए धन आवंटित

इवीएम से जुड़ी बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रायल यूनिट खरीदने तथा पुरानी वोटिंग मशीनों को नष्ट करने पर निर्वाचन आयोग को धन देने के लिए विधि मंत्रालय को 1,005 करोड़ मिले हैं. मतदाता पहचान पत्रों के लिए 7.20 करोड़ रुपये दिये गये हैं. वहीं, चुनाव आयोग को 249.16 करोड़ मिले हैं.

04 इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी बनाये जायेंगे

11 राज्यों के सभी जिलों में जांच केंद्र भी बनाये जायेंगे

15 हेल्थ इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर्स व दो मोबाइल अस्पताल खुलेंगे

09 बायो सेफ्टी लेवल-3 लैब बनाये जायेंगे

किसको कितना मिला धन

71,268.77 करोड़ : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

2,663.00 करोड़ : स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

2,970.30 करोड़: आयुष मंत्रालय

60,030 करोड़ : पेयजल और स्वच्छता विभाग

9,022.57 करोड़ : जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार विभाग

आदिवासी मंत्रालय को 7524 करोड़

सरकार ने केंद्रीय बजट में जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए 7,524 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 36 प्रतिशत ज्यादा है. मंत्रालय को 2020-21 में 7,411 करोड़ रुपये मिले थे, जिसे बाद में इसे ₹5,508 करोड़ किया गया था.

7,524 करोड़ में से 2,393 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे आदिवासी शिक्षा पर

250 करोड़ रुपये खर्च होंगे विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों के विकास पर

प्रदूषण से निबटने पर जोर

1. वायु प्रदूषण से निबटने के लिए 42 शहरों को 2217 करोड़ रुपये आवंटित
2. 470 करोड़ रुपये प्रदूषण नियंत्रण के लिए दिये गये है.
3. 500 अमृत शहरों में सैनिटाइजेशन किया जायेगा
4. 02 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे हवा को स्वच्छ करने पर
5. 14,793.66 करोड़ रुपये विज्ञान मंत्रालय को आवंटित किये गये हैं
6. 1897.13 करोड़ रुपये पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को मिले

दिव्यांग होंगे सशक्त

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का बजट 28 फीसदी बढ़ा

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के लिए इस बार के बजट में 11,689.39 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछली बार के मुकाबले 28.35 फीसदी अधिक है. वहीं, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को 1171.77 करोड़ रुपये मिले हैं.

250 करोड़ रुपये राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को मिले हैं

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के लिए अब 38 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पहले 20 करोड़ थे

बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ा कर 137 प्रतिशत कर दिया गया है, जो पिछले वर्ष के बजट अनुमानों से 2.47 गुना अधिक है. यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है.

- डॉ हर्षवर्धन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

यह बजट आत्मनिर्भर भारत को मजबूत बनाने का बजट है. यह सभी सेक्टरों को ध्यान में रख कर बनाया गया है. स्वास्थ्य सेक्टर में लगभग 137% की वृद्धि की गयी. यह बजट 70,000 गांवों को मजबूत करेगा. 602 गांवों में डिस्ट्रिक्ट लेवल पर क्लिनिक बनेंगे. यह विशेष उपलब्धि है.

- अश्विनी चौबे, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री

बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र पर ध्यान देने से साफ होता है कि भारत कोरोना से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है और वह स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाना चाहता है. भारत ने दूसरे देशों को भी कोरोना वैक्सीन देकर उनकी मदद की है.

- डॉ पूनम क्षेत्रपाल, क्षेत्रीय निदेशक दक्षिण-पूर्व एशिया, डब्ल्यूएचओ

देश की स्थिति तो असाधारण है, लेकिन बजट बेहद साधारण है. बजट में बहुत सारे बोझ हमारे ऊपर डाले गये हैं. सरकार आज जिस रास्ते पर जा रही है, वह सीधा निजीकरण की ओर ले जा रहा है. स्थिति असाधारण है. सरकार निजीकरण चाहती है.

अधीर रंजन चौधरी, सांसद, कांग्रेस

एक्सपर्ट व्यू | स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रिवेंटिव, क्यूरेटिव और वेल बीइंग पर दिया गया है ध्यान

सरकारी स्वास्थ्य तंत्र सुधरेगा, निजी अस्पताल पर घटेगी निर्भरता

डॉ अंशुमान कुमार
वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ, दिल्ली

महामारी से सबक लेते हुए सरकार ने आम बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र का विशेष ख्याल रखा है. पिछले साल के मुताबिक इस साल स्वास्थ्य बजट में 137 फीसदी का इजाफा किया गया है.

इस बजट से पहले तक स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट का आवंटन दो प्रतिशत से भी कम रहा है. कोरोना काल में जिस तरह से मुश्किल हालात का सामना करना पड़ा, उससे बड़ी सबक मिली है. स्वास्थ्य का मतलब केवल बीमारी का इलाज ही नहीं होता, बल्कि स्वस्थ रहना और जीवनशैली का सही होना भी है. अगर कोई बीमार पड़ जाए, तो उसका इलाज स्वास्थ्य तंत्र उपलब्ध कराता है. सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की लचर हालात सबके सामने आ गयी और लोग निजी अस्पतालों का रुख करने पर मजबूर हुए. इससे निजी अस्पतालों ने मनमानी शुरू कर दी. ऐसा इसलिए होता था, क्योंकि स्वास्थ्य क्षेत्र को बजट में कभी प्राथमिकता नहीं दी गयी. भारत इस पर अपने सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का मात्र 1.4 प्रतिशत ही खर्च करता था. अभी इसे 94 हजार करोड़ से बढ़ा कर 2.23 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है,

यानी 137 प्रतिशत का इजाफा किया गया है.

विकसित देशों, विशेषकर यूरोपीय देशों से इसकी तुलना करें, तो अभी भी हम बहुत पीछे हैं. ज्यादातर यूरोपीय देश अपनी जीडीपी का सात से नौ प्रतिशत तक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं, लेकिन यह अच्छी पहल है और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गयी है. स्वास्थ्य क्षेत्र में मुख्य रूप से तीन बातों पर फोकस किया गया है- प्रिवेंटिव, क्यूरेटिव और वेल बीइंग. पहले हेल्थ में केवल क्यूरेटिव पर फोकस किया जाता था, यानी कोई बीमार हो, तो उसका कैसे इलाज हो जाये. प्रिवेंटिव यानी बीमारियों की रोकथाम पर खासकर, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, जैसे हृदय संबंधी, डायबिटीज, कैंसर और हाइपरटेंशन आदि पर हम फोकस करें, तो देश का बहुत बड़ा खर्च इससे बच सकता है. इस बार बजट में बीमारियों की रोकथाम पर भी बात कही गयी है. जब सरकारी तंत्र मजबूत होंगे, तो निजी अस्पताल इतनी मनमानी नहीं कर पायेंगे. तीसरी बात, वेल बीइंग यानी सलामती की है. शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने के साथ लोग कैसे स्वस्थ रह सकें, इस बात पर फोकस किया गया है. इसमें एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्धा, होम्योपैथ सबको बेहतर बनाने की योजना पर काम किया जायेगा. इस बार प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना घोषित हुई है. समावेशी स्वास्थ्य व्यवस्था लाने की बात कही गयी है, जिसके लिए तकनीक का सहारा लेकर पोर्टल आदि की व्यवस्था की जायेगी. आज की जरूरतों के मद्देनजर यह बहुत आवश्यक है. पोर्टल से जुड़ने के बाद दूरदराज के इलाकों में भी स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता बढ़ेगी.

प्राथमिक से उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर

हमारे यहां स्वास्थ्य तंत्र तीन स्तरों पर बंटा हुआ है- प्राथमिक, सामुदायिक और उच्च स्तर के स्वास्थ्य केंद्र. गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया गया है. अगर विभिन्न स्तरों पर प्राथमिकता और जिम्मेदारी तय कर दी जायेगी, तो बड़े अस्पतालों का बोझ कम हो जायेगा और मरीजों को भी सहूलियत होगी.

बच्चों और माताओं के पोषण पर फोकस

कुपोषण जैसी गंभीर समस्या से निजात पाने के लिए भी पोषण अभियान की शुरुआत की जायेगी. बच्चे, देश, समाज और मां-बाप से लिए भविष्य के आधार हैं, अगर इनका मानसिक और शारीरिक विकास बाधित होगा, तो उससे दिक्कतें आयेंगी. इसलिए बच्चों और माताओं के पोषण की बात कही गयी है.

खाद्यान्न : सब्सिडी बिल 5.96 लाख करोड़ रहने का अनुमान

एजेंसियां ▷ नयी दिल्ली

- 80 करोड़ लोगों को लॉकडाउन के दौरान मुफ्त राशन का अतिरिक्त कोटा दिया गया

खाद्य, उर्वरक, रसोई गैस सिलिंडर और केरोसिन तेल पर सब्सिडी खर्च चालू वित्त वर्ष में 5.96 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है. यह बजट अनुमान का करीब ढाई गुना है. सरकार ने कोरोना महामारी की वजह से गरीब परिवारों को मुफ्त में अतिरिक्त खाद्यान्न का वितरण किया था, जिसका सब्सिडी बिल पर साफ दिखाई दे रहा है. फरवरी 2020 में सरकार ने सब्सिडी खर्च 2,27,794 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया था. उस समय देश में कोरोना वायरस नहीं फैला था. इस महामारी की वजह से सभी बजट अनुमानों में बड़ा संशोधन हुआ है. अगले वित्त वर्ष 2021-22 में खाद्यान्न, उर्वरक और एलपीजी तथा केरोसिन पर सब्सिडी का खर्च बिल 43 प्रतिशत घटकर 3.36 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है. वित्त वर्ष 2020-21 के संशोधित अनुमान के अनुसार, सब्सिडी बिल 5,95,620.23 करोड़ रुपये रहेगा. पहले इसके 2,27,793.89 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया था. आंकड़ों के अनुसार, 2020-21 के संशोधित अनुमान में खाद्य सब्सिडी 4,22,618.14 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है.

।। रामकाज की अलख जगा रहा लक्ष्मण ।।

जोधपुर @ जागरूक जनता। राम मंदिर निधि समर्पण अभियान आज देश-विदेश में हर गली मोहल्ले में उत्साहपूर्ण वातावरण में चल रहा है । इसी अभियान को हर व्यक्ति तक ले जाने में लिए हर घर अभियान से जुड़े इसलिए शहर की हर गली मोहल्ले में जाकर अलख जगाने का कार्य कर रहे हैं विहिप के लक्ष्मण परिहार । स्कूटर पर आगे राम मंदिर का मॉडल विशेष रूप से तैयार करा कर रख भगवा झंडों से सजाकर दुपहिया पर ही रेडियो सेट करवा कर राम नाम की धुन बजाते हुए हर क्षेत्र में पहुँच लोगो को राम मंदिर अभियान से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। लक्ष्मण परिहार बताते हैं कि पहले आर्मी में रह कर देश की सेवा की और अब सेवानिवृत्त हो गया तो राष्ट्र धर्म के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन अर्पित करने के लिए तैयार हूं । परिहार प्रतिदिन सुबह बजे से निकलते हैं और शाम को ही वापस घर आते हैं । परिहार ने बताया कि इस कार्य के लिए 25 हजार स्वयं खर्च वहन किए और राम कार्य करने का अवसर जीवन मे प्रथम बार मिला है फिर कभी ऐसा अवसर नही आएगा इसलिए सभी कामो को छोड़ यह समय सिर्फ प्रभु के लिए ही अर्पित करना है । लोगो ने तो अपने प्राणों की आहुति दी लेकिन हमें अब सिर्फ धन का ही समर्पण करना है उसमें पीछे नही रह कर बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की जरूरत है। हर जगह लोगो द्वारा रामभक्त का स्वागत किया जा रहा है।

हर गली घर-घर घूमे कार्यकर्ता, 30 से अधिक बच्चों ने भेंट किये अपने गुल्लक

जोधपुर @ जागरूक जनता। श्री राम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान का हर घर महाजनसंपर्क अभियान का आगाज जबरदस्त उत्साह से हुआ । हर गली मोहल्ले में रामभक्तों का मेला सा नजर आया और हर जगह लोगो ने रामभक्तों का स्वगत करने में कोई कसर नही छोड़ी । अल सुबह से ही हर तरफ गली मोहल्ले में 5-5 की टोली बनाकर संघ विहिप के कार्यकर्ता हर घर मे सम्पर्क कर लोगो से निधि समर्पण करा रहे हैं। नंदलाल भाटी ने बताया कि सरदारपुरा में सत्संग भवन के बाहर मांग कर खाने वाले भिक्षुओं ने भी उत्साह के साथ समर्पण किया। महानगर की सयोजिका प्रीति गोयल ने बताया कि अभियान में शिल्पा अग्रवाल के नेतृत्व में महिलाओं ने भी सहयोग किया। जिसके तहत गली में सफाई कर्मचारी, सब्जी ठेला लगाने वालों से निधि समर्पण लिया गया। कीर्ति नगर में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के निधि समर्पण कार्य का शुभारंभ नन्ही बालिका के हाथों भगवान विश्वेश्वरैया महादेव से प्रारंभ हुआ। राम जन्मभूमि निधि संग्रह में रावत नगर बस्ती में घर-घर जाकर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र हेतु निधि संग्रहण किया गया कीर्ति नगर प्रचार प्रमुख सवाई सिंह राजपुरोहित पवन दाधीच कमल दाधीच विनोद सोनी ने सहयोग किया। नगर में निर्माणाधीन भवन का कार्य कर रहे मजदूर वर्ग के लोगों ने कहा कि अयोध्या में बन रहे जन्मभूमि महातीर्थ का हम भी हिस्सा बन जाए और कुछ नहीं कर सकते तो राम सेतु की गिलहरी बन जाए उन लोगों के द्वारा यह आस्था देखकर मन में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ । विहिप के लक्ष्मण परिहार ने बताया की श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के राम मंदिर निधी समर्पण अभियान में मातृ शक्ति की भूमिका के तहत विचार गोष्ठी का आयोजन सरदारपुरा के सत्संग भवन में हुआ। मातृ शक्ति प्रमुख विजयलक्ष्मी परिहार ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रान्त संगठन मंत्री प्रचारक ईश्वर लाल व पूज्य राम प्रसाद जी महाराज बड़ा रामद्वारा सूरसागर के सनिध्य में हुआ । अध्यक्षता आशा जोशी व विशिष्ट अतिथि समाजसेविका भूमि कृपलानी थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों ने अपने गुल्लक राम मंदिर निधि के लिए समर्पित किये। संचालन माला सोनी ने किया ।

भारत ही नही दुनियां ने आयुर्वेद को अपनाया-प्रो.संजीव शर्मा

जयपुर @ जागरूक जनता। आयुर्वेद अपार है। यह हजारो वर्षो से चल रही प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। वर्तमान समय कोविड -19 वैश्विक महामारी के रोकथाम मे भी आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत ही नहीं,बल्कि पूरे विश्व ने आयुर्वेद के चमत्कारी परिणामो को स्वीकार कर आयुर्वेद को अपनाया। यह बात राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विवि के कुलपति प्रो.संजीव शर्मा ने शिष्योपनयन संस्कार कार्यक्रम मे छात्रों के समक्ष कही। प्रो.शर्मा ने संस्थान मे नव आगुंतक छात्रो का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आयुर्वेद पद्धति का क्षेत्र बहुत विशाल है। आयुर्वेद को किसी भी प्रकार से कम नही समझे। आयुर्वेद मे विश्वास रखे,निष्ठा पूर्वक अध्ययन करके एक कुशल आयुर्वेद चिकित्सक बने। गौरतलब है कि नव आगुंतक छात्रो का शिष्योपनयन कार्यक्रम 15 दिन तक रहेगा। इस दौरान पीएचडी डीन स्टडीस प्रो.के.शंकर राव ,डीन यूजी प्रो.मीता कोटेचा ,संयुक्त निदेशक जय प्रकाश शर्मा, सरंक्षक प्रो.राममूर्ति ,विभागाध्यक्ष डॉ छाजूराम यादव, डीन छात्रकल्याण डॉ सुनील यादव, एनएसएस संरक्षक डॉ संजय अग्रवाल, एनएसएस प्रभारी डॉ महेन्द्र प्रजापति ,डॉ सन्दीप लहांगे,डॉ गुलाब पमनानी,डॉ सुदीप्त रथ,डॉ सारिका यादव, डॉ भानूप्रताप सिंह,डॉ ईशा हर्षवानी ,डॉ धर्मेन्द्र चौधरी,एम.डी स्कॉलर डॉ दीपक शर्मा,डॉ सुखराम कड़वा,डॉ अशोक चौधरी,डॉ दिनेश शर्मा,डॉ सुमित बेरवाल,डॉ पंकज छिम्पा,डॉ भूपेंद्र शर्मा चांदवास उपस्थित रहे।

बोराणा समाज के प्रदेश मंत्री नियुक्त

सीकर @ जागरूक जनता। गाड़ीया लोहार समाज के प्रदेश स्तरीय सीकर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कालूराम फौजी बाबा व प्रदेश अध्यक्ष सांवरलाल के द्वारा पाली जिले के रमेश चंद्र बोराणा गाड़िया लोहार को प्रदेश मंत्री की नियुक्ति प्रदान की गई। इस अवसर पर बोराणा ने अपने उदबोधन में समाज को सम्बोधित करते हुए समाज में फैली कुरीतियों जैसे नशामुक्ति,दहेज प्रथा को मिटाने का प्रयास करने को कहा तथा शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर ध्यान देना जरूरी बताया उन्होंने कहा कि देश में आजादी होने के बाद भी अशिक्षा के कारण अपने समाज में सरकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर कुछ भी फायदा नहीं है। समाज की व्यक्तिगत स्थिति रोजगार की कमी अवसरों की कमी तथा मूलभूत सुविधाओं के अभाव में समाज की स्थिति बहुत ही भयानक बनी हुई है। इन्हीं शक्तियों को सुधारना जरूरी है,और शिक्षा के प्रचार प्रसार में ध्यान देना जरूरी है। शिक्षा के द्वारा ही अपना विकास संभव है। इस अवसर पर प्रदेश प्रदेश भर के सभी समाजबन्धु उपस्थित थे। उन्होंने शपथ लेकर अपने समाज में फैली कुरीतियों का निदान करने की योजना बनाई और आने वाले समय में नशामुक्ति अभियान और जनजागृति अभियान की शपथ ली।यह जानकारी समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी धन्नाराम लोहार रोहट ने दी।

आईसीएआई ने घोषित किया सीए फाइनल नवंबर 2020 का परिणाम

सड़क हादसे में रीढ़ की हड्डी टूटी, लकवा हुआ, नहीं छोड़ी पढ़ाई, देश में आया तीसरा स्थान

आइसीएआइ ने घोषित किया सीए फाइनल नवंबर 2020 का परिणाम, जयपुर के स्टूडेंट्स ने लहराया परचम, शहर के 10 स्टूडेंट्स ने न्यू स्कीम और दो कैंडिडेट्स ने ओल्ड कोर्स में स्कोर की ऑल इंडिया रैंक, जयपुर चैप्टर का ओल्ड सिलेबस का रिजल्ट 25 परसेंट और न्यू स्कीम का रिजल्ट 40.96 प्रतिशत रहा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.in/.com

जयपुर। इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया (आइसीएआइ) की ओर से सोमवार को सीए फाइनल (ओल्ड और नई स्कीम) नवंबर 2020 का रिजल्ट जारी किया गया। सीए फाइनल ओल्ड स्कीम में जयपुर से इस बार शीर्ष (ऑल इंडिया रैंकिंग) 50 में से 2 स्टूडेंट्स ने अपनी जगह बनाई हैं। वहीं, सीए फाइनल नई स्कीम में कुल 10 स्टूडेंट्स ने टॉप 50 रैंकिंग में अपना स्थान बनाया। जयपुर के कालवाड़ रोड़ निवासी 26 वर्षीय मयंक सिंह ने सीए फाइनल ओल्ड स्कीम में 800 में 489 अंक प्राप्त कर आल इंडिया रैंकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मयंक ने बताया कि इससे पहले उन्होंने मई 2017 में सीए फाइनल का एग्जाम दिया था, लेकिन अगस्त 2017 में एक सड़क हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई थी। इसके चलते वह नवंबर 2017 का एटेपट नहीं दे सके। उन्होंने बताया की इस घटना के कारण उनका शरीर लकवाग्रस्त हो गया था, लेकिन फिर भी उन्होंने पढ़ाई करना नहीं छोड़ा और आखिरकार सीए फाइनल पास किया। उन्होंने बताया कि स्क्राइब की मदद से उन्होंने पेपर दिया और यह उनका चौथा एटेपट था। मायक अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता नौनीहाल सिंह और ममी नीता सिंह को देते है।

जयपुर के स्टूडेंट्स ने लहराया परचम

वहीं, आशिमा राठौड़ ने 444 अंक प्राप्त कर आल इंडिया 13वीं रैंक हासिल की। ओल्ड स्कीम में प्रथम स्थान पर तमिल नाडू, सालेम के इस्साकिराज ए और द्वितीय स्थान पर चेन्नई की श्रीप्रिया आर रही। नई स्कीम में मुंबई की कोमल किशोर जैन ने फर्स्ट रैंक, सूरत के मुदित अग्रवाल ने सेकंड और मुंबई की राजवी भद्रेश नथवाणी ने थर्ड रैंक हासिल की। सीए फाइनल नई स्कीम के तहत जयपुर की प्रियंका जैन ने 800 में से 578 अंक प्राप्त कर आल इंडिया छठी रैंक हासिल की। इसी प्रकार गुंजन जैन ने 556 अंको के साथ 14वीं रैंक और नारायण झंवर 547 मार्क्स के साथ 18वीं रैंक हासिल की। न्यू कोर्स में ही रौशनी शिवारमणी की ऑल इंडिया 27वीं, हर्ष मित्तल की 33वीं, तन्मय गुप्ता की 35वीं, निखिलेश जैन की 39वीं, निकुंज माहेश्वरी की 42वीं, नैंसी अग्रवाल की 46वीं और यश खंडेलवाल की 48वीं रैंक है। आइसीएआइ जयपुर चैप्टर के चेयरमैन अनिल कुमार यादव ने बताया कि इस बार जयपुर से ऑल इंडिया रैंक ज्यादा आई हैं और जयपुर का ओवरऑल रिजल्ट भी अच्छा रहा है। सीए ओल्ड सिलेबस में ऑल इडिया का रिजल्ट 5.84 परसेंट और न्यू स्कीम में 14.47 प्रतिशत रहा। वहीं जयपुर चैप्टर का ओल्ड सिलेबस का रिजल्ट 25 परसेंट और न्यू स्कीम का रिजल्ट 40.96 प्रतिशत रहा। उन्होंने बताया कि ओल्ड सिलेबस में जयपुर चैप्टर के फर्स्ट ग्रुप का रिजल्ट 22.12 और सैकंड ग्रुप का 42.03 प्रतिशत रिजल्ट रहा। दोनों ग्रुप मिला कर 25 प्रतिशत रिजल्ट रहा। वहीं, न्यू स्कीम के फर्स्ट ग्रुप का रिजल्ट 10.27, सैकंड ग्रुप का 33.65 और दोनों ग्रुप का रिजल्ट 40.96 प्रतिशत रहा।

औद्योगिक क्षेत्रों में जल्द लागू हो नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों के चहुमुखी विकास हेतु सर्विस इंडस्ट्री के सहयोगी कार्यों के लिए परमिशन देकर उद्योगों को शीघ्र राहत देने की जरूरत है। भारत के कई प्रदेशो में इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2020 लागू की है। नई पालिसी के तहत इंडस्ट्रियल एरिये में पेट्रोल पंप, कांटा, इंटरटेनमेंट पार्क, एजुकेशनल इंस्टिट्यूट, फाइनेंशियल इंस्टिट्यूट, होटल व दुकानें, अस्पताल, मल्टीप्लेक्स, वेयर हाउसिंग, रिटेल आउटलेट बनाने की परमिशन दे दी है। इस पॉलिसी के तहत दिल्ली व हरियाणा में तो इस तरह की पॉलिसी बनाकर लागू भी हो चुकी है।

राजस्थान सरकार को रीको इंडस्ट्रियल एरिये में भी जमीन को वेयर हाउस का दर्जा देने एवं लैंड यूज को (पेट्रोल पंप, धर्मकांटा व अन्य औद्योगिक कार्यों के लिए) पहले की भांति परिवर्तित करने की स्वीकृति दी जानी चाहिए तथा इसको इंडस्ट्रियल लैंड का दर्जा दिया जाए। इससे रीको में विकास कार्यों के साथ उद्योगों को गति मिलेगी।

सम्पूर्ण राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में जयपुर एक ऐसा क्षेत्र है, जिसके चारों और बहुत सारे औद्योगिक क्षेत्र बसे हुए है इन इंडस्ट्रियल क्षेत्रों में कुछ क्षेत्र ऐसे है, जो लगभग 50 साल पुराने है और इंडस्ट्रियल के रूप में कटे हुए है जैसे 22 गोदाम, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र व अन्य कई क्षेत्र है जो की शहरी सीमा के अन्दर आ गए है वहां पर अत्याधिक पोलुशन व रेजिडेंशियल क्षेत्रों के कारण इंडस्ट्रियल एक्टिविटी चलना सम्भव नहीं है । ऐसे क्षेत्रो में सरकार को यह चाहिए की उन उद्योगों के द्वारा ही वहां पर सर्विस इंडस्ट्री को प्रोमोट करे साथ ही वहां जो नॉन पॉल्यूटेड इकाइयां स्थापित है उनको स्पेशल छूट प्रदान की जाए, जिससे की उस क्षेत्र में जो जगह है जो की उद्योगों के लिए काम नही आ पा रही है उस स्थान पर वहां उद्योगों की जो सहयोगी गतिविधियां है उनको उद्योगों का दर्जा दिया जाए, जिससे इंडस्ट्रियल क्षेत्रों का और विकास होगा और वहां पर ग्रीन इंडस्ट्रियल यूनिट्स चलने से एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण होगा ।

नई दिल्ली में महिला कोविड़ योद्धा के रूप में प्रदेश की ईशरत सम्मानित

जयुपर @ जागरूक जनता। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 31 जनवरी को राष्ट्रीय महिला आयोग के 29 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह मैं राजस्थान की महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ईशरत बानों को "महिला कोविड योद्धा" के वास्तविक हीरों का सम्मान स्वरूप प्रशंसा पत्र व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय महिला आयोग के स्थापना दिवस के अवसर पर 'महिला कोविड़ योद्धाओं वास्तविक हीरो' का सम्मान समारोह में राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, झारखड़, मिजोरम व तेलागाना राज्य की एक-एक महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का चयन कर उत्कृष्ठ कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में महिला आयोग के चैयरपर्सन राकेश शर्मा द्वारा कोविड-19 के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत समेकित बाल विकास सेवा की अग्रीम पक्तिं के महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा कोविड-19 के दौरान किये गये उत्कृष्ठ कार्य की प्रशंसा भी की।

एईएन कार्यालय में ही सुनी जाएगी बिजली की समस्याएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक नवीन अरोड़ा ने जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। अरोड़ा ने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया कि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देने के साथ उनकी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए सहायक अभियंता कार्यालय में ही उनकी सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि अब ऐसी व्यवस्थाएं की जाएगी, जिससे फील्ड में सब-डिवीजन में बैठे अधिकारी उपभोक्ताओं की समस्याओं को अच्छी तरह सुने और उनका निस्तारण करें। इससे लोगों को एसइ ऑफिस तक अपनी शिकायत लेकर नहीं आना पड़े। इसके साथ ही विद्युत दुर्घटनाओं की दर को शून्य करने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएगें। जनता और अधिकारियों के सम्मिलित प्रयास से यह संभव हो पाएगा, इस दिशा में काम किया जाएगा, जनता को अच्छी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। उपभोक्ताओं के संतुष्टि स्तर को बढा कर व बिजली चोरी को रोककर लॉसेज को कम किया जाएगा। उपभोक्ताओं से सामंजस्य करके समन्वित प्रयास से राजस्व वसूली के लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा। लोगों के बिजली के कनेक्शन समय पर किये जायेंगे। अरोड़ा इससे पहले जयपुर और जोधपुर डिस्कॉम में निदेशक तकनीकी और जयपुर डिस्कॉम में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। नवीन अरोड़ा का निगम के अभियन्ताओं, अधिकारियों और कर्मियों ने सम्मान किया।

जयपुर रत्न सम्मान समारोह सीजन 3 का पोस्टर विमोचन

समाज के लिए कुछ ना कुछ करते रहना जरूरी है-पारीक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। शक्ति फ़िल्म प्रोडक्शन और हेल्प इंडिया ऑनलाइन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम जयपुर रत्न सम्मान समारोह सीजन 3 का पोस्टर विमोचन वैशाली नगर स्थित रिटज़ी स्कूल में किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक अंबालिका शास्त्री और एमएफए-डॉ पवनकुमार पारीक और डॉ जगदीश पारीक ने बताया की समाज के लिए कुछ ना कुछ करते रहना आवश्यक है। साथ ही आवश्यक है उन लोगों का सम्मान जो इस समाज तथा देश को समर्पित होकर श्रेष्ठ कार्य कर दूसरों से अलग अपनी पहचान बनाते हैं। इन्हीं भावों को लेकर शक्ति फिल्म प्रोडक्शन और हेल्प इंडिया ऑनलाइन हरवर्ष की भांति जयपुर रत्न सम्मान समारोह का तृतीय संस्करण लेकर आया है जिसके अंतर्गत देश में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में समर्पित भाव से श्रेष्ठ कार्य करने वाली गणमान्य विभूतियों व प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। अंबालिका शास्त्री और एमएफए डॉ पवनकुमार पारीक और डॉ जगदीश पारीक ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि जयपुर रत्न सम्मान समारोह का तृतीय संस्करण जल्द आयोजित होगा, जिसमें समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को तरासकर उन्हें अलग व विशिष्ट पहचान प्रदान की जाएगी। इस सम्मान के नॉमिनेशन के लिए 25 फरवरी अंतिम तिथि रखी गई है। नॉमिनेशन के माध्यम से प्राप्त हुई प्रविष्टियों को निर्णायक मंडल द्वारा चयनित किया जाएगा, जिसका परिणाम प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 1 मार्च तक घोषित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सम्मान समारोह के साथ ही विभिन्न मॉडलों द्वारा डिजाइनर शोकेसिंग व एनजीओ के अनाथ बच्चों द्वारा फैशन वॉक किया जाएगा, जिसके उपरांत इन बच्चों को उपहार दिए जाएंगे। हेल्प इंडिया के राष्ट्रीय सचिव श्यामसिंह शेखावत ने बताया कि हेल्प इंडिया सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं उत्कृष्ट प्रतिभाओं को तराशने के लिए सदैव कार्यरत रहेगा। कार्यक्रम आयोजक अंबालिका, एमएफए डॉ पवनकुमार पारीक और डॉ जगदीश पारीक ने बताया की पोस्टर विमोचन में कार्यक्रम के मैनेजिंग डायरेक्टर रिंकु सिंह गुर्जर, हेल्प इंडिया में प्रीवेंटिव हेल्थ प्रभारी कन्हैयालाल खैरथल, हेल्प विंग के प्रभारी शंकर लाल प्रदेश अध्यक्ष डॉ श्रीधर आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ANCHOR | परिवहन विभाग का नाम बदलेगा

परिवहन विभाग का नाम बदलकर परिवहन और सड़क सुरक्षा विभाग करने की तैयारी, सड़क दुर्घटनाओं पर कंट्रोल का टास्क

परिवहन मंत्री की घोषणा ,सड़क दुर्घटना के घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले होंगे सम्मानित

हर जिले में बनेगा ट्रैफिक पार्क, स्पीड लिमिट के उल्लंघन करने वालों को मोबाइल पर चालान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। राज्य सरकार जल्द परिवहन विभाग का नाम बदलकर परिवहन और सड़क सुरक्षा विभाग करने की तैयारी कर रही है। सड़क सुरक्षा की अहमियत और बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण

का हवाला देकर सरकार ने नाम बदलने की कवायद शुरु की है। परिवहन मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने सभी आरटीओ, डीटीओ के साथ वीसी के जरिए समीक्षा बैठक के बाद कहा कि विभााग का नाम बदलने की कवायद की जा रही है ताकि सड़क सुरक्षा पर फोकस किया जा सके। विभाग का नाम बदलने के साथ अब थोड़ा काम भी बदलेगा और रोड सेफ्टी पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

परिवहन मंत्री खाचरियावास ने बताया कि रोड सेफ्टी काउंसिल की बैठक में यह निर्णय किया जा चुका है कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने के लिए आवश्यकतानुसार नई एम्बुलेंस की खरीद, ब्लैक स्पॉट ठीक कराना जैसे काम किए जा सकेंगे। सड़कों के खड्डे भरवाए जाएंगे और ऐसी बेरिकेडिंग करवाई जाएगी जिससे जानवर ऊपर आकर दुर्घटना का कारण नहीं बन सकें। इसी तरह स्पीड लिमिट के लिए रोड सेफ्टी काउंसिल से ऐसे कैमरे लगाए जाएंगे जिनसे स्पीड लिमिट उल्लंघनकर्ता के मोबाइल पर अपने आप चालान पहुंच जाएगा।

सड़क दुर्घटना के घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले होंगे सम्मानित

परिवहन मंत्री ने सभी डीटीओ को हाईवे पर स्थित अस्पतालों, डिस्पेंसरियों में जाकर वहां सड़क दुर्घटना में घायलों को ज्लद इलाज के लिए संसाधनों की आवश्यकता की जांच करने के निर्देश दिए । परिवहन मंत्री ने कहा, एम्बुलेंस की आवश्यता हो तो बताएं, रोड सेफ्टी कौंसिल से इसे उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वालों का सम्मान किया जाएगा। इस बात का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करें कि सड़क दुर्घटना के घायलों को अस्पताल लेकर आने वाले से कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। ऐसे लोगो को सम्मानित भी किया जाएगा। इसे लेकर जगह-जगह पोस्टर लगाए जाएं।

हर जिले में बनेगा ट्रैफक पार्क,बसों की छतों से लगेज हटाने के निर्देश

खाचरियावास ने कहा कि हर जिले में ट्रैफिक पार्क बनाने के लिए जमीन चयनित करने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन कार्यालयों में जहां भी जमीन उपलब्ध हो वहां ट्रैफिक पार्क बनाने को कहा है। जहां लाइसेंस दिया जाता है वहां ट्रैफिक पार्क और सड़क सुरक्षा नियमों का प्रदर्शन किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन मंत्री ने सभी आरटीओ, डीटीओ को निर्देश दिए कि बसों की छतों पर लगेज रखने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाई जाए और ऐसे बस चालकों की समझाइश कर इसे बंद करवाया जाए।

बजट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
कविता
दिन-ऐश कुंभज

हे लोकतंत्र के चौथे खम्भे
(मीडिया)
बात एक बतानी है
झूठा है ये बजट केंद्र का
रपट यही लिखानी है
****
राशन महंगा घर महंगा
महंगी मोटरकार है
क्या करेंगे इनका साथी
जब नहीं कोई रोजगार है
रंक हुई जनता देशबकी
वित्त मंत्री बनी रानी है
झूठा है ये बजट केंद्र का
रपट यही लिखानी है.....
****
टैक्सों में राहत नहीं
व्यपार जगत को घाटा है
इलेक्ट्रॉनिक आइटम हुए महंगे
सस्ता पर मोबाइल डाटा है
ये तो सिर्फ बातें करते
मन की नहीं जानी है
झूठा है ये बजट केंद्र का
रपट यही लिखानी है....
****
दिल पर हाथ रखना साथी
ना हमको बहकना रे
क्या है ये जन हित बजट
सच हमको बतलाना रे
हम तो चलो मूर्ख ठहरे
पर तू तो साथी ज्ञानी है
झूठा है ये बजट केंद्र का
रपट यही लिखानी है....
(लेखक जयपुर से है)

लोग क्या कहेंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
कविता
सुनीता शर्मा

"हमेशा एक डर रहता है की लोग क्या कहेंगे,
जिन्हे हम जानते भी नहीं , हम उनकी सोच की फ़िक्र करते है।
जबकि हमारा मन, दिल, दिमाग जो की हमारे इतने करीब है हम चाह कर भी नहीं सुनते। "
****
तो अब से अपने आप को परेशान करना बंद करिये ओर "लोग क्या कहेंगे" की बड़ी को तोड़ कर,
अपने मन की सुनिए, जो अच्छा लगता है करिये, खुश रहिये,
ये आपका जीवन है इस पर आपका पूरा अधिकार है।
(लेखक जयपुर से है)

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

बजट 2021-22

देश में तीन साल में सात बड़े टेक्सटाइल पार्क बनेंगे

एजेंसियां ▷ नयी दिल्ली

बजट में देश में बड़े टेक्सटाइल पार्क बनाने की नीति शुरू करने की घोषणा की. यह भारत को कपड़ा क्षेत्र में पूरी तरह से एकीकृत व वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण एवं निर्यात केंद्र बनाने की सरकार की कोशिश का हिस्सा है. सीतारमण ने तीन साल में सात बड़े टेक्सटाइल पार्क बनाये जायेंगे. इनमें एकीकृत सुविधाएं होंगी. परिवहन में होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने की व्यवस्थाएं होंगी. इससे प्लग एंड प्ले सुविधा के साथ विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होगी. यह निर्यात में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनियों के सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगी. कपड़ा मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि वृहद एकीकृत कपड़ा क्षेत्र एवं परिधान (मित्र) पार्क पर विचार चल रहा है. ये पार्क एक हजार एकड़ से अधिक भूखंड पर स्थित होंगे. इनमें इंफ्रास्ट्रक्चर, साझा सुविधाएं और शोध व विकास लैब भी होंगे. अभी तक पार्क योजना में 59 टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी दी गयी है, जिनमें से 22 तैयार हो चुके हैं. सीतारमण ने कहा कि हम अब नायलॉन श्रृंखला को पॉलिस्टर व अन्य कृत्रिम धागों के समरूप बना रहे हैं. हम कैप्रोलैक्टम, नायलॉन चिप, नायलॉन धागे पर मूल सीमा शुल्क को एक समान घटाकर पांच प्रतिशत कर रहे है. कपास पर कस्टम शून्य से बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया जा रहा है. कच्चे रेशम और रेशम पर शुल्क को 10 से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया जा रहा है.

छठा बड़ा निर्यातक है भारत दुनिया में कपड़े व परिधानों का

पर्यटन को थी जरूरत

2026.77 करोड़ मिला है पर्यटन मंत्रालय को यह पिछले साल से 18 % कम है

इंडस्ट्री

53,986 करोड़ के राजस्व का अनुमान है अगले वित्त वर्ष में दूरसंचार क्षेत्र से

एमएसएमइ

एमएसएमइ को राहत देने के लिए कई स्टील उत्पादों पर आयात शुल्क घटाया गया

एमएसएमइ आवंटन दोगुना कर 15,700 करोड़ रुपये किया गया

तांबे के कबाड़ पर कस्टम ड्यूटी को पांच से घटाकर 2 .5 प्रतिशत कर दिया गया

मोबाइल के सात स्पेक्ट्रम बैंडों की नीलामी एक मार्च से

2020-21 के बजट में दूरसंचार से 1.33 लाख करोड़ के राजस्व का अनुमान था, सोमवार को संशोधित कर इसे 33,737 करोड़ कर दिया

राजस्व प्राप्तियों में मुख्यत: दूरसंचार ऑपरेटरों से मिलने वाले लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम प्रयोग शुल्क से मिलने वाली आय शामिल है.

दूरसंचार से राजस्व अनुमान को ऐसे समय घटाया है जब सरकार 3 .92 लाख करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम नीलामी की तैयारी कर रही है

एविएशन

विमानों को लीज पर देने वाली कंपनियों को टैक्स में छूट संभव

सरकार ने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनियों को टैक्स छूट देने का सोमवार को प्रस्ताव किया. एविएशन इंडस्ट्री अपने बढ़ते घाटों के कारण पिछले कई महीनों से भारी दबाव में है. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट के मुताबिक विमानन कंपनियों को इस साल कुल 21,000 करोड़ का भारी नुकसान हुआ.

1,600 करोड़ की सब्सिडी शिपिंग कंपनियों को ग्लोबल टेंडर में

लघु उद्योगों के मौजूदा 50 लाख के पूंजी आधार को बढ़ाकर दो करोड़ होगा. एनसीएलटी की रूपरेखा मजबूत की जायेगी.

एकीकृत प्रतिभूति बाजार संहिता पेश करने का प्रस्ताव. सेबी को गोल्ड एक्सचेंज के नियामक के रूप में अधिसूचित किया जायेगा.

राष्ट्रीय रेल योजना से उद्योगों में आएगी जान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे के लिए रिकॉर्ड 1.10 लाख करोड़ का आवंटन किया

भारतीय यातायात व्यवस्था की रीढ़ रेलवे को लेकर सरकार गंभीर है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे के लिए दीर्घ कालीन नेशनल स्कीम का खाका पेश किया. इसका मकसद वर्ष 2030 तक रेलवे सिस्टम को भविष्य के लिए तैयार करना है, ताकि उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक लागत को कम किया जा सके. मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिले. माल की ट्रेनों से ढुलाई आसान और तेज होगी. कंपनियों को अपने माल को एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचाने के लिए सड़क परिवहन और ट्रकों पर निर्भरता कम होगी. इससे जहां कंपनियों की प्रोडक्शन कॉस्ट कम पड़ेगी. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे के लिए 1.10 लाख करोड़ की रिकॉर्ड राशि की घोषणा की, इसमें से 1.07 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित हैं. पूंजीगत व्यय से रेलवे में इंफ्रास्ट्रक्चर, यात्री सुविधाओं के विस्तार और अपग्रेडेशन के लिए रुपये खर्च होंगे. वित्त मंत्री ने उम्मीद जतायी कि पूर्वी और पश्चिमी माल गलियारों (इडीएफसी और डब्ल्यूडीएफसी) जून, 2022 तक चालू हो जायेंगे. इसरो के साथ उपग्रह के जरिये 6500 ट्रेनों की निगरानी की व्यवस्था पहले से चल रही है. रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने कहा कि पीपीपी (सार्वजनिक-निजी क्षेत्र की भागीदारी) के तहत 150 और निजी ट्रेनें, तेजस ट्रेनें चलेंगी, विस्टा डोम कोच ट्रेनें, किफायती थर्ड एसी कोच, स्मार्ट कोच, तापमान नियंत्रित प्रणाली पर काम किया जा रहा है.

सड़कों का जाल

8,500 किलोमीटर के हाइवे प्रोजेक्ट अगले वित्त वर्ष में लागू होंगे

बढ़ेगी कनेक्टिविटी

100 पर्यटन स्थलों और 45 शहरों को नेशनल हाइवे से जोड़ा जायेगा

- ब्रॉड गेज रेलवे लाइन के 100% विद्युतीकरण दिसंबर 2023 तक पूरा होंगे.
- यात्रियों के लिए विस्टाडोम एलएचबी कोच लगाये जायेंगे.

18,000 करोड़ से दुरुस्त होगी शहरी यातायात

देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए मार्च 2022 तक देश में 8,500 किमी के हाइवे प्रोजेक्ट का आवंटन किया जायेगा. शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन के लिए 18,000 करोड़ रुपये की योजना की भी घोषणा की. गडकरी ने कहा था कि उनके मंत्रालय का मार्च तक प्रतिदिन 40 किमी सड़क बनाने का लक्ष्य है. पांच साल में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का लक्ष्य 60,000 किमी के हाइवे तैयार करने का है जिसमें 2,500 किमी एक्सप्रेस हाइवे होंगे. इनमें 9,000 किमी के आर्थिक गलियारे और 2,000 किलोमीटर की सामरिक सीमा और तटवर्ती सड़कें होंगी.

इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 5.54 लाख करोड़ का प्रस्ताव

बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए सीतारमण ने पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करते हुए इसे अगले वित्त वर्ष में 5 .54 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया. प्रमुख मंत्रालयों के तहत 1.10 लाख करोड़ की लगभग 217 प्रोजेक्ट पूरी की जा चुकी हैं. यह 2020-21 के बजट अनुमानों से 34 .5% अधिक है.

व्यावहारिक, तर्कसंगत और प्रगतिशील बजट है. यह अगले 3-4 वर्षों के लिए दिशा देगा. सरकार ने इस बार बुनियादी ढांचे और संपत्ति के मुद्रीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है. सबसे महत्वपूर्ण बात टैक्स के साथ छेड़छाड़ नहीं हुई है और कोई नया सेस नहीं लगाया गया है.

अमिताभ कांत सीइओ, नीति आयोग।

बजट उन लोगों के साथ विश्वासघात है जो कोरोना महामारी और मंदी की दोहरी मार झेल रहे हैं .कृषि क्षेत्र में आवंटन कम कर दिया गया. एमएसपी का वादा किया गया, लेकिन मूल्य समर्थन योजनाओं के लिए आवंटन घटा दिया गया है. पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त सेस लगा दिया गया. बेतहाशा महंगाई बढ़ेगी.

सीताराम येचुरी, महासचिव, माकपा

चुनावी राज्यों के लिए खास सौगात हाइवे के लिए दिये 2.27 लाख करोड़

सरकार ने वर्ष 2021-22 के आम बजट में तमिलनाडु, पश्चिम बंगल, असम, केरल जैसे देश के उन राज्यों के लिए राजमार्ग, एक्सप्रेस वे, कॉरिडोर को लेकर विशेष घोषणाएं की. जहां इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं. इन प्रदेशों के लिए केवल हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 2.27 लाख करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है.

किस राज्य में कितने का प्रोजेक्ट

	राज्य	कितना होगा खर्च	दूरी
1	तमिलनाडु	1.03 लाख करोड़	3,500 किमी
	मदुरई-कोल्लम और चित्तूर-थाच्चूर कॉरीडोर		
2	केरल	65,000 करोड़	1,100 किमी
	मुंबई से कन्याकुमारी कॉरीडोर : 600 किमी		
3	पश्चिम बंगाल	25,000 करोड़	675 किमी
	कोलकाता-सिलिगुड़ी सड़क का सुधार कार्य		
4	असम : 19,000 करोड़ से एनएच निर्माण		
	तीन साल में 34,000 करोड़ से 1,300 किमी		

मेट्रो प्रोजेक्ट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि टियर-1 से जुड़े हुए इलाकों और टियर 2 सिटी में मेट्रो लाइट और मेट्रो नियो की नयी तकनीक के जरिये पब्लिक ट्रांसपोर्ट के तौर पर मेट्रो की सेवाएं उपलब्ध होंगी. यह कम लागत में मेट्रो में सफर का समान अनुभव देती है. तमिलनाडु और केरल में मेट्रो प्रोजेक्ट के विस्तार पर जोर दिया है.

किस प्रोजेक्ट में कितना खर्च

11.5 किमी के फेज-2 कोच्चि मेट्रो रेलवे के लिए 1957 .05 करोड़ रुपये.

118.9 किमी के चेन्नई मेट्रो रेलवे फेज-2 के लिए 63246 करोड़ रुपये.

58.19 किमी के बेंगलुरु मेट्रो रेलवे प्रोजेक्ट फेज 2ए और फेज 2बी के लिए 14788 करोड़ रुपये.

5976 करोड़ रु नागपुर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज-2 के लिए और 2092 करोड़ रु नासिक मेट्रो के लिए

समुद्री मार्ग का विकास

2,000 करोड़ रुपये देश की सात बंदरगाह परियोजनाओं के लिए

विकास

05 मत्स्य बंदरगाह बनेंगे. इन्हें आर्थिक गतिविधि का केंद्र बनाया जायेगा. इसमें कोच्चि, चेन्नई, विशाखापत्तनम, पारादीप, पेटुआघट हैं.

एक्सपर्ट व्यू

27.1 लाख करोड़ के पैकेज से मिलेगी बाजार को मजबूती

प्रोडक्शन इंसेंटिव बढ़ने से भारत में निवेश के लिए आकर्षित होंगे विदेशी

प्रीतम बनर्जी
आर्थिक विश्लेषक

उत्पादन से इंसेंटिव को जोड़ने के साथ ही बजट में ऐसी स्कीमों पर जोर दिया गया है, जिससे भारत विदेशी निवेशकों को लुभाने व विदेशी उत्पादों को मजबूती से मुकाबला कर सकेगा.

इस बजट में सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत 27.1 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की है. प्रोडक्शन से इंसेंटिव को जोड़ने के साथ ही बजट में ऐसी स्कीमों पर जोर दिया गया है, जिससे भारत विदेशों निवेशकों को लुभाने व विदेशी उत्पादों के साथ मजबूती से मुकाबला कर सकेगा. ऐसा होने पर भारत अपने अंदरूनी बाजार के साथ विदेशों में भी अपना सामान बेच सकेगा. बजट में विभिन्न क्षेत्रों की विशेषताओं को भी ध्यान में रखा गया है, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा. कपड़ा क्षेत्र को और गति देने के लिए सरकार से बजट में सात टेक्सटाइल मेगा पार्क बनाये जाने की घोषणा की है. इससे बाहर के निर्माताओं को भारत में उत्पादन करने के लिए अलग से फैक्टरी लगाने की जरूरत नहीं होगी. कोई भी छोटा या मध्यम निर्माता भारत में आकर फैक्ट्री की जगह किराये पर लेकर तुरंत उत्पादन चालू कर सकेगा, जिससे उसका खर्च बचेगा. इससे पहले मलयेशिया, थाइलैंड, चीन व अस्सी के दशक में ताइवान जैसे देशों में इस तरह की योजनाओं से अच्छी बढ़ोतरी देखी जा चुकी है. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) की बात करें, तो इसमें ज्यादा परिवर्तन नहीं किया गया है. एफडीआइ तंत्र पहले से ही काफी खुला हुआ है. इसके तहत देश के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कुछ मामूली बदलाव किये गये हैं. किसी भी देश में निवेशक दो अहम बातों को ध्यान में रखते हुए निवेश करना पसंद करते हैं- बाजार कितना बड़ा है और वहां फैक्टरी लगाना व काम करना कितना आसान है. भारत का बाजार निवेशकों को हमेशा से ही लुभाता रहा है, लेकिन यहां निवेशक इसलिए नहीं आते थे, क्योंकि यहां काम करना मुश्किल था. मेगा पार्क के निर्माण से इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन दिखेगा. एक ध्यान देनेवाली बात यह भी है कि जब देश में उत्पादन होगा, तो निर्यात भी करना होगा. उत्पादन के लिए बहुत सारी सामग्री बाहर से भी मंगवानी होगी. ऐसे में इंफ्रास्ट्रक्चर, चाहे वह रेल का हो या रोड का, महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

उद्योग और निवेश के लिए बहुत अच्छे फैसले

इस बजट में सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी फोकस किया है. कुल मिलाकर, उद्योग व निवेश के लिए बजट बहुत ही अच्छा है. भारत विदेशी निवेशकों को लुभायेगा. हां, कोरोना महामारी की मार सहनेवाले उद्यमी करों में कुछ छूट व वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती की उम्मीद कर रहे थे, उन्हें निराशा हुई है. लेकिन इस तरह के परिवर्तनों का असर बहुत ही थोड़े समय तक दिखायी देता है. बजट में आत्मनिर्भर भारत व प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी स्कीमों की घोषणा कर एक ऐसी नींव तैयार की गयी है, जिससे आनेवाले पांच वर्षों में भारत विभिन्न क्षेत्रों के बड़े बाजार वाले देशों की सूची में शीर्ष पर पहुंच सकता है. सरकार से बजट में सूक्ष्म, छोटे व मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को विकसित करने के लिए 15,700 करोड़ रुपये दिये गये हैं. साथ ही, इस सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग को बढ़ावा देने की बात कही गयी है.

बजट से राहत

मुझे इस बजट से एक ही उम्मीद थी. हमें लक्षित राजकोषीय घाटे को लेकर काफी उदारवादी होना चाहिए, यह हुआ. -आनंद महिंद्रा, चेयरमेन, महिंद्रा ग्रुप

4,000 करोड़ महासागर मिशन के लिए

वित्त मंत्री ने निवेशक चार्टर शुरू करने का दिया प्रस्ताव

नया विकास वित्त संस्थान बना, 20 हजार करोड़ मिले

सरकार 20,000 करोड़ की पूंजी से एक विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) स्थापित करेगी. दीर्घकालिक कर्ज देने वाला यह नया वित्तीय संस्थान राष्ट्रीय अवसंरचना विकास कार्यक्रम के लिए 2025 तक अनुमानित 111 लाख करोड़ की वित्तीय जरूरतों को देखते हुए अहम कदम होगा. डीएफआइ को पेशेवर चलायेंगे. नेशनल इंफ्रास्टक्चर पाइपलाइन के लिए 7000 प्रोजेक्ट चिन्हित की गयी हैं. एनआइपी एक अनूठी पहल है जिसके तहत देश भर में विश्व स्तरीय आधारभूत ढांचा तैयार किया जायेगा जिससे सभी नागरिकों की जीवनशैली सुधरेगी.

₹ 1.97 लाख करोड़ का पीएलआइ देगी सरकार

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2021-22 पेश करते हुए कहा कि सरकार प्रमुख क्षेत्रों के विस्तार के लिए, वैश्विक तौर पर अग्रणी उद्यमियों को तैयार करने तथा उन्हें पोषित करने एवं युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से अगले पांच वर्षों में लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपये व्यय करने के लिए प्रतिबद्ध है. इससे निवेश आयेगा और रोजगार मिलेगा.

20 साल पर निजी वाहनों की फिटनेस जांच जरूरी

एजेंसियां ▷ नयी दिल्ली

- वाहन-स्क्रैप पॉलिसी के दायरे में आयेंगे एक करोड़ वाहन
- 10 हजार करोड़ रुपये के नये निवेश की संभावना

वित्त मंत्री ने पुराने व प्रदूषण फैला रहे वाहनों को हटाने के लिए स्वैच्छिक वाहन-स्क्रैप नीति (वाहनों को कबाड़ में डालने की नीति) की घोषणा की. उन्होंने बताया कि निजी वाहनों को 20 साल होने पर और कमर्शियल वाहनों को 15 साल होने पर फिटनेस जांच करानी होगी. यह नीति देश की आयात लागत को कम करने के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल और ईंधन की कम खपत करने वाले वाहनों को बढ़ावा देगी. नितिन गडकरी ने नीति का स्वागत करते हुए कहा कि इससे 10 हजार करोड़ रुपये के नये निवेश और रोजगार के 50 हजार अवसर सृजित होंगे. इस नीति के दायरे में एक करोड़ से अधिक हल्के, मध्यम एवं भारी वाहन आयेंगे. इस नीति के दायरे में 20 साल से अधिक पुराने 51 लाख हल्के वाहनों के आने का अनुमान है. इसके अलावा 15 साल से पुराने 34 लाख हल्के वाहन और 17 लाख मध्यम व भारी वाहन भी इसके दायरे में आयेंगे. ये वाहन नये मॉडलों की तुलना में 10-12 गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं. गडकरी ने इसके फायदे गिनाते हुए कहा कि यह बेकार धातुओं के रिसाइकिल, वायु प्रदूषण में कमी, नये वाहनों की बेहतर ईंधन दक्षता के चलते आयात लागत में कमी और निवेश के सही इस्तेमाल का मार्ग प्रशस्त करेगी. गडकरी ने पिछले सप्ताह कहा था कि सरकारी विभागों व सार्वजनिक उपक्रमों के पास मौजूद 15 साल से पुराने वाहनों को कबाड़ करने की नीति जल्दी ही अधिसूचित की जायेगी. एक अप्रैल 2022 से इसे लागू किया जायेगा. इस नीति को सरकार पहले ही मंजूरी दे चुकी है. वित्त मंत्री ने भी कहा था कि पुराने वाहनों को कबाड़ घोषित करने की नीति पर काम जारी है. संबंधित मंत्रालयों के साथ परामर्श के बाद नीति की घोषणा की जायेगी.

बजट 2021-22

उच्च शिक्षा के लिए नया आयोग, आदिवासी इलाकों में 750 एकलव्य स्कूल, 15000 स्कूल बदले जायेंगे मॉडल स्कूल में

पीपीपी मॉडल में खुलेंगे 100 सैनिक स्कूल

केंद्रीय बजट में शिक्षा और स्कूलों के लिए कई नये और खास प्रावधान किये गये हैं. संसद में बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश भर में सरकार 100 नये सैनिक स्कूल बनायेगी. इन स्कूलों का निर्माण पीपीपी मॉडल में किया जायेगा. इसके अलावा उच्च शिक्षा के लिए केंद्र सरकार ने एक नया आयोग भी स्थापित करने का निर्णय लिया है. देश में केंद्रीय विद्यालयों के नेटवर्क में भी विस्तार किया जायेगा. वहीं केंद्रीय विश्वविद्यालयों की पहुंच भी देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचायी जायेगी.

केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट पेश करने के दौरान नयी शिक्षा नीति का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि भारत की नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सभी ने स्वीकार किया है. उच्च शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने के लिए सरकार एक उच्च शिक्षा कमीशन का गठन करने जा रही है. लेह में नया केंद्रीय विश्वविद्यालय खोले जाने की घोषणा की गयी है.

एनजीओ की मदद से चलेंगे सैनिक स्कूल : बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि 100 नये सैनिक स्कूल गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की मदद से चलाये जायेंगे. इनका संचालन पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत किया जायेगा.

आदिवासी इलाकों में शिक्षा पर विशेष जोर : आदिवासी इलाके अब भी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं. बजट में इस पर ध्यान दिया गया है. यहां शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए करीब 750 एकलव्य स्कूल खोलने का फैसला किया गया है. ये स्कूल कहां-कहां खुलेंगे, यह बाद में घोषित होगा.

कहां होगा कितना खर्च

50,000 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे नेशनल रिसर्च फाउंडेशन पर अगले 5 वर्षों में

मॉडल स्कूल

38 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे प्रति मॉडल स्कूल पर, पहले 20 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान था

किस मद में कितना आवंटन

उच्च शिक्षा पर **38,350** करोड़ रुपये

स्कूली शिक्षा पर **54,873** करोड़ रुपये

48 करोड़ रुपये खर्च होंगे पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में मॉडल स्कूल के निर्माण में

150 नये संस्थानों के निर्माण की मंजूरी डिप्लोमा के लिए

नेशनल अप्रेंटिसशिप

3000 करोड़ रुपये नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम के लिए आवंटन का प्रस्ताव

छात्रवृत्ति

35,000 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति पर

डिजिटल इंडिया

3700 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे डिजिटल इंडिया पर. पैसा डाटा एनेलेटिक्स व अन्य मद में खर्च होगा.

इस बार इन पर फोकस

स्कॉलरशिप के लिए वित्तीय मदद बढ़ाई गयी

करीब 4 करोड़ एससी व एसटी छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम के लिए वित्तीय मदद बढ़ायी गयी है. 6 साल के लिए 35,219 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं.

मॉडल स्कूल में बदलेंगे सरकारी स्कूल

केंद्र सरकार सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों से टक्कर देने के लिए अगले वित्तीय वर्ष में करीब 15 हजार स्कूलों को आदर्श स्कूलों में बदलेगी. इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधरेगी.

नयी शिक्षा नीति से गुणवत्ता वाले कंटेंट होंगे उपलब्ध

डॉ केके मिश्रा
होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च)

नयी शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा मुहैया कराने पर जोर दिया गया है. शिक्षा की बेहतरी के लिए सरकार का यह प्रयास काफी सराहनीय है. बजट में इसके लिए नेशनल लैंग्वेज ट्रांसलेशन मिशन बनाने की बात कही गयी है. इसका मकसद स्थानीय भाषाओं में कंटेंट उपलब्ध कराना है. इससे व्यापक पैमाने पर लोगों को फायदा होगा. छात्रों को विज्ञान और तकनीक से जुड़े कंटेंट स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध होने से देश के सुदूर क्षेत्र के बच्चों को भी अच्छी गुणवत्ता वाले कंटेंट उपलब्ध हो पायेंगे. इससे शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी. लेकिन शिक्षा क्षेत्र के आवंटन के लिहाज से बजट उत्साहजनक नहीं कहा जा सकता है. पिछले साल शिक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 94 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था, जबकि इस साल यह आवंटन 99 हजार करोड़ रुपये है यानी शिक्षा क्षेत्र में सिर्फ पांच हजार करोड़ रुपये का अधिक आवंटन किया गया. देश के बजट का कुल आकार 30.4 लाख करोड़ रुपये का है. इस लिहाज से शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटन सिर्फ 3.3 फीसदी है.

2024 तक दोगुनी हो जायेगी जहाज पुनर्चक्रण की क्षमता, 1.5 लाख रोजगार का होगा सृजन

नयी दिल्ली. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि जहाजों के पुनर्चक्रण की क्षमता 2024 तक दोगुनी हो जायेगी. उन्होंने कहा कि यूरोप और जापान से अधिक जहाज लाने के प्रयास किये जायेंगे. वित्त मंत्री ने लोकसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि इससे देश में 1.5 लाख रोजगार के अवसर तैयार होंगे. उन्होंने कहा कि यूरोप और जापान से अधिक जहाज यहां लाने के लिए प्रयास किये जायेंगे. पुनर्चक्रण क्षमता को करीब 45 लाख लाइट डिस्प्लेसमेंट टन (एलडीटी) से बढ़ाकर 2024 तक दोगुना किया जायेगा.

शिक्षा पर 93,224 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान

नोट : कोरोना के कारण 2020-21 का बजट बाद में घटा कर 85,089 करोड़ कर दिया गया.

*राशि करोड़ रुपये में

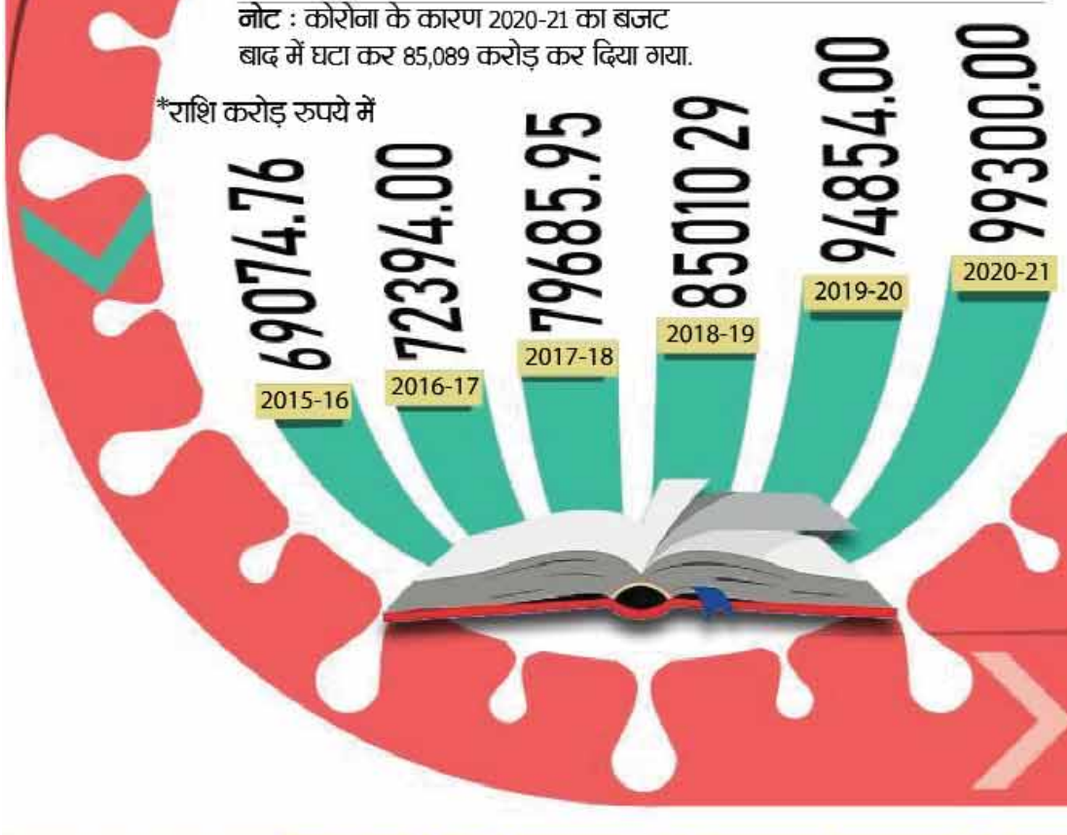

केंद्रीय विद्यालयों के लिए 6,800 करोड़ रुपये और नवोदय विद्यालयों के लिए 3,800 करोड़ रुपये का अवंटन किया गया है.

भाषा के विकास पर जोर

1 **भाषा अनुवाद मिशन :** पहली बार राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन की घोषणा की गयी है. मकसद सरकारी दस्तावेजों को प्रमुख भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर पब्लिक प्लेटफॉर्म पर लाना.

2 **शोध संस्थान होंगे बेहतर :** सीतारमण ने कहा कि हमारे कई शहरों में विभिन्न अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय और कॉलेज हैं, जो सरकार के समर्थन से चलते हैं. उदाहरण के लिए हैदराबाद, जहां तकरीबन 40 मुख्य संस्थान हैं. इसी तरह 9 अन्य शहरों में हम इसी तरह का एक समग्र ढांचा खड़ा करेंगे, जिससे इन संस्थानों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें, साथ ही इनकी स्वायत्ता बरकरार रह सके. उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिये एक विशिष्ट अनुदान की शुरुआत की जायेगी.

यहां रोजगार की संभावनाएं

ऑटो सेक्टर

1 व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी आने के बाद लगभग 43,000 करोड़ रुपये का कारोबार बढ़ने की उम्मीद है, जिससे इन क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ेंगी.

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति

2 राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूरे देश में लागू की जायेगी. कई नये स्कूल-कॉलेज, यूनिवर्सिटी खुलेंगे, जहां नये रोजगार के मौके मिलेंगे.

टेक्सटाइल सेक्टर

3 सरकार द्वारा टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश की घोषणा की गयी है. एक्सपोर्ट पर ज्यादा ध्यान दिया जायेगा. 7400 प्रोजेक्ट्स शुरू होने से रोजगार के अवसर पैदा होंगे.

देश का आम बजट लोकतंत्र के पवित्र मूल्यों को समर्पित बजट है। यह आत्मनिर्भर भारत की अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाला बजट है। यह बजट स्वस्थ व उन्नत भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे युवा वर्ग को सीधे तौर पर फायदा होगा।
- **वसुंधरा राजे,** पूर्व सीएम

राजस्थान को इस बजट से निराशा ही मिली है। बजट निजीकरण को बैंकिंग, बिजली, बीमा, शिपिंग सहित अनेक क्षेत्रों में बढ़ाने पर केंद्रित है। बजट में किसानों के कर्ज, एमएसपी की गारंटी पर कुछ नहीं कहा गया।
- **सचिन पायलट,** पूर्व डिप्टी सीएम

मोदी सरकार जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। यह 'आम बजट' नहीं 'कॉरपोरेट घरानों' का बजट है। पीएम किसान सम्मान निधि को 10,000 करोड़ तक घटा दिया है। इस बजट में राजस्थान को क्या मिला ये हमारे 25 यशस्वी सांसद बताएंगे जिनको प्रदेश की जनता ने बड़ी उम्मीद से विजयी करके दिल्ली भेजा है।
- **गोविंद सिंह डोटासरा,** कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष

मोदी सरकार ने इस बजट में सभी पहलुओं को छूते हुए सभी सेक्टरों के मजबूती के साथ विकास पर विशेष ध्यान दिया है। बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट पर विशेष फोकस किया है। सड़क, रेलवे के ढांचे को मजबूत करने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया है। साथ ही 2023 तक ब्रॉडगेज लाइनों को इलेक्ट्रिफिकेशन करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है।
- **डॉ. सतीश पूनिया,** बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष

असंगठित क्षेत्र सुविधा देने के लिए मजदूरों की जानकारी एकत्र करेगी सरकार

सभी तरह के श्रमिकों के लिए लागू होगा मिनिमम वेज कोड

कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन में सबसे अधिक परेशानी असंगठित मजदूरों को उठानी पड़ी थी. इस बार बजट में वित्तमंत्री ने इन पर पूरा ध्यान दिया है. करीब 50 करोड़ श्रमिकों के लिए मिनिमम वेज कोड लागू करने का फैसला किया है. इन्हें भविष्य निधि, स्वास्थ्य और समूह बीमा, पेंशन जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जायेगी.

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को 2021-22 का बजट पेश किया. बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हर वर्ग के श्रमिकों के लिए मिनिमम वेज कोड लागू करने की घोषणा की है. यह प्रवासी और असंगठित श्रमिकों के लिए लॉन्च किया जायेगा. इससे देश के 50 करोड़ के करीब श्रमिकों को लाभ मिलेगा. कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के चलते कई फैक्ट्रियों और कंपनियों में ताले पड़ गये. इसका सबसे ज्यादा असर प्रवासी मजदूरों पर पड़ा. इसके लागू होने के बाद उन्हें एक तय समय पर निश्चित रकम मिल सकेगी.

लॉन्च होगा पोर्टल

श्रमिकों के लिए एक खास पोर्टल भी लॉन्च किया जायेगा. इस पोर्टल के जरिये गिग वर्कर्स, भवन और निर्माण श्रमिकों के बारे में जानकारी एकत्र की जा सकेगी. प्रवासी एवं श्रमिकों के लिए लांच किये जाने वाले इस खास पोर्टल का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के कामकारों को दूसरी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ऐसे श्रमिक जो अस्थायी रूप से कार्यरत हैं, इनमें गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर शामिल हैं. उन्हें भविष्य निधि, स्वास्थ्य और समूह बीमा, पेंशन जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जायेंगी. मिनिमम वेज कोड बिल को 2019 में ही पास कर दिया गया था. इसमें अस्थायी तौर पर काम करने वाले कर्मचारियों उबर, ओला, स्विगी और जोमैटो जैसे विभिन्न इ-कॉमर्स व्यवसायों से जुड़े कर्मचारी शामिल होते हैं.

प्रशिक्षु अधिनियम में बदलाव से बढ़ेंगे रोजगार के मौके

युवाओं के लिए अवसरों में वृद्धि के लक्ष्य से सरकार ने अप्रेंटिस कानून में संशोधन और शिक्षा के बाद प्रशिक्षण पानेवालों, स्नातकों और अभियांत्रिकी डिप्लोमा धारकों के लिए नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम में बदलाव का प्रस्ताव किया है. बजट में वित्त मंत्री ने इस लक्ष्य के लिए 3000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. उन्होंने कहा कि हमने 2016 में नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम शुरू की थी.

सरकार अप्रेंटिस कानून में संशोधन का प्रस्ताव रखती है, ताकि हमारे युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप के अवसरों में और बढ़ोतरी हो सके. अब नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम को नये सिरे से तैयार किया जायेगा, जिसके लिए 3000 करोड़ रुपये से अधिक रखे गये हैं. वित्त मंत्री ने कहा कि यह पहल संयुक्त अरब अमीरात (यूएइ) के साथ साझेदारी में की जा रही है, जिसके तहत प्रमाणित कार्यबल के परिनियोजन के साथ कौशल योग्यता का आकलन, समीक्षा और प्रमाणीकरण किया जायेगा.

पीएफ का पैसा देर से जमा करने की नहीं मिलेगी अनुमति

सरकार ने सोमवार को कहा कि कर्मचारियों के भविष्य निधि जैसे सामाजिक सुरक्षा योगदान को जमा करने में देरी करने वाले नियोक्ता अपनी आय में कर कटौती का दावा नहीं कर सकेंगे. इस संबंध में वित्त विधेयक 2021 में एक संशोधन का प्रस्ताव किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नियोक्ता अपने कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा योगदान को समय पर जमा करें. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि हमने पाया है कि कुछ नियोक्ता भविष्य निधि, सेवानिवृत्ति कोष और अन्य सामाजिक सुरक्षा कोषों के लिए कर्मचारियों के अंशदान की कटौती करते हैं, लेकिन इन अंशदानों को तय समय के भीतर जमा नहीं करते हैं.

बजट 2021-22

2022 तक किसानों की आय होगी दोगुनी

ये कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने को लेकर एलान किया. इस दौरान वित्त मंत्री देश के अन्नदाताओं के चेहरे पर खुशी लाने के लिए कोई कोर कसर छोड़ते नहीं दिखीं. सीतारमण ने सरकार को किसानों के लिए समर्पित बताते हुए कहा कि सरकार 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने पर कायम है.

उन्होंने कहा कि उत्पादन लागत की तुलना में कम-से-कम 1.5 गुना कीमत सुनिश्चित करने के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है. इसके साथ ही किसानों से अनाजों की खरीद और उनको किया जाने वाला भुगतान तेजी से बढ़ा है. वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि पिछले छह साल में धान, गेहूं, दालों और कपास जैसी फसलों की खरीद कई गुना बढ़ी है. उन्होंने कहा कि सभी जिंसों के लिए उत्पादन की लागत से कम-से-कम डेढ़ गुना कीमत सुनिश्चित करने के लिए एमएसपी व्यवस्था में व्यापक बदलाव किये गये हैं. सीतारमण ने कहा कि किसानों से खरीद लगातार बढ़ रही है. इससे किसानों को किया जाने वाला भुगतान भी काफी बढ़ा है. वित्त मंत्री ने जैसे ही कृषि क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों को गिनाना शुरू किया, विपक्षी सांसद तीनों हालिया कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग करने लगे. वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में एमएसपी व्यवस्था के तहत किसानों से की गयी खरीद दिये गये भुगतान के आंकड़े भी गिनाये.

16.5 लाख करोड़ रुपये का कृषि ऋण

वित्त मंत्री ने बताया कि 2021-22 में कृषि ऋण लक्ष्य को 16.5 लाख करोड़ रुपये तक किया जा रहा है. उन्होंने जानकारी दी कि अब स्वामित्व योजना को देशभर में लागू किया जायेगा. इसके साथ ही ऑपरेशन ग्रीन स्कीम का एलान किया गया है.

ऑपरेशन ग्रीन स्कीम

22
बर्बाद होने वाली फसलें ऑपरेशन ग्रीन स्कीम के दायरे में

माइक्रो इरिगेशन फंड

5,000
करोड़ रुपये और डाले गये माइक्रो इरिगेशन फंड में, सिंचाई की तकनीकों को नाबार्ड के तहत दिया जायेगा बढ़ावा

तमिलनाडु में फिश लैंडिंग सेंटर का विकास किये जाने की भी घोषणा की गयी

75,060
करोड़ रुपये का भुगतान किया गया गेहूं के लिए किसानों को

10,503
करोड़ रुपये दिये गये किसानों को दलहन उत्पाद के लिए

1,72,752
करोड़ रुपये रही किसानों को धान के लिए भुगतान राशि

1.68
करोड़ किसानों का राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) के तहत रजिस्ट्रेशन

बदलाव की आशा

स्वामित्व स्कीम 2021-22 में सभी राज्यों में होगी लागू

- इस वर्ष के शुरू में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित स्वामित्व स्कीम के अंतर्गत गांवों में संपत्तियों के मालिकों को दिये जा रहे अधिकार के दस्तावेज, अब तक 1,241 गांवों के लगभग 1.80 लाख संपत्ति मालिकों को दिये गये कार्ड, 2021-22 में इस योजना को सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में लागू करने की योजना
- नाबार्ड के अंतर्गत 5,000 करोड़ रुपये से बने माइक्रो इरिगेशन फंड में 5,000 करोड़ रुपये और डाल कर इसे दोगुना करने का लक्ष्य
- कृषि और संबद्ध उत्पादों पर किसानों को उचित मूल्य मिले और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 'ऑपरेशन ग्रीन स्कीम' जोकि इस समय केवल टमाटर, प्याज और आलू पर लागू है, के दायरे को बढ़ा कर इसमें जल्दी खराब होने वाले 22 और उत्पादों को किया जायेगा शामिल
- असम और पश्चिम बंगाल में चाय बागानकर्मियों के कल्याण के लिए 1,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव, वित्त मंत्री ने इस फंड को चाय के बागानों में काम करने वालों, खास कर महिलाओं और उनके बच्चों के लिए देने का रखा प्रस्ताव
- गेहूं की खरीद पर 2019-20 में किसानों को 62,802 करोड़ रुपये दिये गये. 2020-21 में किसानों को 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है. जिन किसानों को लाभ हुआ है, उनकी संख्या भी 2019-20 के 35.57 लाख से बढ़ कर 2020-21 में 43.36 लाख पर पहुंच गयी
- धान की खरीद पर किसानों को 2013-14 में 63,928 करोड़ दिये गये, जो 2019-20 में 1,41,930 करोड़ हो गया. 2020-21 में यह इसके बढ़ कर 1,72,752 करोड़ रहने का अनुमान है. लाभ पाने वाले धान किसानों की संख्या 2019-20 के 1.2 करोड़ से बढ़ कर 2020-21 में 1.54 करोड़ पर पहुंच गयी.
- दालों के मामले में किसानों को 2013-14 में 236 करोड़ का भुगतान किया गया. 2019-20 में यह बढ़ कर 8,285 करोड़ रुपये और 2020-21 में 10,530 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

इनसे सशक्त होंगे किसान

धन्य लक्ष्मी योजना

महिला किसानों के लिए 'धन्य लक्ष्मी योजना' का एलान किया गया है, जिसके तहत बीज से जुड़ी योजनाओं से महिलाओं को मुख्य रूप से जोड़ा जायेगा.

कृषि उड़ान स्कीम

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों का आयात बढ़ाने के लिए कृषि उड़ान स्कीम. यह काम पीपीपी मॉडल पर होगा.

प्रधानमंत्री कुसुम योजना

प्रधानमंत्री कुसुम योजना के जरिये किसानों के पंप को सोलर पंप से जोड़ा जायेगा, 20 लाख किसान लाभान्वित होंगे. 15 लाख किसानों के ग्रिड पंप को भी सोलर से जोड़ा जायेगा.

उर्वरता बढ़ाने पर नीति

उर्वरता बढ़ाने पर फोकस रखा जायेगा, रासायनिक खाद के इस्तेमाल को कम किया जायेगा और इसका संतुलित इस्तेमाल कैसे किया जाए, इस बारे में जानकारी दी जायेगी.

'किसान रेल' कोच

दूध, मांस, मछली समेत जल्दी खराब होने वाली चीजों को बचाने के लिए वातानुकूलित 'किसान रेल' कोच चलाये जायेंगे.

एक जिला-एक उत्पाद

बागवानी के लिए एक जिला-एक उत्पाद की तर्ज पर आगे बढ़ा जायेगा, बागवानी से जुड़े किसानों के लिए जिला स्तर पर योजना लायी जायेगी, उत्पादन बढ़ाने पर जोर.

खेती और सिंचाई

खेती और सिंचाई के लिए इस वित्तीय वर्ष में 2.83 लाख करोड़ का आवंटन. ग्रामीण विकास और पंचायती राज के लिए 1.23 लाख करोड़ रुपये.

कोल्ड स्टोरेज नाबार्ड को

देश में मौजूद वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज को नाबार्ड अपने अंडर में लेगा. इन्हें नये तरीके से डेवेलप किया जायेगा. नये वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज भी खोले जायेंगे. इसके लिए पीपीपी मॉडल अपनाया जायेगा.

मछली पालन, पशुपालन व डेयरी पर सरकार का फोकस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 2021 का आम बजट पेश करते हुए पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन के लिए कई घोषणाएं की हैं. मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि देश में पांच नये फिश हार्बर शुरू करने की योजना है. कोच्चि, चेन्नई, विशाखापट्टनम, पारादीप, पेटुघाट को फिश हब के रुप में विकसित किया जायेगा. सीवीड फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए तमिलनाडु में सीवीड पार्क विकसित किया जायेगा. वित्त मंत्री ने बताया कि भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और एक्वाकल्चर उत्पादन के साथ ही अंतर्देशीय मत्स्य पालन में भी दूसरे स्थान पर है. साल 2018-19 के दौरान देश का मछली उत्पादन 137 करोड़ टन था, जिसमें अंतर्देशीय क्षेत्र का योगदान 95 लाख टन और समुद्री क्षेत्र का योगदान 41 लाख टन का था. केंद्रीय बजट 2020-21 में पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन के लिए 3289.13 करोड़ रुपये दिये गये थे. केंद्रीय मत्स्यपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा जारी पशुगणना के मुताबिक, देश में गायों की संख्या 14.51 करोड़ है, जबकि गोधन करीब 18.25 करोड़ हो गयी है. देश में भैंस की आबादी 10.98 करोड़ है. दुधारू पशुओं (गाय और भैंस) की आबादी 12.53 करोड़ है.

एग्री इंफ्रा सेस का एलान, आज से लागू

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में, कृषि क्षेत्र को समर्थन देने के लिए कुछ चीजों पर एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेंट सेस लगाने का एलान किया. यह नया एग्री इंफ्रा सेस मंगलवार (2 फरवरी, 2021) से लागू होगा. कच्चे तेल पर 17.5% कृषि सेस, कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर 20% का सेस लगाया है. ग्राहकों पर कीमतों का अतिरिक्त भार न पड़े इसके लिए इन पर बेसिक सीमा शुल्क (बीसीडी) में कटौती की गयी है. इन चीजों में सेब (15%), एल्कोहॉलिक पेय पदार्थ (50%), कच्चे खाद्य तेल (15%), कोयला (1%), अमोनियम नाइट्रेट (2.5%), मटर, काबुली चना, बंगाल चना, मसूर (10%) फीसदी शामिल हैं.

2.5 प्रतिशत से 100 फीसदी तक लगाया गया सेस

उत्पाद	एग्री इंफ्रा सेस	उत्पाद	एग्री इंफ्रा सेस
क्रूड पाम ऑइल	17.5%	कोयला	1.5%
क्रूड सोयाबीन	20%	काबुली चना	30%
सूरजमुखी	20%	मटर	10%
एल्कोहॉलिक पेय पदार्थ	100%	चना	50%
गोल्ड, सिल्वर और डोर बार	2.5%	मसूर	20%
सेब	35%	पेट्रोल	2.5 रुपये प्रति लीटर
स्पेसिफाइड फर्टिलाइजर	05%	डीजल	4 रुपये प्रति लीटर

कृषि बजट 5.63% बढ़ा, आधा हिस्सा पीएम-किसान योजना को

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को वर्ष 2021-22 के लिए 5.63% अधिक यानी 1,31,531 करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया है और इसका आधा हिस्सा प्रधानमंत्री-किसान योजना पर खर्च किया जायेगा, जबकि कृषि-आधारभूत ढांचा कोष एवं सिंचाई कार्यक्रमों के लिए धनराशि की उपलब्धता में मामूली वृद्धि की गयी है. प्रमुख केंद्रीय योजनाओं में, पीएम-किसान के लिए 65,000 करोड़ रुपये का एक बड़ा आवंटन किया गया है, जिसके तहत सरकार पंजीकृत किसानों को तीन समान किस्तों में 6,000 रुपये प्रदान करती है. प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संवर्धन योजना (पीएम-आशा) के लिए आवंटन को अगले वित्त वर्ष के लिए बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपये किया गया है. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाइ) 'प्रति बूंद अधिक फसल' के लिए आवंटन को वर्ष 2020-21 के लिए 2,563 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से बढ़ाकर 4,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है.

ई-नाम प्लेटफार्म

1000
और मंडियों को ई-नाम प्लेटफार्म से जोड़ा जायेगा.

मत्स्य बंदरगाह

05
बंदरगाह कोच्चि, चेन्नई, विशाखापट्टनम, पारादीप और पेटुआघाट को मत्स्य बंदरगाह के रूप में किया जायेगा विकसित

ग्रामीण आधारभूत ढांचे

30,000
करोड़ की जगह 40 हजार करोड़ रुपये ग्रामीण आधारभूत ढांचे के लिए दिये गये

एक्सपर्ट व्यू बाजार की कमियों को दूर करने और व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में मिलेगी सहायता

कृषि क्षेत्र में बढ़ावा से ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

ब्रजेश झा
प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, दिल्ली

स्वामित्व योजना की बात भी हुई है, जो एक अच्छा कदम है. लैंड रिकॉर्ड और लैंड ओनरशिप को लेकर गांवों में बहुत ज्यादा समस्याएं हैं. इसी कारण लैंड मार्केट सही तरीके से विकसित नहीं हो पाये हैं.

इस बजट का पूरा फोकस स्वास्थ्य, रोजगार सृजन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर है. रोजगार सृजन एक ऐसी चीज है, जो कृषि को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है. कृषि क्षेत्र पलायन से बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है. पलायन से कृषि के लिए समय पर काम करनेवाले लोग नहीं मिल पाते हैं. चूंकि ग्रामीण इलाके में वर्ष भर रोजगार नहीं मिलता, इसलिए ज्यादातर लोग गांवों से पलायन कर चुके हैं. रोजगार सृजन से कृषि क्षेत्र को बढ़ावा और सहूलियत मिलेगी. रेगुलेटेड मार्केट या एपीएमसी मार्केट के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की बात भी कही है वित्तमंत्री ने. अभी इन मार्केट में बहुत सी कमियां हैं. सरकार इन्हें मजबूती प्रदान करने के लिए सहायता देगी. फसलों की खरीद की बात भी बजट में है. वित्तमंत्री ने अपने भाषण में बताया है कि 2013-14 से लेकर अभी तक गेहूं की सरकारी खरीद बहुत ज्यादा बढ़ी है. कपास की खरीद भी बढ़ी है.

स्वामित्व योजना की बात भी हुई है, जो एक अच्छा कदम है. लैंड रिकॉर्ड और लैंड ओनरशिप को लेकर गांवों में बहुत ज्यादा समस्याएं हैं. इसी कारण लैंड मार्केट सही तरीके से विकसित नहीं हो पाये हैं. यदि आपके पास लैंड की ओनरशिप है और इसे लेकर कोई समस्या नहीं है, लैंड रिकॉर्ड सही है, तो इससे लैंड मार्केट को बढ़ावा मिलेगा. लैंड रिकॉर्ड और लैंड मार्केट के सही नहीं होने से कृषि काफी हद तक प्रभावित हुआ है. इसे ऐसे समझिए कि जिनके पास छोटे-छोटे जमीन के टुकड़े हैं, वो काम की तलाश में बाहर चले गये, ऐसे में वे अपनी जमीन की सही देखभाल नहीं कर पाते थे, लेकिन जब स्वामित्व योजना के तहत उनको उनकी जमीन का स्वामित्व मिलेगा, वे सुरक्षित रह पायेंगे और अपने जमीन को किसी को भी बटाई पर या दूसरी व्यवस्था पर दे सकेंगे. पांच फिशिंग हार्बर बनाने की जो बात हुई है, वह सब तटीय क्षेत्रों के लिए है. निःसंदेह सरकार के इस कदम से मरीन फिशरीज को बढ़ावा मिलेगा. इस योजना में सी वीड को बढ़ावा देने की भी बात कही गयी है. एक बात और, जलवायु परिवर्तन के कारण मरीन फिशरीज काफी कम होता जा रही थी. ऐसे में सरकार का यह कदम इसे प्रोत्साहित करेगा.

मरीन फिशरीज की ही तरह इनलैंड फिशरीज को विकसित करने की दिशा में भी काम करने के लिए सरकार ने कहा है, लेकिन इसके लिए अभी उसने कोई क्षेत्र निर्धारित नहीं किया है. यह अच्छी बात है कि कृषि के सहायक क्षेत्रों को विकसित करने की दिशा में सरकार कदम उठा रही है.

सरकार 22 और फसलों (पेरिशेबल क्रॉप) को टमाटर, प्याज और आलू की तरह विशेष वरीयता सूची में शामिल करेगी. यदि इन फसलों को बढ़ावा मिलेगा, उसके लिए आवंटन होगा, तो उसके लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर भी बनेंगे. टमाटर, प्याज और आलू के मूल्यों में काफी उतार-चढ़ाव होता है. ये पेरिशेबल क्रॉप यानी बहुत जल्द खराब होनेवाले फसल हैं, इनके लिए यदि सही इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होगा, तो किसानों को उनकी उपज का सही पैसा नहीं मिलेगा, दूसरी तरफ लोगों को वह उपलब्ध नहीं हो पायेगा.

इस परेशानी को कम करने के लिए सरकार ने आलू, प्याज और टमाटर की तरह ही 22 अन्य फसलों को भी वरीयता सूची में शामिल करने की बात कही है. इससे इन फसलों को भी बढ़ावा मिलेगा और किसान और उपभोक्ता के बीच जो प्राइस की दूरी है, वह कम होगी. किसानों को फसल का अच्छा दाम मिलेगा. उम्मीद है कि इससे उपभोक्ताओं को भी कम दाम में चीजें उपलब्ध होंगी.

उज्ज्वला योजना में एक करोड़ और लोगों को शामिल किया जायेगा, यह अच्छा कदम है. लकड़ी का चूल्हा जलने से वायु प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है. सरकार का यह कदम वायु प्रदूषण में कमी लाने में सहायता करेगा. महिलाओं की स्थिति भी इससे बेहतर होगी.

सुमन राठौड़ झाझड कई साहित्यिक सम्मान से सम्मानित

झुंझुनूं @ जागरूक जनता। देश के अनेक साहित्यिक मंचों पर अपनी कलम की ताकत से कोरोनाकाल में पहचान बनाने वाली हनुमानगढ़ की सौंधी माटी में पली पढ़ी बेटी एवं ससुराल झाझड की पावन माटी में घूंघट एवं संस्कारों का मान सम्मान रखने वाली बहू सुमन राठौड़ पत्नी शक्ति सिंह शेखावत को उनकी साहित्यिक सेवा के आधार पर गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में साहित्य संगम संस्थान बिहार द्वारा आयोजित तीन दिवसीय साहित्यिक सम्मेलन में उत्कृष्ट योगदान पर राष्ट्र गौरव सम्मान, अभिनव साहित्यिक मंच प्रयागराज द्वारा भारत गौरव सम्मान, राष्ट्रीय कवि संगम कर्नाटक मंच द्वारा काव्य गौरव सम्मान, कलमकार कुंभ साहित्यिक संस्था दिल्ली द्वारा राष्ट्र प्रेमी सम्मान, साहित्य संगम संस्थान झारखंड द्वारा देशप्रेमी सम्मान,वाह वाह क्या बात है अखिल भारतीय कवि मंच मध्यप्रदेश द्वारा राष्ट्र गौरव सम्मान से उत्कृष्ट योगदान पर अलंकृत किया गया। वहीं तरूणोदय मंच के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में उनकी कविता दहेज को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर प्रशंसा पत्र मंच की ओर से दिया गया। साहित्य संगम संस्थान की मुख्य इकाई द्वारा आयोजित परिचर्चा "मुद्रित साहित्य श्रेयस्कर या इलैक्ट्रिक हिंदी साहित्य" पर परिचर्चा प्रवीण सम्मान, कलम बोलती है साहित्य मंच गुजरात द्वारा सक्रिय लेखक सम्मान, साहित्य संगम संस्थान राजस्थान द्वारा उनकी रचना हौसलों की उड़ान पर साहित्य सृजन सम्मान एवं छंदाआधारित प्रतियोगिता में स्वरचित रचना वीर सपूत सर्वश्रेष्ठ रहने पर साहित्य संगम संस्थान राजस्थान द्वारा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया।कोरोनाकाल में साहित्य में रूचि एवं लेखन में निरंतरता बनाए रखने वाली सुमन राठौड़ की कई रचनाएं देश एवं अंतरराष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है।

राहत फाउण्डेशन करेगा नि:शुल्क शॉर्ट टर्म ब्यूटी क्लासेज का संचालन

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी (कोविड 19), वैश्विक महामारी के साथ साथ आर्थिक विषमताओं के रूप में हमारे समक्ष आई है। उक्त महामारी के पश्चात सम्पूर्ण विश्व नौकरी व व्यवसाय में आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा है। प्रत्येक व्यक्ति इन आर्थिक समस्याओं को दूर करने के लिए निरंतर रूप से प्रयासरत है। राहत आदिशक्ति फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण, रोजगार व उत्थान के लिए संघर्षरत है वह इसी प्रयास में कदम आगे बढ़ाया है. राहत आदि शक्ति फाउंडेशन के फाउंडर एडवोकेट रुचि सेठी व संदीप पारीक ने बताया कि राहत आदिशक्ति फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण व स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करता आ रहा है। व इसी क्रम में महिलाओं को रोजगार व स्वयं के व्यावसाय के अवसर प्रदान करने के लिए राहत आदिशक्ति फाउंडेशन, सौम्या जैन मेकओवर के सौजन्य से निशुल्क शॉर्ट टर्म ब्यूटी कोर्स संचालित करने जा रहा है। जरूरतमंद व कोर्स करने की इच्छुक महिलाएँ राहत आदिशक्ति फाउंडेशन को रजिस्ट्रेशन करा सकती है। रजिस्ट्रेशन पूर्णत निःशुल्क है। 18 फरवरी से निःशुल्क शॉर्ट टर्म ब्यूटी क्लासेज का संचालन होगा। जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके। महिला सशक्तिकरण अर्थात दूसरी महिलाओ को कार्य करने का अवसर प्रदान करना, उन्हें आगे बढ़ने देना ये कार्य सिर्फ सशक्त महिला ही कर सकती हैं। एडवोकेट रुचि सेठी व सौम्या जैन ने सशक्त महिलाओं के रूप में भूमिका निभाई है व दूसरी महिलाओं को आगे लाने के लिए आर्थिक रूप से निर्भर बनाने, के लिए। प्रयासरत है।

पाटोत्सव व पौषबड़ा प्रसादी कार्यक्रम संपन्न

चौमूं @ जागरूक जनता। ग्राम मोरीजा के मोहनलाल जी मंदिर में भगवान का पाटोत्सव व पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन पुजारी विमल पारीक के सानिध्य में गुरुवार को हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में पंडित सुदर्शन शर्मा ने भगवान गणेश अंबिका, नवग्रह, पंचलोकपाल, वरुण कलश व मंडलस्थ देवताओं की षोडशोपचार से पूजा-अर्चना करवाई।इसके बाद भगवान के विग्रह का पंचामृत से स्नान कराकर पुरुष सूक्त व श्री सूक्त अभिषेक किया गया। मुख्य यजमान हंसराज आत्रेय ने सपत्नीक पूजन व हवन कर्म करवाया।इसके बाद सत्यनारायण भगवान की कथा की गई एवं पूर्णाहुति के साथ भगवान के हलवा पकौड़ी पुड़ी का भोग लगाया गया।भगवान के श्रृंगार के बाद आरती की गई एवं पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में मोरीजा गांव के सभी ग्रामीण जन उपस्थित रहे सभी ने भगवान की प्रसादी का आनंद लिया तथा भगवान मोहन लाल जी के अलौकिक दर्शन किए और पूजा अर्चना की पूरा मोरीजा गांव भगवान मोहन लाल जी के जयकारों से गूंज उठा कार्यक्रम में मोरीजा सरपंच मंगल चंद सोनी उपसरपंच सुदर्शन शर्मा अंजनी कुमार शर्मा विमल अग्रवाल अशोक मीणा सुनील शर्मा ओम प्रकाश मोदी दामोदर प्रसाद मोदी श्याम सुंदर शर्मा आदि ग्राम निवासी मौजूद रहे।

माली समाज विकास समिति के तत्वाधान में नव निर्वाचित अध्यक्ष, पार्षद व पत्रकारों का स्वागत

चौमू @ (सुशील अग्रवाल) जागरूक जनता। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी व समिति अध्यक्ष तथा mjfvs के संरक्षक प्रहलाद सहाय आधोपिया के सानिध्य में आयोजित किया गया, विशिष्ठ अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष विष्णु कुमार सैनी व कोटपुतली नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा सैनी रही। जिसमे नव निर्वाचित सैनी समाज अध्यक्ष नगरपालिका चोमू कोटपुतली व पार्षदों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने ऐतिहासिक जीत के लिए सभी को धन्यवाद दिया। समारोह में सामूहिक विवाह सम्मेलन के वर वधू को एफ डी वितरण व पत्रकार बंधुओ का स्वागत किया गया। अध्यक्ष ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद दिया। मंच का संचालन मदन लाल मलेरिया व अनिल कुमार सैनी ने किया इस समारोह में प्रभाती लाल सेक्रेट्री, शंकर लाल माली, ओमकार तंवर, नंछू राम बिसनलिया, बोदूराम तंवर, रामेश्वर फडया, रामचंद्र टेंट वाले,ओम भगत, मदन लाल करवा, संतोष कुमार इटावा, राजकुमार इटावा, राकेश महार, बद्री प्रसाद बांसा, कमलेश बांसा, सुरेश सैनी अचरोल, लल्लू प्रसाद, शंकर लाल, बाबू लाल, संवर मल खेजरोली, सीता राम चंदोलिया, दिनेश कुमार तंवर, नानू राम सैनी, कालू राम सांखला, घीसा लाल तंवर, रामेश्वर सिंगोदिया , रामेश्वर चंदोलिया, सूरज मल तंवर, झूंथा लाल तंवर, रामचंद्र तंवर, महेश तंवर, डॉक्टर मानप्रकाश, चुनी लाल भगत, प्रवीण, बाबू लाल भभेवा, जगदीश चन्द्र अधोपीय, मोहन लाल तंवर, शिंभू टूंडवाल, सुंदर लाल तंवर, राजू फूलवाले, नाथू राम बिष्णालिया, नानग राम तूंडवाल, सूरज मल करवा, मदन करवा, पूर्ण करवा, बाबू लाल तंवर, शंकर बिष्लानिया, भानु प्रसाद, आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

वागनाथ का सहारा बनी कृष्णा सेवा संस्थान

बालोतरा @ जागरूक जनता। हाउसिंग बोर्ड निवासी 32 वर्षीय विकलांग वागनाथ जो कि 2 साल पहले एक दुर्घटना में अपने दोनों पैरों से लाचार हो गया था, संस्थान अध्यक्ष धर्मेंद्र दवे ने बताया कि दुर्घटना से पहले कमठा मजदूरी करके अपना जीवन यापन करने वाला वागनाथ परिवार के भरण पोषण के लिए भीख मांगने को मजबूर हो गया,बालोतरा की स्थानीय गलियों में भीख मांगते देखने पर उसने अपनी आप बीती सुनाई तो वास्तुस्थिति को देखते हुए संस्था की तरफ से वागनाथ को तुरंत सहायता पहुंचाई गयी ,जिसमें आर्थिक मदद के साथ ,मासिक राशन,वागनाथ के संपूर्ण परिवार और तीनों बच्चो के लिए कपड़े ,जैकेट देकर उसके 6 माह का बकाया लाइट बिल का भी भुगतान किया गया,तथा संस्था द्वारा आस पास रहने वाले गरीब बस्तियों में भी कपड़े और खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्य के दौरान धर्मेंद्र दवे के साथ संस्था के सदस्यों में विमल मालवीय,गणपत वैष्णव,मांगीलाल खत्री,मुकेश सिंह,जितेंद्र परमार, राजू माली बिठुजा,मोंटू सुराणा,आनंद दवे सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

90 शहरी निकायों का रण

अध्यक्ष पद पर अंतिम दिन 281 उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल

कांग्रेस-बीजेपी के प्रत्याशियों ने बाड़ेबंदी से निकल दाखिल किया नामांकन

कुचेरा नगरपालिका में कांग्रेस और कुशलगढ़ में बीजेपी का अध्यक्ष निर्विरोध तय, दोनों जगह केवल एक एक नामांकन

7 फरवरी को अध्यक्ष, 8 को उपाध्यक्ष का चुनाव

कांग्रेस ने जिला प्रभारियों और पर्यवेक्षकों को दिए थे उम्मीदवारों के सिंबल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.in/.com

अजमेर नगर निगम के मेयर पद के लिए नामांकन दाखिल करती भाजपा प्रत्याशी बृजलता हाड़ा। साथ में हैं पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, अनीता भदेल और वासुदेव देवनानी @ जागरूक जनता

जयपुर। प्रदेश के 90 शहरी निकायों में अध्यक्ष पद पर नामांकन के अंतिम दिन 281 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए। कुचेरा नगरपालिका में कांग्रेस और कुशलगढ़ में बीजेपी का अध्यक्ष निर्विरोध बनना तय हो गया है। दोनों जगह केवल एक-एक नामांकन दाखिल हुआ है। अजमेर नगर निगम मेयर के लिए 5 उम्मीरदवारों ने नामांकन किए हैं। ज्यादातर निकायों में 2 से 3 उम्मीदवारों में ही मुकाबला है।

नामांकन के अंतिम दिन दोपहर तीन बजे तक नामांकन दाखिल किए गए। भाजपा और कांग्रेस के पार्षद बाड़ों में थे। इनमें से जिन्हें उम्मीदवार बनाया गया था, वे उन बाड़ों से निकल बड़े नेताओं के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे। अजमेर नगर निगम में प्रभारी अरुण चतुर्वेदी सहित पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी और अनीता भदेल की मौजूदगी में बृजलता हाड़ा ने मेयर के पद के लिए नामांकन दाखिल किया। बृजलता अजमेर जिलाध्यक्ष प्रियशील हाड़ा की पत्नी हैं। सोमवार को केवल 19 उम्मीदवारों ने ही नामांकन भरे थे, ऐसे में शेष उम्मीदवारों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया। 90 निकायों में से 19 जगह कांग्रेस और 25 जगह बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिला है, बाकी जगह निर्दलियों के हाथ सत्ता की चाबी है। कांग्रेस 50 से ज्यादा निकायों में अपने अध्यक्ष बनाने का दावा कर रही है। जबकि भाजपा का दावा है कि वह बोर्ड की संख्या 45 तक ले जाएगी।

कांग्रेस और बीजेपी ने ज्यादातर निकायों में पार्षदों की बाड़ेबंदी कर रखी है। बाड़ेबंदी 8 फरवरी को उपाध्यक्ष के चुनाव तक चलेगी। अध्यक्ष के लिए 7 फरवरी को वोटिंग हैं। अध्यक्ष पद पर नामांकन की कल जांच होगी, 4 फरवरी तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। 4 फरवरी को उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन कर दिया जाएगा। अध्यक्ष पद पर 7 को पार्षद वोटिंग करेंगे और उसी दिन नतीजे आएंगे। उपाध्यक्ष पद के लिए 8 फरवरी को ही नामांकन, चुनाव और नतीजों की प्रक्रिया एक ही दिन में पूरी होगी।

वैक्सीनेशन का दूसरा फेज

कल से बीएसएफ, सीआईएसएफ, पुलिस समेत अन्य फ्रंटलाइन वर्कर्स को लगेगा टीका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन का दूसरा चरण 4 फरवरी से शुरू हो रहा है। दूसरे चरण में सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अलावा राजस्व विभाग, स्थानीय निकाय, पंचायतीराज विभाग और पुलिस कार्मिकों को टीका लगाया जाएगा। इसको लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस फेज में 2.39 लाख से ज्यादा फ्रंटलाइन वर्कर्स का डेटा तैयार कर लिया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 16 जनवरी से शुरू हुए वैक्सीनेशन पहले फेज में 3 लाख 39 हजार 218 हेल्थ वर्कर्स को वैक्सीन लगाई गई। हेल्थ वर्कर्स को अब भी वैक्सीन लगाने का काम जारी है। वहीं, विभाग ने अब दूसरे फेज की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए फ्रंटलाइन वर्कर्स का डेटा भी कोविन एप पर अपलोड करना शुरू कर दिया है। अब तक राजस्व विभाग के 22 हजार 520, स्थानीय निकायों के 55 हजार 362 और पुलिस व सैन्य बलों के 1 लाख 61 हजार 236 लोगों का पंजीकरण हो चुका है। इस तरह कुल 2 लाख 39 हजार 118 लोगों को दूसरे चरण में टीका लगाया जाएगा।

2.39 लाख से ज्यादा लोगों का डेटा तैयार

पहले रेवेन्यू विभाग के कर्मचारियों को लगेगी वैक्सीन

सूत्रों के मुताबिक, 4 फरवरी से जो वैक्सीनेशन शुरू हो रहा है, उसमें सबसे पहले रेवेन्यू विभाग के कर्मचारियों को टीका लगाने की तैयारी है। इसके बाद धीरे-धीरे दूसरे विभागों के कर्मचारियों को लगाई जाएगी। वैक्सीनेशन नजदीक के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, अस्पताल में किया जाएगा। हालांकि, चिकित्सा विभाग ने इन विभागों से भी जगह चिह्नित कर बताने के लिए कहा है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि वैक्सीनेशन का काम अस्पतालों में ही किया जाएगा, क्योंकि वहां टीकाकरण के बाद ऑब्जर्वेशन के लिए पर्याप्त सुविधा होती है।

स्कूलों के लिए गाइडलाइन: सुबह साढ़े 10 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा कक्षा छठवीं से 8वीं तक के स्कूलों का समय, शिक्षा विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोनाकाल में बंद हुए स्कूल अब धीरे-धीरे खुलने लगे हैं। राज्य सरकार ने बीते दिनों कक्षा छठवीं से आठवीं तक के छात्रों के लिए 8 फरवरी से स्कूल खोलने की अनुमति दी है। इस कड़ी में मंगलवार को शिक्षा विभाग ने स्कूल खोलने के संबंध में गाइडलाइन जारी की है। स्कूलों में छात्रों को सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक पढ़ाने का समय निर्धारित किया है। निदेशक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से जारी गाइड लाइन के मुताबिक, स्कूल खोले जाने के एक दिन पहले 7 फरवरी को स्कूलों में पैरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) करना जरूरी होगा। इसमें अभिभावकों को स्कूल के लिए बनाई गई कोरोना गाइडलाइन की जानकारी दी जाएगी। गाडलाइन के मुताबिक कक्षा में सभी बच्चों को बुलाया जा सकेगा। स्कूल आने के लिए अभिभावक से सहमति लेना जरूरी होगा। आपको बता दें कि इससे पहले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए स्कूल खोले गए थे। ये स्कूल 18 जनवरी से खोले गए थे।

मोदी सरकार भारत को कॉर्पोरेट जगत के हाथों में बेच रही है-सैनी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

चौमू। पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी में मोदी सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने देश की संपत्ति उनको भी अपने पूंजीवादी दोस्तों को सौंपने की योजना बना ली है। इस बजट में मोदी सरकार ने एयरपोर्ट, सड़क, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, रेलवे का डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के हिस्से, वेयरहाउस, गेल, इंडियन ऑयल की पाइप लाइन और स्टेडियम को बेचेगी व सात बंदरगाह भी निजी हाथों में दिया जायगा। केंद्रीय बजट से स्पष्ट दिखाई देता है कि देश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है और भाजपा सरकार के पास ठोस दिशा नहीं है। बजट महंगाई बढ़ाने वाला है और इसमें किसानों, बेरोजगारों, लघु उद्योगों की स्थिति में सुधार के लिए कोई ब्लूप्रिंट नहीं है साथ में पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ा दिए गए, इनकम टैक्स में कोई रात नहीं, कस्टम ड्यूटी भी बढ़ा दी गई, किसानों पर सह चार्ज लगा दिया। राजस्थान की पूरी तरह से उपेक्षा की गई है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना सहित लम्बित रेल लाईनों और नए हाइवे की घोषणा न होना राज्य की जनता के साथ भेदभावपूर्ण है।

100 वर्षीय रूपी देवी ने अपनी पूरी पेंशन 2 लाख 21 हजार की भेंट

जोधपुर @ जागरूक जनता। चौपासनी तिलवारिया बेरा प्रेम विहार की निवासी 100 वर्षीय रूपा देवी ने अपनी पूरी पेंशन 2 लाख 21 हजार रुपये भेंट की। चौखा पूर्व सरपंच गोविंद टाक ने बताया कि 100 वर्षीय रूपा देवी प%ी स्व. गोविंदराम ने अनूठी पहल पेश करते हुए अपनी पूरी पेंशन राशि भेंट की। उन्होंने परिवार के साथ राशि प्रदान की। जिसमें उन्होंने श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए 51000, भदेरेसिया गौशाला में 51000, पन्नालाल गौशाला में 51000, वृद्धा आश्रम मंडोर में 51000 व रामबाग स्वर्ग आश्रम 21000 रुपये का अलग-अलग चेक प्रदान किए।

सेंट्रल बजट से व्यापारी नाखुश-फोर्टी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया सरकार द्वारा जो सेंट्रल बजट 2021 पारित किया गया है, कोविड महामारी का प्रभाव सम्पूर्ण देश पर पड़ा है इसको मध्यनजर देखते हुए व्यापारियों को सरकार से कुछ विशेष राहत की उम्मीदे थी परन्तु व्यापारियों की उम्मीद पर सरकार का यह बजट खरा नही उतर पाया है। अग्रवाल के अनुसार केंद्र सरकार ने जो यह बजट पेश किया है बजट स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर व ऋषि को लेकर ही पेश किया है इसमें स्वास्थ्य व एंटरटेनमेंट, रियल स्टेट व टूरिज्म पर बहुत ध्यान देना आवश्यक था परन्तु इस ओर बिलकुल भी ध्यान नही ध्यान दिया गया है इससे व्यापारियों को भी निराशा हाथ लगी है फोर्टी मुख्य सरंक्षक सुरजाराम मील ने बतलाया केंद्र सरकार जो भी बजट पेश करती है वो आम आदमी, प्रत्येक जाती और प्रत्येक स्टेट को ध्यान में रखते हुए बजट पेश करती है परन्तु अभी लगातार जो सरकार द्वारा बजट पेश किया जा रहा है उसके यह हो गया है की सिर्फ जिस स्टेट में चुनाव है वहीँ योजनाये चालू होती है और बाकी स्टेटस में रह जाती है। इससे यह लगता है यह बजट संतुलित न होकर सिर्फ चुनाव को ही समर्पित है।

फोर्टी वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने बताया की इनकमटैक्स में व्यापारियों को सरकार से राहत की बहुत ज्यादा उम्मीदे थी परन्तु इसके स्लैब में कोई बदलाव नही किया गया है। जिससे व्यापारियों को निराशा हाथ लगी है। फोर्टी उपाध्यक्ष जगदीश सोमानी ने बताया वर्तमान में महंगाई निरंतर बढ़ रही है परन्तु सरकार ने लोहा इस्पात व कॉपर पर ड्यूटी कम की जिससे निश्चित रूप से उद्योगों को राहत मिलेगी साथ ही 2 हिस्सों में इकोनॉमिक कोरीडोर जोन बनाने व व्हीकल स्क्रेप पालिसी की घोषणा भी सरकार का स्वागत योग्य कदम है। इससे ऑटोमोबाइल सेक्टर को भी बूस्ट मिलेगा।

फोर्टी चीफ सेक्रेटरी गिरधारीलाल खण्डेलवाल ने बताया सरकार द्वारा कुछ चीजो में रियायत दी गई है जिसमे ग्रामीण उद्योग के लिये जो बदलाव कियें है वो काफी सराहनीय कदम है। स्टार्टअप के लिए टैक्स छूट अतिरिक्त एक साल बढ़ी. स्टार्टअप्स के लिए टैक्स हॉलिडे का दावा करने के लिए 31 मार्च 2022 तक तक का वक्त देना व कस्टम ड्यूटी के मामले में 400 पुरानी छूटों का रिव्यू किया जाएगा. 1 अक्टूबर से नए कस्टम ड्यूटी स्ट्रक्चर को लागू किए जाने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है।

ब्राह्मण समाज राजस्थान ने सड़क व परिवहन मंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

चौमू। ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात एडवोकेट अजय कुमार शर्मा (जिला विधि सचिव) द्वारा प्रताप सिंह खाचरियावास सड़क एवं परिवहन मंत्री राजस्थान सरकार के नाम उपखंड अधिकारी को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 जयपुर सीकर नेशनल हाईवे पर बनाए गए चोमू बायपास पर राधा स्वामी बाग भोज लावा कट हाड़ोता कट उदयपुरिया मोड़ गोविंदगढ़ ताते डा मोड पर आए दिन वाहन दुर्घटना होती रहती है, इसके चलते अब तक सैकड़ों से ज्यादा लोग अपनी जान गवा चुके हैं तथा कई परिवार उजड़ चुके हैं। इस संबंध में स्थानीय निवासियों द्वारा कई बार एनएच एआई के अधिकारियों से संपर्क कर सूचित किया जा चुका है। परंतु विभाग द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई नाही उक्त दुर्घटनाओं को रोके जाने हेतु कोई प्रभावी हाल ही नहीं निकाला गया उक्त दुर्घटनाओं की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उक्त समस्या के समाधान हेतु निम्न उपाय किया जाना आवश्यक है क्रम संख्या 1 रोड पर बैरिकेट्स लगाए जावे क्रम संख्या दो वाहनों की गति को सीमित रखे जाने हेतु उपाय हो क्रम संख्या 3 रोड लाइट व ब्लीचिंग लाइट लगवाई जावे क्रम संख्या 4 रोड संकेतक लगवाए जावे। समस्या के समाधान हेतु ज्ञापन दिया गया जिला विधिक सचिव एडवोकेट अजय कुमार शर्मा द्वारा जिनमें प्रदीप कुमार शर्मा ओम प्रकाश शर्मा विजय शर्मा मुकेश शर्मा कृष्णा शर्मा सीएल जिंदल श्रवण लाल भगवान सहाय सांखला आदि अधिवक्ता एवं समाज बंधु मौजूद रहे।

ANCHOR **आमसभा**

सखी संगम फैडरेशन की 4321 महिलाओं को मिला कुशल नेतृत्व

महिलाएं अपने परिजनों को सड़क सुरक्षा के प्रति सचेत करें- पुलिस अधीक्षक, दीपक भार्गव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

चित्तौड़गढ़। हिन्दुस्तान ज़िंक एवं मंजरी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में सखी संगम फेडरेशन की वार्षिक आमसभा का आयोजन सखी कार्यालय परिसर चित्तौडगढ़ में आयोजित किया गया। हिन्दुस्तान ज़िंक के आस पास के 47 गांवों की 150 सखी महिलाओं ने निर्विरोध सखी अंजु सालवी, अनिशा बानू और सुगना कुमावत को अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में चुना। अध्यक्ष अंजु सालवी ने सखी संगम फेडरेशन की वार्षिक उपलब्धियों को कार्यक्रम में साझा किया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलायी। उन्होंने महिलाओं के सशक्त संगठन सखी संगम फेडरेशन के रूप में जुडने के लिए बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कई कानून बने हुए है जिसको मद्देनज़र रखते हुए अलग से महिला थाने की व्यवस्था भी की गयी है। परिवार के सभी सदस्यों को सड़क सुरक्षा प्रति सचेत करने के लिए घर की महिला का मुख्य योगदान होता है। उन्होंने आव्हान किया कि महिलाएं सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं करने पर परिवारजनों को रोके, टोंके और उन्हें सुरक्षित रहने के लिए प्रतिबद्ध करें। कार्यक्रम में कैनेरा बैंक के जिला क्षेत्रीय प्रबंधक ओमप्रकाश, बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक आजोलिया का खेडा के प्रेमकुमार एवं भूमि विकास बैंक के चेयरमैन कमलेश पुरोहित शामिल हुए। जिन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अल्पबचत की प्राथमिकता और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर अपने संपूर्ण आर्थिक उन्नयन पर विस्तार से चर्चा की। पुरूषों में प्रचलित मद्यपान जैसी कुरीति पर महिलाओं के नेतृत्व का सामुहिक आव्हान किया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा श्रीमती कल्याणी दीक्षित ने सभी महिलाओं को घर की रानी के रूप में संबोधित करते हुए फेडरेशन बनने की उनकी यात्रा के लिए बधाई दी। सभी अतिथियों ने सखी महिलाओं के उत्पादों मसालें, हेण्डमेड बैग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि हिन्दुस्तान ज़िंक के सीएसआर कार्यक्रम में संचालित सखी परियोजना में जिले के गंगरार, चित्तौडगढ़ और भदेसर पंचायत समिति के चिन्हित 47 गांवो की 4321 ग्रामीण महिलाएं सखी कार्यक्रम से जुडी हुई है। समाजिक सुरक्षा योजना, उज्ज्वला योजना, मनरेगा जैसी सरकारी योजनाओं में सखी महिलाएं लाभान्वित होकर अपने परिवार को संबल प्रदान कर रही है। अपनी छोटी छोटी बचत से स्वयं सहायता समूह का गठन कर 34 ग्राम संगठनों को एकिकृत कर सखी संगम फेडरेशन के रूप में अपना संगठन बना चुकी है जिससे अब तक उन्होंने महिलाओं को 2 करोड़ 32 लाख की ऋण राशि मुहैया करवायी है। हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा सिलाई उत्पादन, मसाला उत्पादन, मोमबत्ती उत्पादन केंद्र जैसे स्वरोजगार उन्मुख योजनाओं से सखी महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को निरंतर गति मिल रही है। गौरतलब है कि कोविड 19 के चुनौतिपूर्ण दौर में सखी महिलाओं ने 92 हजार मास्क बनाकर संपूर्ण जिलें में कोविड के प्रति जागरूक किया। 22 दिनों तक दैनिक मजदूरों और जरूरतमंद परिवारों को गर्म और ताजा भोजन बना उपलब्ध करा सहायता की। जरूरतमंद परिवारों के लिए घर घर जा कर कई क्विंटल अनाज एकत्रित किया। आम सभा में हिन्दुस्तान ज़िंक की सीएसआर टीम के विशाल अग्रवाल, अरूणा चीता, स्वेतलाना साहु, मयंक दर्जी, मंजरी फाउण्डेशन से शिवओम, प्रभु सालवी, अमरीश त्यागी, हरेन्द्र शर्मा, नागेन्द्र गिरी गोस्वामी ने अपनी सक्रीय भागीदारी निभायी।

पल्स पोलिया में अभियान में बच्चों की गटकी जिंदगी की दो बूंद

जयपुर @ जागरूक जनता। पीपीपी मोड़ पर विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा संचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अम्बाबाडी वार्ड 10 द्वारा क्षेत्र की 41000 की जनसंख्या हेतु पल्स पोलियो कार्यक्रम का आगाज किया गया। जिसमें 0 से 05 वर्ष तक के नोनिहालो को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। अभियान 3 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने हेतु क्षेत्र में कुल 17 बूथ बनाए गए है जिस हेतु 17 टीम अलग अलग बूथ पर सुबह रवाना की गयी 17 टीमो के कार्य की देखरेख हेतु 3 सुपर वाइजर व 1 जोनल अफसर नियुक्त किया गया है अभियान आगामी 4 दिवस तक सक्रीय किया जायेगा। कार्यक्रम के दुसरे दिवस से कार्यक्रम में जोनल अफसर यूपीएचसी के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ कृतिश पारीक एवम 03 सुपर वाइजर सतवीर सिंह राठौड़ ,मुकेश कुमार मीना व् विशाल शर्मा को बनाया गया है। पीपीपी पार्टनर अध्यक्ष विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर संजय कटारा ने टीमो व बूथों का निरीक्षण कर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु निर्देश प्रदान किये ।

अविनाश सुर और स्वर सम्मान से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। अपनी प्रतिभा से बॉलीवुड में ख़ास मक़ाम बनाने वाले जयपुर के प्रसिद्द कवि और गीतकार अविनाश त्रिपाठी को जयपुर में 'सुर और स्वर ' सम्मान से नवाज़ा गया। ग्रैंड उनियारा के दरबार हाल में हुए इस ग्रैंड कार्यक्रम में अविनाश त्रिपाठी को वरिष्ठ आई ए यस अधिकारी कृष्ण कुणाल ने सम्मानित किया। अविनाश त्रिपाठी ने इस अवसर पर अपने गीत और ग़ज़ल का पाठ भी किया। सामाजिक संस्था अचीव के द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह को संस्था के निदेशक देवव्रत शर्मा ने सम्बोधित किया। देवव्रत शर्मा ने अपने सम्बोधन में अविनाश त्रिपाठी की काव्य प्रतिभा की तारीफ करते हुए संस्था के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम को अनुपमा शर्मा ने आयोजित करने में प्रमुख भूमिका निभाई तथा शिखा सोनी ने कार्यक्रम संचालन किया। कार्यक्रम में अनिल गुप्ता, चेयरमैन स्थायी लोक अदालत, प्रेम चंद्र शर्मा, न्यायाधीश सहित प्रदेश के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। गौर तलब है कि अविनाश के लिखे गीत प्रसिद्द बॉलीवुड गायक शान, कविता कृष्णमूर्ति, कविता सेठ, अन्वेषा, अभिषेक रे, अनुपमा राग सहित बहुत से प्रसिद्द गायक गा चुके है। अविनाश मुंबई में कई फिल्म और वेब सीरीज का लेखन भी कर रहे है।

श्री श्याम महोत्सव सेवा समिति ने किया रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री श्याम महोत्सव सेवा समिति की ओर से मंगलवार को निवारू रोड के पास नांगल जैसा बोहरा सर्वेश्वर भवन में 14वां रक्तदान शिविर का आयोजन किया। संस्थान के अध्यक्ष ओम प्रकाश मोदी ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण ब्लड बैंकों में ब्लड की कमी हो गई है। इसके कारण थैलेसीमिया, कैंसर सहित दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को समय पर रक्त नहीं मिल रहा है। इसी कमी को दूर करने के लिए जयपुर में कई स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। स्व. लाडादेवी की सातवीं पुण्य तिथि पर लगाए गए इस रक्तदान शिविर में डॉ. लेखराज प्रजापत, पार्षद बाबूलाल शर्मा वार्ड नं. 19, रणवीर सिंह राजावत वार्ड नं. 18, राजेन्द्र सैनी, रामकिशोर प्रजापत, श्रवणलाल प्रजापत, अनिल कौशिक, महेन्द्र मंगल, प्रदीप जांगीड़, राखी शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोरोना जन आंदोलन के तहत निकाली रैली

पीपाड़शहर @ जागरूक जनता। सरकार द्वारा कोरोना जनआंदोलन के तहत नगर पालिका पीपाड़ शहर में मास्क वितरण किए गए। साथ ही शहर के विभिन्न वाहनों से कोरोना जागरूकता रैली निकालकर आमजन को जागरूक किया गया। इस दौरान आमजन से मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग रखने की अपील की गई। रैली को दौरान यह प्रचारित किया गया कि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है, इसे हल्के में नहीं लें। सरकार की गाईडलाइन की पालना करें।

बालिका शिक्षा का प्रसार करे-पल्लवी कुलहरी

पीपाड़शहर @ जागरूक जनता। पीपाड़ शहर उपखंड मुख्यालय की ग्राम पंचायत रामड़ावास कला मे मंगलवार को महिला एंव अधिकारिता विभाग की सुपरवाइजर पल्लवी कुलहरी ने सास बहू सम्मेलन का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि बहू को घर की लक्ष्मी मानना चाहिए तभी समाज आगे बढ़ेगा बहू को बेटी के समान मान देना चाहिए। समस्त ग्रामवासियों की सभा में नई बहू तिलक लगवा कर आमने सामने सास की वार्तालाप कराई गई और उनको बेटी के समान माना जाए तभी समाज की कुरीतियों से बचा जाएगा। और विभाग की बच्ची के जन्म से लगा कर राजश्री योजना के तहत विभिन्न किस्तों में राशि दी जाती है । व महिलाओं को फ्री में कंप्यूटर शिक्षा दी जाती हैं। विभिन्न कल्याणकारी योजना के बारे में जानकारी दी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के योजना के अंतर्गत बेटी जन्म उत्सव कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। नवजात बालिकाओं की माताओं को केक कटवा कर जन्म उत्सव मनाया गया और उनको बेबी किट वितरण किया गया और समस्त ग्रामवासी और साथीन मौजूद थे। कार्यक्रम में सरपंच कौशल्या विश्नोई, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भगवती ,सूरता साहायका का चोती देवी प्रधानाध्यापक राहुल गुप्ता, अध्यापक रूपा राम बिश्नोई, साथीन इंद्रा देवी उपस्थित थे।

प्रथम प्रयास में ही आदित्य बने सीए

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम सुदरपुरा ढाढा निवासी 22 वर्षीय छात्र आदित्य पुत्र संजय मित्तल ने दा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंटस ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित नवम्बर 2020 की परीक्षा परिणामों में प्रथम प्रयास में ही सफलता अर्जित की है। जारी परिणामों में उत्तीर्ण होकर आदित्य सीए बन गये हैं।उनके पिता संजय क्षेत्र के मशहुर व्यवसायी हैं।जबकि मां संगीता मित्तल सामान्य गृहणी हैं। निकटवर्ती ग्राम सुदरपुरा ढ़ाढ़ा के मूल निवासी आदित्य के दादा सेठ बिहारी लाल मित्तल क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी हैं। मित्तल ने कहा कि सीए परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए 8 से 10 घण्टे नियमित अध्ययन किया एवं सोशल मीडिया से भी दूरी बनाये रखी।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि आदित्य की सफलता पर उनके परिजनों सहित ग्रामवासी व्याख्याता कमलेश कुम्हार,नवीन,हरीश, पूरन भगतजी, शिवचरण, शिवदयाल गुप्ता आदि ने मित्तल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।वहीं मित्तल की सफलता पर ग्राम सुदरपुरा ढ़ाढ़ा में हर्ष का माहौल है।

समाज को आगे आकर सभी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाएं-गर्ग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

भुसावर। शिक्षा के लिए हमें सभी का सहयोग करना चाहिए सभी समाज के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना होगा, अग्रवाल समाज अग्रज रहा है, इस भवन में अगर एक ऐसा पुस्तकालय बना दिया जाए जिसमें क्षेत्र के सभी वर्ग के सभी जाति के सभी धर्म के बच्चे अध्ययन कर अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकें इससे बड़ी समाज भवन दानदाता एवं उन सहित समस्त एकसी विचारधारा वाले व्यक्तियों कि रहेगी। हमें अपनी सोच बदलनी होगी। जिससे भरतपुर जिले में विकास की गंगा बह सकें। राजस्थान के पूर्व क्षेत्र के 2-3 जिले विकास के क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं । मैं लगभग 20-30 उद्योगपतियों से मिला उनका भरतपुर के अलावा कहीं भी इकाई लगाने का मानस बनता है। उद्योग वही लगते हैं वही फलते फूलते हैं जहां का वातावरण अच्छा हो आपसी सद्भावना जहां गुंडागर्दी नहीं हो क्राइम नहीं हो यह बात दूसरी है की क्षेत्र डिवेलप होने के बाद क्राइम जरूर बढ़त हैंए उसके लिए भी हमें सजग होना पड़ता है यह कहना है राजस्थान सरकार के चिकित्सा राज्यमंत्री डॉ सुभाष गर्ग का।

डॉ गर्ग भुसावर स्थित सेठ मांगीलाल भड़ाके वालो के जेष्ठ पुत्र ,के बी सी सी आई के पूर्व अध्यक्ष भरतपुर खादी बोर्ड के अध्यक्ष एवं बयाना खादी समिति के मंत्री राम भरोसी लाल गुप्ता द्वारा भुसावर स्थित पैतृक भवन को अग्रवाल समाज के लिए दान एवं पवन लोकार्पण के अवसर पर अपना उद्बोधन दे रहे थे। कार्यक्रम को पंजाब हरियाणा सरकार के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी यशपाल गर्ग, सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भरतपुर अग्रवाल समाज सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षाविद पूर्व संयुक्त निदेशक वासुदेव गुप्ता, प्रख्यात अभिभाषक एडवोकेट धर्म गोपाल चतुर्वेदी ,भरतपुर नगर निगम आयुक्त राजेश गोयल, भुसावर नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रकाश जाटव, बयाना पालिका अध्यक्ष विनोद कुमार बट्टा, भुसावर अग्रवाल समाज अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण सिंगल, रहे। वक्ताओं ने भडाके वाले परिवार द्वारा किते ग्रे पुनीत कार्य की भारी प्रशंसा की, इस अवसर पर नगर पालिका भुसावर पार्षद विवेक गर्ग, प्रमुख अचार उद्योग व्यवसाय विजय कुमार नेवारिया सहित कस्बे के गणमान्य नागरिक जयपुर दिल्ली अलवर भरतपुर कोटा सहित अनेक प्रांतों के समाज के लोग उपस्थित रहे।

विधायक हुडला ने की मुख्यमंत्री गहलोत से मुलाकात

बजट में महवा विधानसभा क्षेत्र के लिए मांगी सौगात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

महवा। विधायक ओमप्रकाश हुडला ने आज मुख्यमंत्री से उनके निवास पर मुलाकात की और उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया। इस दौरान मुख्यमंत्री गहलोत से विभिन्न राजनीतक, आर्थिक और क्षेत्र के विकास के बारे में चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री को अपने क्षेत्र में किए जा रहे अभिनव प्रयासों के बारे में अवगत कराया और विभिन्न योजनाओं के धरातल के फीडबैक से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने मुख्यमंत्री से आने वाले बजट के बारे में चर्चा की और महवा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न मांग की। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आज हमने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर महवा के आम आदमी की आवाज़ को उन तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री गहलोत ने विधायक हुडला को विश्वास दिलाया कि महवा विधानसभा क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नही रखी जायेगी और जन भावनाओ का सम्मान किया जाएगा । मुख्यमंत्री ने महवा विधायक के विकास कार्यो की भी प्रशंसा की ।

आतंकवादियों की कोई जाति नहीं होती यह एक वहसीपन है-डॉ शर्मा

यतेन्द्र पाण्डेय @ जागरूक जनता
jagrukjanta.net/.com

भरतपुर। मनुष्य के अंदर जो आत्मा है वह कब किस प्रकार किसी प्रलोभन से या अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के वशीभूत किसी को भी कितना ही नुकसान पहुंचा सकती है उसे यह आवास नहीं रहता की मैं जो कर रहा हूं उससे कितने लोगों को हनी होगी देश पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा ऐसे ही एक व्यक्ति द्वारा परम पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को आजादी मिलने के कुछ ही माह बाद गोलियों का निशाना बनाकर देश को देश में आतंक फैलाने का प्रयास किया यह कहना है शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर महेंद्र कुमार शर्मा का शर्मा राजस्थान के भरतपुर जिले मैं भुसावर स्थित फाउंडेशन के राजस्थान इकाई कार्यालय पर अपना उद्बोधन दे रहे थे शर्मा ने कहा की वर्तमान आतंकवाद एवं आज से 50 वर्ष पूर्व के आतंकवाद में काफी अंतर रहे उस समय परिस्थितियां दूसरे प्रकार की थी देश गुलाम था देश की आजादी के लिए मर मिटने वाले लोगों को आज हम नमन करते हैं इसके साथ हमें वर्तमान के आतंकवादियों द्वारा देश के लिए शहीद हो रहे युवाओं व अन्य को भी श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए। शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन की सचिव रचना शर्मा ने अपने उद्बोधन में 2008 मुंबई आतंकी हमले का जिक्र करते हुए किस तरह से कितने परिवार उस मंजर का दुष्प्रभाव आज भी झेल रहे हैं का सविस्तार सभी को बताया कार्यकारी सदस्य रागिनी शर्मा फाउंडेशन के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष इंजीनियर सिद्धांत शर्मा इंजीनियर आकृति शर्मा आदित्य शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। राजस्थान के भुसावर पहुंचने पर स्थानीय इकाई के मनीष शर्मा शैलेश शर्मा राजेंद्र पांडे भूपेंद्र पांडे गजेंद्र पांडे कमलेश पांडे सुषमा पांडे शीला पांडे सहित राजस्थान संयोजक यतेन्द्र पाण्डेय् ने सभी का साफा माला एवं प्रतीक चिन्ह सम्मान किया।

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
हर खबर से आपको रखें पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े अपडेट जागरूक जनता
www.face-book.com/jagrukjan-tanews

अखिल भारतीय गुर्जर महासम्मेलन आयोजित

प्रतिभाओं को मिला राष्ट्रीय गुर्जर गौरव अवॉर्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर/कोटपूतली। अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के तत्वावधान में गुलाबी नगरी जयपुर में अखिल भारतीय गुर्जर महासम्मेलन एवं गुर्जर गौरव सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविशंकर धाबाई ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तरप्रदेश,नई दिल्ली, मध्यप्रदेश एवं गुजरात सहित कई राज्यों से गुर्जर प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष धाबाई ने समाज के लोगों को एकजुटता की शपथ दिलाई। जिसको लेकर युवाओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर समाज के विकास, एकजुटता, कुरीतियों को दूर करने पर भी चर्चा की गई। राष्ट्रीय महासचिव योगेन्द्र सिंह गुर्जर ने सम्मेलन में शिक्षा,रोजगार व सामाजिक एकजुटता के साथ-साथ गुर्जर रेजीमेंट के गठन व राजनैतिक हिस्सेदारी पर चर्चा की। इस दौरान समाजसेवी दामोदर गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र धाबाई ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर मुनेश गुर्जर ने की। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में कोटपूतली निवासी सहायक सांख्यिकी अधिकारी भीलवाड़ा सरोज पायला, व्याख्याता राजकीय उच्च माद्यमिक विद्यालय माजरा बानसूर कमलेश कुमार गुर्जर, डॉ. राजेन्द्र कसाना, डॉ. उमेश छावड़ी, डॉ.महेश कसाना, राजेन्द्र कसाना आदि को राष्ट्रीय गुर्जर गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान युवा नेता सतवीर पायला, रमेश रावत, कानाराम कसाना, घनश्याम गुर्जर, कृष्ण कसाना, राज कसाना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उपखण्ड अधिकारी सुनीता मीणा ने किया औचक निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

कोटपूतली। एसडीएम सुनीता मीणा ने पावटा में औचक निरीक्षण किया।डाकघर पावटा के निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी सुनीता मीणा ने स्वच्छता के निर्देश दिये।वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में संस्था प्रधान को एसओपी के अनुसार बैठक व्यवस्था करने, शिक्षकों को समायनुसार व कालांशानुसार कक्षा में उपस्थित होने एवं विद्यार्थी उपस्थिति पंजिका का समयानुसार संधारण किये जाने के निर्देश दिये।जयपुर विद्युत वितरण विभाग पावटा के कार्यालय में निरीक्षण के दौरान पत्रावलियां सुव्यवस्थित नहीं पाई गई। गंदगी का ढ़ेर पाया गया एवं शिकायतों के समय पर निस्तारण हेतु सहायक अभियंता को निर्देशित किया गया।वहीं पटवार घर पावटा एवं प्रागपुरा के निरीक्षण के दौरान व्यवस्था सुव्यवस्थित पाई गई।

स्वर्गीय इन्द्र सिंह भाटी की पुण्यतिथि पर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम दांतिल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में स्वर्गीय इन्द्र सिंह भाटी की पुण्यतिथि पर भाटी परिवार की ओर से 100,400 एवं 1600 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले विजेता प्रतिभागियों को क्रमशः 2100,1100 एवं 551 रुपये एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि अरूणपूरी महाराज एवं चंद्रकांत शर्मा रहे।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि महेश सांखला ने की। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान युवाओं सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।कार्यक्रम का मंच संचालन सुभाष सैनी एवं महेश प्रजापति द्वारा किया गया।

ANCHOR मूर्ति अनावरण

आपसी भाईचारे के साथ एकजुटता से विकास के पथ पर अग्रसर होने पर ही अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि - राज्यमंत्री यादव

शहीद शैलेन्द्र कुमार मीणा के नाम से होगा राजकीय विद्यालय का नामकरण

राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव,पूर्व केन्द्रिय मंत्री नमोनारायण मीणा, थानागाजी विधायक कांतिलाल मीणा सहित अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में लिया भाग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती खड़ब गाँव में शहीद शैलेन्द्र कुमार मीणा का मूर्ति अनावरण कार्यक्रम आयोजित हुआ।बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्टेट मोटर गैराज राज्यमंत्री एवं क्षेत्रिय विधायक राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि आपसी भाईचारे के साथ सहयोग की भावना रखते हुए एकजुटता के साथ विकास के पथ पर अग्रसर होने पर ही अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वहीं उन्होंने कहा कि देश का किसान व मजदूर जहाँ हमारी सेवा में लगे हुए हैं।वहीं इस देश के जवानों की बदौलत ही हम अपने घरों में चैन की नींद सोते हैं। इसलिए हमें सैनिकों के साथ-साथ शहीद परिवारों का भी हमेशा सम्मान करना चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व केन्द्रिय मंत्री नमोनारायण मीणा ने कहा कि देश के युवा एवं छात्र वर्ग को शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर देशभक्ति का भाव मन में रखते हुए प्रगति पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए थानागाजी विधायक कांति लाल मीणा, पूर्व विधायक घनश्याम मेहर,पीसीसी मेम्बर जगदीश मीणा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।जबकि गोगामेड़ी धाम के महंत रूपनाथ महाराज एवं महावीर दास त्यागी महाराज द्वारा आशीर्वचन कहे गये।इससे पूर्व अतिथियों ने मूर्ति का उदघाटन कर माला पहनाई। वहीं अनावरण पट्टीका का भी लोकार्पण किया। अतिथियों के द्वारा शहीद के पिता हनुमान सहाय मीणा, माता सरबती देवी,वीरांगना मीना देवी,भाई अंकुश मीणा सहित अन्य परिजनों का सम्मान किया गया।अतिथियों का ग्रामीणों की ओर से माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान खड़ब सरपंच मालाराम गुर्जर, पूर्व सरपंच गोकुल चंद आर्य,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष छीत्तरमल सैनी,युवा नेता विराट यादव, रघुवीर यादव,बी.एल. यादव,महेन्द्र यादव शुक्लावास,एडवोकेट दुर्गा प्रसाद सैनी नोटेरी, नारेहड़ा ईकाई अध्यक्ष कमल मीणा,के.एम. बंसल,सतीश छावड़ी, विक्रम लीडर,रतनलाल शर्मा,जेईएन दिनेश मीणा,पूर्व सरपंच दाताराम जाट,बाबूलाल मीणा,बेगराज,रमाकांत, पूर्व सरपंच जसवंत मांठ,पूरण सिंह तंवर,लेखराज कुमावत, मालाराम मीणा सहित ग्रामवासी,जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीएसएफ में तैनात थे शहीद शैलेन्द्र

शहीद शैलेन्द्र मीणा बीएसएफ की 60 वीं बटालियन में तैनात थे। जो विगत वर्ष 18 जनवरी को ड्युटी के दौरान मिजोरम में शहीद हो गये थे।

राज्यमंत्री यादव ने शहीद के नाम पर की राजकीय विद्यालय की घोषणा

राज्यमंत्री यादव ने शहीद शैलेन्द्र कुमार मीणा के नाम पर खड़ब गांव के राजकीय विद्यालय का नामकरण किये जाने की घोषणा की है। साथ ही विद्यालय की चार दीवारी सहित बड़ा हॉल भी बनवाये जाने के साथ-साथ ही शहीद के दोनों बच्चों को कोटपूतली के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित अपने विद्यालय दा राजस्थान इन्टरनेशनल स्कूल में कक्षा 12 तक निःशुल्क शिक्षा दिये जाने की घोषणा भी की।वहीं उन्होंने वीरांगना को रोजगार दिलवाये जाने का भी आश्वासन दिया। राज्यमंत्री ने कहा कि ग्राम खड़ब की पेयजल समस्या को देखते हुए आसपास के करीब एक दर्जन गांवों को शामिल करके समस्या का निराकरण किया जायेगा।

Smaller EMIs on
30 YEAR
HOME LOANS

8.45%*
Interest Rate

housing mortgage loan also available

अब अपनी पुरानी गाड़ी पर

तक लोन करवायें...

कीमत का 150%

*शर्तें लागू

IDFC FIRST Bank
BAJAJ Bajaj FinServ Limited
TATA CAPITAL We only do what's right for you
Mahindra Finance
ICICI Bank Home Loans khayaal aapka
MAGMA Investing in the smallest dream
HeroFinCorp. sk FINANCE
HDFC BANK We understand your world

authorised channel partner
Aarna associate
Call us : 9828333666